श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय विश्वविद्यालय

नैक द्वारा 'ए' श्रेणी प्रत्यायित

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

कुलाधिपति

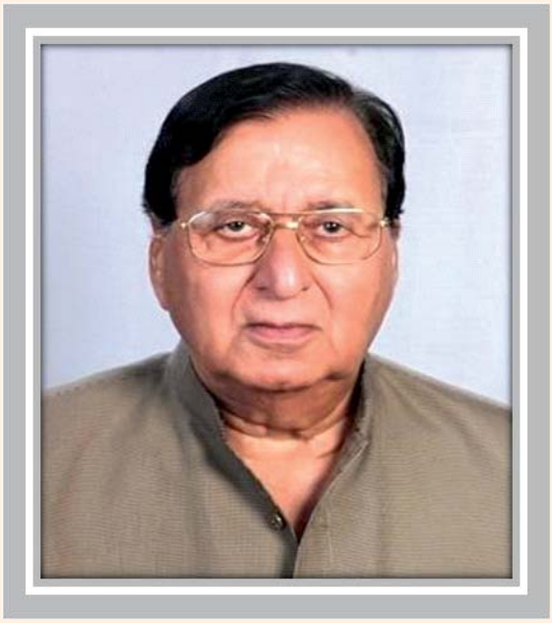

डॉ. हरि गौतम

डॉ. हरि गौतम का मेडिकल स्टडीज और हायर एजुकेशन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान है। उन्होंने देश के कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है, जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, किंग जार्न मेडिकल कॉलेज (लखनऊ) और KIIT विश्वविद्यालय (भुवनेश्वर) के कुलपति रहे। उनका नेतृत्व जयपुर में महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के प्रेसिडेंट के तौर पर भी रहा और उन्होंने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के पूर्व प्रेसिडेंट के रूप में भी काम किया। डॉ. गौतम जालंधर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के पूर्व चेयरमैन भी थे।

डॉ. हरि गौतम को देश की दस विश्वविद्यालयों ने मानद डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री (ऑनरेरी कॉसा) से सम्मानित किया। उनका प्रभाव दूर-दूर तक महसूस किया गया है, जिसका प्रमाण उनके द्वारा 40 से अधिक विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त समारोह में दिए गए भाषण हैं। इसके अतिरिक्त, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलाधिपति के रूप में संस्कृत शिक्षा को उत्कृष्टता प्रदान करने की भावना उनके समर्पण को दर्शाती है। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सौभाग्यशाली है की उसे आप जैसा नेतृत्व मिला जिससे विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त हो सकी।

कुलपति

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक को माननीय विजिटर (भारत के राष्ट्रपति) द्वारा 27 अक्टूबर, 2021 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने 29 अक्टूबर, 2021 को पदभार ग्रहण किया। प्रो. मुरलीमनोहर पाठक को शैक्षणिक, प्रशासनिक और अनुसंधान गतिविधियों का व्यापक अनुभव है जो उनके पद के लिए महत्वपूर्ण है। वह एक प्रतिष्ठित विद्वान हैं, जिन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संस्कृत में परास्नातक एवं डी.फिल की उपाधि प्राप्त की है। कुलपति का पदभार संभालने से पूर्व, प्रो. पाठक दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में संस्कृत और प्राकृत भाषा विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

प्रो. पाठक ने अपने 35 वर्षों से अधिक के प्रभावशाली शैक्षणिक कार्यकाल में व्यापक शिक्षण, अनुसंधान मार्गदर्शन और मेंटरशिप के माध्यम से शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। प्रो. पाठक का विद्वतापूर्ण योगदान कक्षा तक ही सीमित नहीं है वरन् उन्होंने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता की है साथ ही उनके राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पत्र-पत्रिकाओं में अनेक शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में प्रो. पाठक वेद-वेदांग और साहित्य संकाय के डीन, प्रोफेसर और संस्कृत साहित्य एवं साहित्यशास्त्र विभाग के अध्यक्ष रहें हैं। प्रो. पाठक का शैक्षणिक प्रशासन में सफल योगदान रहा है। आप महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना में भी सम्मिलित रहे हैं। यह उनके शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्कृष्टता दोनों के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

प्रो. पाठक के गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व से श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

वित्ताधिकारी तथा कुलसचिव (प्रभारी)

श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव

(9 अगस्त 2023 से)

श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव ने 9 अगस्त 2023 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में वित्त अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया, जो उनके संस्थान की संचालन क्षमता को बढ़ाने की स्पष्ट दृष्टि को उजागर करता है। उनके पास वित्त, लेखा, क्रय, परिसंपत्ति, लेखा परीक्षा, स्थापना, प्रशासन और भर्ती संबंधित विश्वविद्यालय प्रबंधन के विविध क्षेत्रों का विस्तृत अनुभव है, जो उनके रणनीतिक नेतृत्व ने सुनिश्चित किया कि ये महत्त्वपूर्ण कार्य विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप रहें, और उनके सक्रिय दृष्टिकोंण ने उन्हें शीघ्र ही संस्थान में विकास और स्थिरता के लिए एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में स्थापित किया। उनकी क्षमताओं को पहचानते हुए, विश्वविद्यालय ने उन्हें 15 दिसंबर 2023 को कुलसचिव के रूप में अतिरिक्त कार्यभार सौंपा, जिससे उनके जटिल प्रबंधन क्षमता की बहुमुखी प्रतिभा भी उजागर हुई।

35 से अधिक वर्षों के प्रशासनिक और प्रबंधकीय अनुभव के साथ, श्री श्रीवास्तव की विशेषज्ञता उन्हें अन्य से अलग करती है। कुमाऊं विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त करने वाली उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि ने उनके वित्तीय और प्रशासनिक कौशल के लिए एक ठोस आधार प्रदान किया है। अपने कार्यकाल में उन्होंने चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया और परिवर्तनकारी बदलाव लाने की क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे विश्वविद्यालय में उत्तरदायित्व और नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहन मिला। उनके नेतृत्व ने न केवल संस्थान के संचालन ढांचे को मजबूत किया वरन् अकादमिक उत्कृष्टता और वित्तीय विवेक को भी बढ़ावा दिया।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में, श्री श्रीवास्तव का योगदान विश्वविद्यालय की उन्नति में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। उनका दूरदर्शी दृष्टिकोण और समर्पण भाव, भविष्य की प्रगति के लिए एक मजबूत नींव रख चुका है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विश्वविद्यालय निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर होता रहेगा।

पीठों के पीठाध्यक्ष

वेद वेदांग पीठ

पीठाध्यक्ष – प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी

दर्शनशास्त्र पीठ

पीठाध्यक्ष – प्रो. ए.एस. आरावमुदन्

साहित्य और संस्कृति पीठ

पीठाध्यक्ष प्रो. कल्पना जैन

आधुनिक विषय पीठ

पीठाध्यक्ष – प्रो. मीनू कश्यप

शिक्षा पीठ

पीठाध्यक्ष – प्रो. रचना वर्मा मोहन

पुराण विद्यापीठ

पीठाध्यक्ष – प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल

छात्र कल्याण

पीठाध्यक्ष – प्रो. शिव शंकर मिश्र

शैक्षणिक

पीठाध्यक्ष – प्रो. भागीरथि नन्द

विषयानुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना (कुलाधिपति)	141
2.	प्रस्तावना (कुलपति)	142
3.	परिचय	149
4.	विश्वविद्यालय के दृष्टि एवं उद्देश्य	150
5.	संगठन सारिणी	153
6.	प्राधिकरण वर्ग, मण्डल एवं समितियाँ	154-169
7.	पीठानुसार शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग विवरण	173
8.	गैर-शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग विवरण	174-177
9.	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	178-179
10.	नूतन शिक्षा नीति का क्रियान्वयन	180
11.	अनुदान/विद्यमान समझौता/ज्ञापन सहयोग, योजनाएं एवं परियोजनाएं	180-182
	छात्र विवरण	
12.	कार्यक्रम वार स्वीकृत एवं पंजीकृत छात्रों का विवरण	182
13.	नियमित और अंशकालिक पाठ्यकार्यक्रमों के लिए नामांकित छात्रों का राज्यवार विवरण	183
14.	श्रेणीवार नियमित कार्यक्रमों के छात्रों का विवरण	184
15.	श्रेणीवार स्ववित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रमों के छात्रों का विवरण	186
16.	पाठ्यक्रम अनुसार प्रविष्ट, उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण छात्रों का विवरण	187
17.	छात्रवृत्ति, जे.आर.एफ., एस.आर.एफ. एवं राष्ट्रीय अध्येतावृति सम्मानित छात्र	188-189
	पीठ	
18.	वेद वेदांग पीठ	191-201
19.	दर्शन शास्त्र पीठ	202-211
20.	साहित्य एवं संस्कृति पीठ	212-216

21.	आधुनिक विषय पीठ	217–220
22.	शिक्षा पीठ	221–232
23.	पुराण विद्या पीठ	229
24.	शैक्षणिक	230
25.	छात्र कल्याण	230
	केंद्र	
26.	शिक्षण अधिगम केन्द्र	234–238
27.	महिला अध्ययन केन्द्र	239–240
28.	संगणक केन्द्र	240–244
29.	स्वास्थ्य केन्द्र	245–246
	प्रकोष्ठ एवं ईकाई	
30.	आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	248
31.	स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ	248
32.	आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ	248
33.	समान अवसर प्रकोष्ठ	249
34.	प्रकाशन	249
35.	अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ	250
36.	राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)	253
37.	राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)	255
	अनुभाग एवं विश्वविद्यालय कार्य विभाग	
38.	लेखा	257
39.	शैक्षणिक	257
40.	प्रशासन (I, II एवं जीएडी)	258–260
41.	विकास	260–261
42.	परीक्षा	261
43.	विश्वविद्यालय कार्य विभाग	262
44.	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सी.पी.आई.ओ.)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सी.ए.पी.आई.ओ.) (आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत)	264–268

संरचना और सुविधाएं

45.	केन्द्रीय पुस्तकालय	269
46.	जलपान गृह	273
47.	दिव्यांगजन अनुकूल परिसर	274
48.	पर्यावरण-सुरक्षित कैम्पस ओएसिस : हरियाली, 24x7 सुरक्षा और ई-चार्जिंग स्टेशनों के साथ टिकाऊ पार्किंग	274
49.	उत्कृष्टता का मैदान : एसएलबीएसएनएसयू परिसर में एक स्पोर्टिंग ओडिसी	275
50.	बहुमुखी स्थान : अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शैक्षणिक अनुभवों को बढ़ाना	276
51.	आभासीय कक्षा/ स्टूडियो	277
52.	अतिथि गृह	277
53.	छात्रावास	278
54.	मनोरंजन कक्ष	278
55.	व्यायामशाला	279
56.	देवसदनम्	279
57.	आवासीय भवन	280
58.	शिशु सदन	280
59.	वेधशाला	281
60.	यज्ञशाला	281
61.	श्रौतयज्ञ प्रयोगशाला	282
62.	वर्षा जल संचयन प्रणाली	282
63.	छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र	283
64.	मल-जल शोधन संयंत्र	283

खेलकूद, अकादमिक एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ

65.	खेलकूद गतिविधियाँ	284
66.	मातृ भाषा दिवस	286
67.	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	287
68.	राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह	287

69.	युवा मंथन मॉडल संयुक्त राष्ट्र	287
70.	नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस	288
71.	भारतीय भाषा उत्सव	289
72.	सरकारी उपलब्धियां और योजनाएं एक्सपो (प्रदर्शिनी)	289
73.	एक पेड़ माँ के नाम अभियान	289
74.	शास्त्री जी और श्री महात्मा गांधी की जयंती का उत्सव	290
75.	दीपावली पूजन	290
76.	स्वच्छता सफाई के अंतर्गत पखवाड़ा और विशेष स्वच्छता 4.0 (एससीडीपीएम) मित्र सुरक्षा शिविर	290
77.	जनजातीय गौरव दिवस	291
78.	संविधान दिवस	291
79.	गणतंत्र दिवस	292
80.	विभाजन भयावह स्मृति दिवस	293
81.	स्वतंत्रता दिवस	293
82.	हर घर तिरंगा	294
83.	फिट इंडिया सप्ताह	295
84.	उत्कर्ष महोत्सव	296
85.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	296
86.	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	297
87.	सरस्वती पूजन	298

परिचय

उपलब्धियां और मान्यताएं

NAAC द्वारा 'A' ग्रेड संस्थान के रूप में मान्यता शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता उसके सभी शैक्षणिक पहलों में साफ दिखती है। इसके अलावा, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) ने नैक मान्यता के तीसरे चरण हेतु अपनी SSR (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) और कंटेन्ट (डेटा वैलिडेशन और वेरिफिकेशन) जमा कर दी है। NAAC पीयर टीम का दौरा अगले साल के लिए प्रस्तावित है ।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (श्री.ला.बा.शा. रा.स.वि), जिसे पहले श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता था, शास्त्र परंपरा, उच्च शिक्षा और शास्त्रों की व्याख्या के प्रतीक के रूप में खड़ा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य आधुनिक संदर्भ में इसकी सार्थकता सुनिश्चित करते हुए संस्कृत ज्ञान की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना है। अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष श्री लाल बहादुर शास्त्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, संस्था का आधिकारिक नामकरण 2 अक्टूबर, 1966 को तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था। 1987 में, (श्री.ला.बा.शा. रा.स.वि) ने मानित विश्वविद्यालय संस्थान का दर्जा प्राप्त किया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से वित्त पोषण के साथ 1 नवंबर 1991 को पूरी तरह से प्रचालित हो गया। यह विद्यापीठ अपने संस्था के बहिर्नियमों, यूजीसी विनियमों, नियमों और उप-नियमों द्वारा प्रशासित है, शास्त्रिक शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रति कार्यरत रहते हुए, बीते वर्षों से विकसित हुआ है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तनः

श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के दूरदर्शी स्वप्न और देश भर में संस्कृत प्रेमियों की लगातार मांगों को विचार में लेकर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने एसएलबीएसएनएसयू को केंद्रीय विश्वविद्यालय में बदलने का अनुमोदन किया। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना 30 अप्रैल, 2020 को हुई, जो संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है।

शैक्षणिक दूरदृष्टिः

श्री.ला.बा.शा.रा.स.वि में छः पीठ शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक विश्वविद्यालय शैक्षणिक दृष्टि में योगदान देता है। वेद-वेदांग पीठ, दर्शन पीठ, साहित्य और संस्कृति पीठ, शिक्षा पीठ, आधुनिक विद्या पीठ और पुराण विद्यापीठ पारंपरिक शास्त्र विषयों, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शिक्षा शास्त्र में उन्नत पाठ्यक्रमों के अध्ययन के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करते हैं। अनुसंधान और विद्वतापूर्ण गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध विश्वविद्यालय

द्वारा शास्त्रिक शिक्षा की विभिन्न शाखाओं में अनुसंधान करने में रुचि रखने वाले अध्येताओं के लिए एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। इसके अतिरिक्त, एक स्वतंत्र प्रकाशन इकाई में शोध पत्रिका शोध-प्रभा सहित ऐतिहासिक कार्यों का संरक्षण और प्रकाशन किया जाता है।

उपलब्धियां और मान्यताएं

NAAC द्वारा 'A' ग्रेड संस्थान के रूप में मान्यता शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता उसके सभी शैक्षणिक पहलों में साफ दिखती है। इसके अलावा, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) ने नैक मान्यता के तीसरे चरण हेतु अपनी SSR (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) और क्टट (डेटा वैलिडेशन और वेरिफिकेशन) जमा कर दी है। NAAC पीयर टीम का दौरा अगले साल के लिए प्रस्तावित है ।

दृष्टि एवं ध्येय

दृष्टि

शास्त्रों की शास्त्रीय परंपरा और व्याख्या को संरक्षित करना तथा प्राचीन ज्ञान को आधुनिक समस्याओं के समाधान हेतु परिभाषित करना।

ध्येय

- अत्यधिक विशिष्ट शाखाओं पर विशेष ध्यान देते हुए पारम्परिक संस्कृत विद्या में शिक्षा प्रदान करना।
- संस्कृत शिक्षा एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली में उच्च स्तरीय अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- शास्त्रीय संस्कृत और संस्कृत में समकालीन साहित्य का अध्ययन करना।
- अनुसंधान के माध्यम से संस्कृत विरासत के ज्ञान को संवर्द्धित करना।
- पारम्परिक और समसामयिक दृष्टिकोण के विशेष संदर्भ में शास्त्रों की निर्वचन करना।
- संस्कृत के सहायक घटकों अर्थात ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में उच्च अध्ययन हेतु अवसर प्रदान करना।
- आलोचनात्मक विश्लेषण और चिंतन के लिए पांडुलिपियों को संरक्षित करना।
- स्कूली शिक्षा के लिए सक्षम संस्कृत शिक्षक तैयार करना।
- शिक्षाशास्त्र के लिए शिक्षक प्रशिक्षकों को तैयार करना।
- अपना एक विशेष स्वरूप बनाने हेतु संस्कृत शिक्षा एवं विभिन्न विषयों में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय की स्थापना संस्कृत भाषा और सीखने की ऐसी अन्य शाखाओं को बढ़ावा देने के लिए निर्देशात्मक, अनुसंधान और विस्तार सुविधाएं प्रदान करके ज्ञान का प्रसार और उन्नति करने के लिए की गई है जो

यह उचित समझे; अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना; शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, अंतर-विषयक अध्ययन और अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित उपाय करना; और संस्कृत और संस्कृत पारंपरिक विषयों के क्षेत्र में समग्र विकास, प्रचार, संरक्षण और अनुसंधान के लिए जनशक्ति को शिक्षित और प्रशिक्षित करना।

निर्दिष्टित दृष्टि एवं ध्येय को पूरा करने के लिए, निम्नलिखित उद्देश्य तैयार किए गए हैं:

i. विभिन्न शास्त्रों के अंतर्निहित ज्ञान में अंतर्दृष्टि विकसित करना।

ii. शास्त्रों की व्याख्या के लिए दक्षताओं का विकास करना। दूरदृष्टि एवं ध्येय एवं ध्येय के उद्देश्य 4 वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023 श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय।

iii. समस्याओं के साथ शास्त्रों की सार्थकता को आधुनिक संदर्भ में जोड़ना।

iv. आधुनिक और शास्त्रीय विद्या में गहन प्रशिक्षण के साधन उपलब्ध कराना।

v. संस्कृत शिक्षा और इसके विभिन्न विषयों में अनुसंधान करने के अवसर प्रदान करना।

vi. भारतीय ज्ञान प्रणाली विशेषकर पारम्परिक संस्कृत अनुशासन का आधुनिक विषयों के साथ संबंध और समकालीन संदर्भ में सार्थकता का पता लगाना।

vii. विशेष रूप से संस्कृत और विभिन्न शास्त्रों को पढ़ाने के लिए शैक्षणिक कौशल और दक्षता विकसित करना।

विश्वविद्यालय ने उपरोक्त उद्देश्यों के अनुसरण में निर्णय लिया है:

- संस्कृत शिक्षकों के प्रशिक्षण और संस्कृत शिक्षा के शैक्षणिक पहलुओं में अनुसंधान के संचालन की व्यवस्था करना।
- एशिया की इन भाषाओं और साहित्यों के अध्ययन की सुविधाएं प्रदान करना, जिनका संस्कृत अध्ययन पर प्रभाव पड़ता है, जैसे पाली, ईरानी, तिब्बती, मंगोलियाई, चीनी, जापानी, आदि।
- भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर विशेष जोर देते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम निर्धारित करना और संस्कृत और संबद्ध विषयों में परीक्षाएं आयोजित करना।
- मूल ग्रंथों, टिप्पणियों और पांडुलिपियों के अनुवाद सहित संस्कृत के बारे में साहित्य प्रकाशित करना और प्रिंट और गैर-मुद्रित सामग्री विकसित करना।
- अनुसंधान निष्कर्षों, पत्रिकाओं और अनुसंधान के लिए सहायता जैसे सूचकांक, डाइजेस्ट और ग्रंथ सूची सामग्री के प्रकाशन की व्यवस्था करना।
- पांडुलिपियों को एकत्रित, संरक्षित और प्रकाशित करना और एक राष्ट्रीय संस्कृत पुस्तकालय और संग्रहालय का निर्माण करना और पांडुलिपि विज्ञान में, विशेष रूप से संस्कृत अध्ययन में उपयोग की जाने वाली लिपियों में प्रशिक्षण के लिए साधन प्रदान करना।

- संस्कृत में तकनीकी साहित्य सहित मूल संस्कृत ग्रंथों की सार्थक व्याख्या के लिए आवश्यक आधुनिक विषयों में शिक्षा के साधन प्रदान करना।
- छात्रवृत्ति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर आपसी समझ के लिए आधुनिक और पारंपरिक अध्येयताओं के बीच बातचीत को बढ़ावा देना।
- शास्त्र परिषदों, सेमिनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- अन्य शैक्षणिक निकायों और संस्थानों की डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्रों को विश्वविद्यालय के समकक्ष मान्यता देना।
- संकायों की स्थापना करना और उक्त बोर्ड और समितियों का गठन करना जो विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक हों।
- समय-समय पर अपनाए गए नियमों और उपनियमों के अनुसार संस्थान और अध्येयतावृत्ति, छात्रवृत्ति, पुरस्कार और पदक प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय के समान पूर्ण या आंशिक रूप से समान उद्देश्यों वाले किसी अन्य संघ, समाज या संस्थान की सदस्यता लेना और उसका सदस्य बनना या उसके साथ सहयोग करना।
- विश्वविद्यालय के सभी या किसी भी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक या अनुकूल उक्त सभी गतिविधियां करना।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय की संगठन सारणी

प्राधिकरण

1. कोर्ट
2. कार्यकारी परिषद
3. शैक्षणिक परिषद
4. अध्ययन मण्डल
5. वित्त समिति
6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

मण्डल

1. शोध मण्डल
2. परीक्षा मण्डल
3. संपादकीय मण्डल
4. कुलानुशासक मण्डल

समितियाँ

1. विभागीय अनुसंधान समीक्षा समिति
2. शैक्षणिक दिनदर्शिका समिति
3. भवन समिति
4. प्रवेश समिति
5. छात्रावास समिति
6. छात्रवृत्ति समिति
7. शोध एवं प्रकाशन समिति
8. पुस्तकालय समिति
9. परिचय नियमावली समिति
10. हिंदी राजभाषा समिति
11. रोस्टर समिति
12. शिकायत समिति
13. अनुशासन समिति
14. शोधोपाधि समिति
15. आई.क्यू.ए.सी. समिति

प्राधिकरण

1. न्यायालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के अनुमालन में विश्वविद्यालय ने न्यायालय की स्थापना की गई है। न्यायालय के अध्यक्ष और सदस्यों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :-

1.	डॉ. हरी गौतम	अध्यक्ष (पदेन सदस्य)
2.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	सदस्य (पदेन सदस्य)
3.	प्रो. शीतला प्रशाद शुक्ल	सदस्य
4.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन्	सदस्य
5.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
6.	प्रो. मार्कंडेय नाथ तिवारी	सदस्य
7.	प्रो. विरुपाक्ष जड्डीपाल	बाह्य सदस्य
8.	प्रो. हिमांशु राय	बाह्य सदस्य
9.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
10.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	सदस्य
11.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
12.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
13.	डॉ. सविता राय	सदस्या
14.	प्रो. भीम राव पांडा भोसले	बाह्य सदस्य
15.	प्रो. कमला भारद्वाज	बाह्य सदस्य
16.	प्रो. राम प्रकाश	बाह्य सदस्य
17.	प्रो. नीरज गुप्ता	बाह्य सदस्य
18.	प्रो. सुरेन्द्र दुबे	बाह्य सदस्य
19.	प्रो. जी.एस.आर. कृष्णा मूर्ती	बाह्य सदस्य
20.	प्रो. मोहन कृष्णराव खेडकर	सदस्य (पदेन सदस्य)
21.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्रभारी)	सचिव (पदेन सदस्य)

न्यायालय की प्रथम बैठक दिनांक 27.2.2025 को आयोजित की गई।

2. कार्यकारिणी परिषद

कार्यकारिणी परिषद, विश्वविद्यालय की अग्रणी कार्यकारिणी संस्था है, जो सावधानीपूर्वक परिभाषित विधियों द्वारा निर्देशित, सटीकता और अधिकार के साथ संचालित होती है। इस परिषद द्वारा निपुण व्यक्तियों को शामिल करते हुए संस्थान की कार्यनीतिक दृष्टि को साकार किया जाता है और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

1.	प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, कुलपति	अध्यक्ष
2.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल, आचार्य एवं पीठाध्यक्ष, पुराण विद्यापीठ	सदस्य
3.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन्, आचार्य एवं. पीठाध्यक्ष दर्शन शास्त्र	सदस्य
4.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा, आचार्य, ज्योतिष विभाग	सदस्य
5.	डॉ. मनोज कुमार मीणा, सह आचार्य, शिक्षाशास्त्र	सदस्य
6.	प्रो. राम प्रकाश, (पदेन) आचार्य, डी.डी.यु. गोरखपुर विश्वविद्यालय	सदस्य
7.	प्रो. सुरेन्द्र दुबे, (पूर्व) उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिन्दी संस्थान	बाह्य सदस्य
8.	प्रो. नागेश्वर राव, पूर्व कुलपति, इग्नू	बाह्य सदस्य
9.	श्रीमती नीता प्रसाद, संयुक्त सचिव (भाषा), सिक्षा मंत्रालय	पदेन सदस्य
10.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्रभारी)	सचिव, पूर्व कार्यालय

कार्यकारी परिषद की 11वी एवं 12वी बैठक दिनांक 29.06.2024, 17.12.2024 आयोजित की गई।

Weblink:- MINUTES OF COMMITTEE MEETINGS | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv-ac-in)

3. विद्या परिषद

विद्या परिषद, सर्वोच्च शैक्षणिक निकाय है जो अधिनियम, विधि और अध्यादेशों की रूपररेखा के अंदर काम करती है। परिषद उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करते हुए, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों का परिश्रमपूर्वक समन्वय और देखरेख करती है। निम्नलिखित तालिका में परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों का विवरण दर्शाया गया है : –

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. दीप्ति त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. प्रयाग नारायण मिश्र	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. विरुपाक्ष जड्डीपाल	बाह्य सदस्य
6.	प्रो. हिमांशु राय	बाह्य सदस्य

7.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	सदस्य
8.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन्	सदस्य
9.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
10.	प्रो. कल्पना जैन	सदस्या
11.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	सदस्य
12.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य
13.	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य
14.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
15.	प्रो. यशवीर सिंह	सदस्य
16.	प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	सदस्य
17.	प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	सदस्य
18.	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	सदस्य
19.	प्रो. जवाहर लाल	सदस्य
20.	प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
21.	प्रो. राम सलाही द्विवेदी	सदस्य
22.	प्रो. सुमन कुमार झा	सदस्य
23.	प्रो. बिष्णुपद महापात्र	सदस्य
24.	प्रो. के. अनंत	सदस्य
25.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
26.	प्रो. राम चन्द्र शर्मा	सदस्य
27.	प्रो. आदेश कुमार	सदस्य
28.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा	सदस्य
29.	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	सदस्य
30.	प्रो. मीनाक्षी मिश्र	सदस्य
31.	प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
32.	प्रो. सुदर्शनन् एस.	सदस्य
33.	प्रो. अभिषेक तिवारी	सदस्य
34.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	सदस्य
35.	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य

36.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
37.	डॉ. सविता राय	सदस्य
38.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव	सदस्य-सचिव

विद्या परिषद की नवीं तथा दसवीं बैठक दिनांक 24.06.2024 - 04.10.2024 को आयोजित की गई।

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

4. अध्ययन मण्डल

विधान द्वारा निर्देशित, अध्ययन मंडल संविधान, शक्तियों और कार्यों पर नियंत्रण रखता है। यह प्रत्येक पीठ के अंतर्गत विभाग-वार संचालित होता है, जिससे अनुरूप शैक्षणिक प्रशासन सुनिश्चित होता है। विभिन्न स्कूलों में विभागवार अध्ययन बोर्ड के सदस्यों और उनके अध्यक्ष का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

I. वेद-वेदांग पीठ	
1. वेद विभाग	
प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	अध्यक्ष
प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी	बाह्य सदस्य
प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	सदस्य
प्रो. रामानुज उपध्याय	सदस्य
प्रो. सुन्दर नारायण झा	सदस्य
प्रो. रामराज उपाध्याय	सदस्य
प्रो. हनुमान मिश्र	सदस्य
डॉ. ओंकार यशवन्त सेलुकर	सदस्य
2. पौरोहित्य विभाग	
प्रो. रामराज उपाध्याय	अध्यक्ष
प्रो. श्रीकिशोर मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय	बाह्य सदस्य
प्रो. बृन्दावन दाश	
प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	सदस्य

3. धर्मशास्त्र विभाग	
प्रो. यशवीर सिंह	अध्यक्ष
प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
प्रो. बृज किशोर स्वाई	बाह्य सदस्य
प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा	अध्यक्ष
डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी	सदस्य
डॉ. मीनाक्षी मिश्र	सदस्य
4. व्याकरण विभाग	
प्रो. राम सलाही द्विवेदी	अध्यक्ष
प्रो. ललिता त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
प्रो. ओम नाथ बिमली	बाह्य सदस्य
प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य
प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो. सुजाता त्रिपाठी	सदस्य
डॉ. दयाल सिंह	सदस्य
डॉ. नरेश कुमार बैरवा	सदस्य
श्री धर्म पाल प्रजापत	सदस्य
5. ज्योतिष विभाग	
प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	अध्यक्ष
प्रो. सदानंद शुक्ल	बाह्य सदस्य
प्रो. श्रीपद भट्ट	बाह्य सदस्य
प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो. विनोद कुमार शर्मा	सदस्य
प्रो. परमानंद भारद्वाज	सदस्य
प्रो. सुशील कुमार	सदस्य
प्रो. फणींद्र कुमार चौधरी	सदस्य
प्रो. रश्मि चतुर्वेदी	सदस्य
डॉ. रतन लाल	सदस्य
डॉ. देशबंधु शर्मा	सदस्य

6. वास्तुशास्त्र विभाग	
प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	अध्यक्ष
प्रो. विनय कुमार पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. श्यामदेव मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. रश्मि चतुर्वेदी	सदस्य
प्रो. अशोक थपलियाल	अध्यक्ष
डॉ प्रवेश व्यास	सदस्य
डॉ. देशबंधु	सदस्य
II. दर्शनशास्त्र पीठ	
1. न्याय विभाग	
डॉ. राम चंद्र शर्मा	अध्यक्ष
प्रो. रामपूजन पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. बिष्णुपद महापात्र	सदस्य
प्रो. महानंद झा	सदस्य
प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सदस्य
2. सांख्य योग विभाग	
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	अध्यक्ष
प्रो. हरि प्रसाद अधिकारी	बाह्य सदस्य
प्रो. राम नाथ झा	बाह्य सदस्य
प्रो. ए.एस. अरावमुदन्	सदस्य
3. योग विभाग	
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	अध्यक्ष
प्रो. सुरेन्द्र त्यागी	बाह्य सदस्य
डॉ. सत्य प्रकाश पाठक	बाह्य सदस्य
डॉ. विजय गुसाईं	सदस्य
डॉ. रमेश कुमार	सदस्य
प्रो. सुदर्शन एस.	सदस्य
4. जैन दर्शन विभाग	
प्रो. वीर सागर जैन	अध्यक्ष
प्रो. फूल चंद जैन	बाह्य सदस्य

प्रो. कमलेश जैन	बाह्य सदस्य
प्रो. कुलदीप कुमार	अध्यक्ष
प्रो. अनेकांत जैन	सदस्य
5. सर्वदर्शन विभाग	
प्रो. जवाहर लाल	अध्यक्ष
प्रो. संतोष कुमार शुक्ल	बाह्य सदस्य
प्रो. कृष्ण कान्त शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सदस्य
डॉ. विजय गुप्ता	सदस्य
6. मीमांसा विभाग	
प्रो. ए.एस. अरावमुदन्	अध्यक्ष
प्रो. माधव जनार्दन रटाटे	बाह्य सदस्य
प्रो. टी.एस.आर. नारायण	बाह्य सदस्य
प्रो. जवाहर लाल	सदस्य
श्री राजेश कुमार गुर्जर	सदस्य
7. विशिष्ट अद्वैत वेदान्त विभाग	
प्रो. के अनंत	अध्यक्ष
प्रो. एम.एम. अग्रवाल	बाह्य सदस्य
डॉ. महेश शर्मा	बाह्य सदस्य
प्रो. सुदर्शन एस्.	सदस्य
8. अद्वैत वेदान्त विभाग	
प्रो. बिष्णुपद महापात्र	अध्यक्ष
प्रो. राम किशोर त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
प्रो. के. गणपति भट्ट	बाह्य सदस्य
प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	सदस्य
III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ	
1. साहित्य विभाग	
प्रो. सुमन कुमार झा	अध्यक्ष
प्रो. रमाकांत पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. रंजन त्रिपाठी	बाह्य सदस्य

प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
प्रो. अरविंद कुमार	सदस्य
प्रो. धर्मानंद राउत	सदस्य
डॉ. बेजवाड़ा कामाक्षम्मा	सदस्य
डॉ. अनमोल शर्मा	सदस्य
प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
2. पुराणेतिहास विभाग	
प्रो. शीतलाप्रसाद शुक्ल	अध्यक्ष
प्रो. श्रीकृष्ण त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
प्रो. मखलेश कुमार उपाध्याय	बाह्य सदस्य
प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
3. प्राकृत विभाग	
प्रो. सुदीप कुमार जैन	अध्यक्ष
प्रो. हरिशंकर पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. योगेश जैन	बाह्य सदस्य
प्रो. कल्पना जैन	सदस्य
प्रो. सुमन कुमार झा	सदस्य
डॉ. विकास चौधरी	सदस्य
IV. आधुनिक विषय पीठ	
1. मानविकी विभाग	
विषय- अंग्रेजी	
प्रो. मीनू कश्यप	अध्यक्षा
प्रो. अजय कुमार शुक्ल	बाह्य सदस्य
प्रो. अमिया भूषण शर्मा	बाह्य सदस्य
डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य
डॉ. सुमिता त्रिपाठी	सदस्य
विषय - समाजशास्त्र	
प्रो. मीनू कश्यप	अध्यक्षा
प्रो. राम प्रकाश	बाह्य सदस्य
प्रो. शफीक अहमद	बाह्य सदस्य

श्रीमती वंदना शुक्ला	सदस्य
डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य
विषय - हिंदी	
प्रो. मीनू कश्यप	अध्यक्षा
प्रो. विमलेश कुमार मिश्र	बाह्य सदस्य
प्रो. के.एन. तिवारी	बाह्य सदस्य
प्रो. जगदेव शर्मा	सदस्य
प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
विषय - राजनीतिक विज्ञान	
प्रो. मीनू कश्यप	अध्यक्षा
प्रो. रजनी कान्त पाण्डेय	बाह्य सदस्य
प्रो. टी.पी. सिंह	बाह्य सदस्य
डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य
डॉ. ब्रजेश कुमार मिश्र	सदस्य
2. आधुनिक ज्ञान विभाग	
विषय - कंप्यूटर	
प्रो. आदेश कुमार	अध्यक्ष
प्रो. विशाल भटनागर	बाह्य सदस्य
प्रो. उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
श्री आदित्य पंचोली	सदस्य
डॉ. सुमिता त्रिपाठी	सदस्य
विषय - पर्यावरण अध्ययन	
प्रो. आदेश कुमार	अध्यक्ष
प्रो. आर.पी. शुक्ला	बाह्य सदस्य
प्रो. डी.एम. कुमावत	बाह्य सदस्य
प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
डॉ. सुमिता त्रिपाठी	सदस्य
3. शोध विभाग	
प्रो. शिवशंकर मिश्र	अध्यक्ष

प्रो. दीप्ति त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
प्रो. राम बहादुर शुक्ल	बाह्य सदस्य
प्रो. आदेश कुमार	सदस्य
4. हिन्दू अध्ययन	
प्रो. शिवशंकर मिश्र	अध्यक्ष
प्रो. रामनाथ झा	बाह्य सदस्य
प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी	बाह्य सदस्य
शिक्षा पीठ	
शिक्षाशास्त्र विभाग	
प्रो. रचना वर्मा मोहन	अध्यक्ष
प्रो. एच.सी.एस. राठौर	बाह्य सदस्य
प्रो. बी.पी. भारद्वाज	बाह्य सदस्य
प्रो. के. भरत भूषण	सदस्य
प्रो. मीनाक्षी मिश्रा	सदस्य
प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	सदस्य
प्रो. एम. जयकृष्णन्	सदस्य
डॉ. सुरेन्द्र महतो	सदस्य
डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
डॉ. सविता राय	सदस्य
डॉ. तमन्ना कौशल	सदस्य

इस अवधि में अध्ययन मंडल की कुल 21 बैठकें आयोजित की गईं।

5. वित्त समिति

विधान द्वारा प्रशासित, वित्त समिति, सावधानीपूर्वक परिभाषित संविधान, शक्तियों और कार्यों के साथ, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निम्नलिखित तालिका में समिति के अध्यक्ष और सदस्यों का विवरण दर्शाया गया है:

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	श्री बिरेन्द्र चौबे	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. नागेश्वर राव	बाह्य सदस्य
4.	श्री आर.डी. सहाय	बाह्य सदस्य
5.	श्री संजोग कपूर	बाह्य सदस्य
6.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव	सदस्य-सचिव

वित्त समिति की आठवीं बैठक दिनांक 27.06.2024 को आयोजित की गई।

Weblink: - Minutes of Committee Meetings | Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University (slbsrsv.ac.in)

6. योजना और पर्यवेक्षण मण्डल

नियंत्रणकारी विधानों के अनुपालन में, योजना और निगरानी बोर्ड कार्यनीतिक महारत के एक प्रतीक के रूप में उभरता है। बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों का विवरण निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:-

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	डॉ. चाँद किरण सलूजा	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. वाई.एस. रमेश	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
6.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	सदस्य
7.	प्रो. के. भरत भूषण	सदस्य
8.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव वित्ताधिकारी/कुलसचिव(प्रभारी)	सदस्य-सचिव

मण्डल

1. अनुसन्धान मण्डल

केंद्रीय संस्कृत अधिनियम 2020 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार अनुसंधान छात्रों के स्थायी पंजीकरण की सुविधा के उद्देश्य से एक शोध बोर्ड का गठन किया गया है। स्थापित प्रक्रिया के अनुसार, शोधकर्ताओं को अनुसंधान टीम द्वारा गहन मूल्यांकन के लिए अपने शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। इसके बाद, अनुसंधानकर्ता अपनी प्रस्तुतियों की विशेषताओं का आकलन करने के लिए एक व्यापक साक्षात्कार का सामना करेंगे। सामूहिक मूल्यांकन के आधार पर, अनुसंधान बोर्ड अनुसंधान कार्य के लिए स्थायी पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा। अनुसंधान बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्य इस प्रकार हैं :

अनुसंधान बोर्ड की संरचना निम्न प्रकार है :-

1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	अध्यक्ष
2.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. संतोष कुमार शुक्ल	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. कौशलेन्द्र पाण्डेय	बाह्य सदस्य
5.	प्रो. पी.एन. सिंह	बाह्य सदस्य
6.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	सदस्य
7.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन्	सदस्य
8.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य
9.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	सदस्य
10.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
11.	प्रो. कल्पना जैन	सदस्य
12.	प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
13.	प्रो. जवाहर लाल	सदस्य
14.	प्रो. सुमन कुमार झा	सदस्य
15.	प्रो.वीर सागर जैन	सदस्य
16.	प्रो.राम सलाही द्विवेदी	सदस्य
17.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
18.	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
19.	प्रो. बिष्णुपद महापात्र	सदस्य

20.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा	सदस्य
21.	प्रो. दयाल सिंह पंवार	सदस्य
22.	डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य
23.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य
24.	प्रो. रतन लाल	सदस्य
25.	डॉ. बेजावाडा कामाक्षम्मा	सदस्य
26.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य सचिव

2. परीक्षा मण्डल

वर्ष 1991 में स्थापित परीक्षा बोर्ड विश्वविद्यालय के अंदर परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाता है। इसके अधिदेश में परीक्षाओं का आयोजन, परीक्षा पत्रों की अखंडता की रक्षा करना, पर्यवेक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं के दायित्वों को परिभाषित करना, अंकों के संतुलन की देखरेख करना और छात्र अपील की प्रक्रिया का प्रबंधन करना शामिल है। एक सामूहिक कार्य के रूप में, इसके लिए समर्पित सदस्य शैक्षणिक मूल्यांकन में उच्चतम मानकों को बनाए रखने, सभी छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

परीक्षा बोर्ड की संरचना निम्न प्रकार है:-

1.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	अध्यक्ष
2.	प्रो. संतोष कुमार शुक्ल	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. चांद किरन सलूजा	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	सदस्या
5.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्या
6.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव (प्र)	सदस्य
7.	डॉ. पी. के. अग्रवाल, परीक्षा नियंत्रक	सदस्य-सचिव
8.	डॉ. कांता (उप कुलसचिव)	संयोजिका

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें -

08.08.2024 एवं 11.03.2025

3. सम्पादक मण्डल

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शोध-प्रकाशन विभाग द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित, शोधपत्रिका 'शोधप्रभा' को सभी विश्वविद्यालय पीठों के प्रतिनिधियों से बने एक संपादकीय बोर्ड द्वारा निर्देशित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वास्तुशास्त्र विभाग का प्रमुख बोर्ड की विविध विशेषज्ञता में योगदान देता है। बोर्ड की प्राथमिक भूमिका समकालीन समाज के संदर्भ में शोधपत्र की गुणवत्ता, भाषा सटीकता, सार्थकता और मौलिकता का आकलन करना है। यह शोधपत्रों में आवश्यक संशोधन, सुधार पूरे परिश्रमपूर्वक करता है और किसी भी असंपादित कमियों को संबोधित करता है, जो अध्येताओं की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिष्ठित सदस्यों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संपादक मण्डल की संरचना निम्न प्रकार है:-

1.	प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	अध्यक्ष
2.	प्रो भागिरथि नन्द	सदस्य
3.	प्रो. के. भरत भूषण	सदस्य
4.	प्रो. रामचंद्र शर्मा	सदस्य
5.	प्रो. अशोक थपलियाल	सदस्य
6.	प्रो. राम सलाही द्विवेदी	सदस्य
7.	डॉ. अभिषेक तिवारी	सदस्य

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें - 30.05.24।

4. कुलानुशासक मण्डल

कुलानुशासक मण्डल, शिक्षण संकाय और विश्वविद्यालय/परिसर प्रशासन प्रतिनिधियों का एक समूह, विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों के पालन को लागू करने के लिए स्थापित किया गया है। यह निकाय विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकों और दिशानिर्देशों को बनाए रखने, शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुपालन के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कुलानुशासक मण्डल की संरचना निम्न प्रकार है-

1.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	अध्यक्ष
2.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
3.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	सदस्य
4.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य
5.	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	सदस्य

6.	प्रो. जगदेव शर्मा	सदस्य
7.	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	सदस्य
8.	प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	सदस्य
9.	प्रो. जवाहर लाल	सदस्य
10.	प्रो. राम सलाही द्विवेदी	सदस्य
11.	प्रो. दयाल सिंह	सदस्य
12.	प्रो. अरविन्द कुमार	सदस्य
13.	डॉ. रामचन्द्र शर्मा	सदस्य
14.	डॉ अभिषेक तिवारी	सदस्य
15.	डॉ. दिनेश कुमार यादव	सदस्य
16.	डॉ. नवदीप जोशी	सदस्य

अवधि के दौरान आयोजित बैठकें :

02.09.24 तथा 04.09.24

पीठानुसार शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
I. वेद वेदांग पीठ			
1.	प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	आचार्य	वेद
2.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	आचार्य	वेद
3.	प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	आचार्य	वेद
4.	प्रो. सुन्दर नारायण झा	आचार्य	वेद
5.	प्रो. हनुमान मिश्र	आचार्य	वेद
6.	डॉ. ओंकार यशवन्त सेलूकर	सहायक -आचार्य	वेद
7.	प्रो. रामराज उपाध्याय	आचार्य	पौरोहित्य
8.	प्रो. बृन्दावन दाश	आचार्य	पौरोहित्य
9.	प्रो. यशवीर सिंह	आचार्य	धर्मशास्त्र
10.	प्रो. सुधांशु भूषण पण्डा	आचार्य	धर्मशास्त्र
11.	डॉ. हिमांशु शेखर त्रिपाठी	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
12.	डॉ. सुदेश सिंह	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
13.	डॉ. मीनाक्षी मिश्रा	सहायक आचार्य	धर्मशास्त्र
14.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	आचार्य	व्याकरण
15.	प्रो. सुजाता त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
16.	प्रो. राम सलाही द्विवेदी	आचार्य	व्याकरण
17.	प्रो. दयाल सिंह	आचार्य	व्याकरण
18.	डॉ. नरेश कुमार बैरवा	सहायक आचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. धर्मपाल प्रजापत	सहायक आचार्य	व्याकरण
20.	श्री. नरेश कुमार	सहायक आचार्य	व्याकरण
21.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
22.	प्रो. बिहारी लाल शर्मा (प्रतिनियुक्ति)	आचार्य	ज्योतिष
23.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
24.	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	आचार्य	ज्योतिष
25.	प्रो. परमानन्द भारद्वाज	आचार्य	ज्योतिष
26.	प्रो. सुशील कुमार	आचार्य	ज्योतिष
27.	प्रो. फणीन्द्र कुमार चौधरी	आचार्य	ज्योतिष

28.	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी	आचार्य	ज्योतिष
29.	डॉ. रतन लाल	सह आचार्य	ज्योतिष
30.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	आचार्य	वास्तु शास्त्र
31.	प्रो. अशोक थपलियाल	आचार्य	वास्तु शास्त्र
32.	डॉ. प्रवेश व्यास	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
33.	डॉ. देशबन्धु	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
34.	डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
35.	डॉ. दीपक वशिष्ठ	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
36.	डॉ. नवीन पाण्डेय	सहायक आचार्य	वास्तु शास्त्र
II. दर्शनशास्त्र पीठ			
37.	प्रो. बिष्णुपद महापात्र	आचार्य	न्याय
38.	प्रो. महानन्द झा	आचार्य	न्याय
39.	प्रो. रामचन्द्र शर्मा	आचार्य	न्याय
40.	प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी	आचार्य	सांख्य योग
41.	डॉ. रमेश कुमार	सहायक आचार्य	योग
42.	डॉ. विजय सिंह गुसाई	सहायक आचार्य	योग
43.	डॉ. नवदीप जोशी	सहायक आचार्य	योग
44.	प्रो. वीरसागर जैन	आचार्य	जैन दर्शन
45.	प्रो. अनेकान्त जैन	आचार्य	जैन दर्शन
46.	प्रो. कुलदीप कुमार	आचार्य	जैन दर्शन
47.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी (प्रतिनियुक्ति)	आचार्य (लियन)	सर्व दर्शन
48.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	आचार्य	सर्व दर्शन
49.	प्रो. जवाहरलाल	आचार्य	सर्व दर्शन
50.	डॉ. विजय गुप्ता	सहायक आचार्य	सर्व दर्शन
51.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन्	आचार्य	मीमांसा
52.	डॉ. राजेश कुमार गुर्जर	सहायक आचार्य	मीमांसा
53.	प्रो. के. अनन्त	आचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
54.	प्रो. सुदर्शनन् एस.	सह-आचार्य	विशिष्टाद्वैत वेदांत
III. साहित्य एवं संस्कृति पीठ			
55.	प्रो. शुकदेव भोई	आचार्य	साहित्य

56.	प्रो. भागीरथि नन्द	आचार्य	साहित्य
57.	प्रो. धर्मानन्द राउत	आचार्य	साहित्य
58.	प्रो. सुमन कुमार झा	आचार्य	साहित्य
59.	डॉ. अरविन्द कुमार	सह-आचार्य	साहित्य
60.	डॉ. बी. कामाक्षम्मा	सहायक आचार्य	साहित्य
61.	डॉ. सौरभ दूबे	सहायक आचार्य	साहित्य
62.	डॉ. अनमोल शर्मा	सहायक आचार्य	साहित्य
63.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	आचार्य	पुराणेतिहास
64.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	आचार्य	प्राकृत
65.	प्रो. कल्पना जैन	आचार्य	प्राकृत
66.	डॉ. विकास चौधरी	सहायक आचार्य	प्राकृत
IV. आधुनिक विद्या पीठ			
67.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा	आचार्य	मानविकी (हिंदी)
68.	प्रो. मीनू कश्यप	आचार्य	मानविकी (अंग्रेजी)
69.	डॉ. अभिषेक तिवारी	सहायक आचार्य	मानविकी (अंग्रेजी)
70.	श्रीमती वन्दना शुक्ला	सहायक आचार्य	मानविकी (समाजशास्त्र)
71.	डॉ. ब्रजेश कुमार मिश्र	सहायक आचार्य	मानविकी (राजनीति विज्ञान)
72.	प्रो. आदेश कुमार	सहायक आचार्य	आधुनिक विद्या
73.	श्री आदित्य पञ्चोली	सहायक आचार्य	आधुनिक विद्या
74.	डॉ. सुमिता त्रिपाठी	सहायक आचार्य	आधुनिक विद्या (पर्यावरण विज्ञानं)
75.	प्रो. शिवशङ्कर मिश्र	आचार्य	शोध
V. शिक्षा पीठ			
76.	प्रो. के. भरत भूषण	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
77.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
78.	प्रो. मीनाक्षी मिश्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
79.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
80.	प्रो. एम. जयकृष्णन्	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
81.	डॉ. मनोज कुमार मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र

82.	डॉ. सविता राय	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
83.	डॉ. सुरेन्द्र महतो	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
84.	डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
85.	डॉ. तमन्ना कौशल	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
86.	डॉ. पिंकी मलिक	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
87.	डॉ. अजय कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
88.	डॉ. शिवदत्त आर्य	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
89.	श्रीमती. ममता	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
90.	डॉ. परमेश कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
91.	डॉ. आरती शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
92.	डॉ. विचारी लाल मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
93.	डॉ. जितेन्द्र कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
94.	डॉ. प्रदीप कुमार झा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
95.	डॉ. दिनेश कुमार यादव	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
96.	डॉ. इकुर्ती वेङ्कटेश्वर्लु	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
97.	डॉ. सुनील कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
98.	डॉ. कैलाश चन्द मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
99.	श्रीमती अनीता	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
100.	डॉ. भारती कौशल	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
101.	डॉ. कपिल देव	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
102.	डॉ. लोकेश	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र
103.	डॉ. हरी प्रसाद मीणा	सहायक आचार्य	शिक्षाशास्त्र

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
'अ' वर्ग			
1.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव	वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव	वित्त एवं कुलसचिव कार्यालय
2.	डॉ. प्रदीप कुमार अग्रवाल	परीक्षा नियंत्रण	परीक्षा
3.	श्री अजय कुमार टण्डन	उप कुलसचिव	लेखा
4.	डॉ. कान्ता	उप कुलसचिव	परीक्षा
5.	श्री रमाकान्त उपाध्याय	अधिशासी अभियन्ता	अभियांत्रिकी
6.	श्री बनवारी लाल वर्मा	कार्यकारी प्रबंधक	संगणक केंद्र
7.	श्रीमती सुषमा	सहायक कुलसचिव	लेखा
8.	श्री सुच्चा सिंह	सहायक कुलसचिव	शैक्षणिक
9.	श्री मंजीत सिंह	सहायक कुलसचिव	प्रशासन-II एवं III
10.	श्री जय प्रकाश सिंह	सहायक कुलसचिव	भारतीय भाषा समिति
11.	श्री राजेश कुमार	सहायक कुलसचिव	विकास
12.	श्रीमती भारती त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव	प्रशासन-I
13.	डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय	सहायक पुस्तकाध्यक्ष	केन्द्रीय पुस्तकालय
'ब' वर्ग			
14.	श्री अंजनी कुमार	सहायक अभियंता	अभियांत्रिकी
15.	श्री बिपिन कुमार त्रिपाठी	अनुसंधान-सह-सांख्यिकी अधिकारी एवं विशेष कार्याधिकारी (कुलपति)	कुलपति कार्यालय
16.	श्रीमती रजनी बाला	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा
17.	श्री राजकुमार	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन - सामान्य
18.	श्री राकेश कांडपाल	अनुभाग अधिकारी	लेखा
19.	श्रीमती सावित्री कुमारी	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन-II
20.	श्रीमती वंदना	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन-I
21.	श्री दिनेश कुमार	निजी सचिव	कुलसचिव कार्यालय
22.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी	निजी सचिव	कुलपति कार्यालय
23.	श्रीमती हिमानी शदानी	निजी सचिव	विकास

24.	श्री ज्ञान चंद शर्मा	प्रोग्रामर सहायक	कंप्यूटर केंद्र
25.	डॉ. ज्ञानधर पाठक	अनुसंधान सहायक	शोध एवं प्रकाशन
26.	श्रीमती तरुणा अवस्थी	अनुसंधान सहायिका	शोध एवं प्रकाशन
27.	डॉ. नवीन राजपूत	प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
28.	श्री जय कृष्णन कमिला	प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
29.	श्री सुनील कुमार मिश्र	प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
30.	श्री शशि भूषण शुक्ल	प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
31.	श्रीमती ललिता कुमारी	सहायक	विकास
32.	श्री ओम प्रकाश कौशिक	सहायक	लेखा
33.	श्रीमती रानी पंवार	सहायक	परीक्षा
34.	श्री धर्मेंद्र	सहायक	प्रशासन-I
35.	श्री महेश पंचाल	सहायक	लेखा
36.	श्रीमती प्रीति यादव	सहायक	प्रशासन-II
37.	श्री मनीष लोहानी	सहायक चतंजपदमनाजप	विकास
38.	श्री महेंद्र सिंह	सहायक	शैक्षणिक
39.	श्री संजीव सिंह चौहान	सहायक	लेखा
40.	श्री नरेंद्र पाल	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	अभियांत्रिकी
41.	श्रीमती संध्या सिंह	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	अभियांत्रिकी
42.	कु. नेहा गुसाई	निजी सहायक	कुलसचिव कार्यालय
'स' वर्ग			
43.	डॉ. भावना	सेमी प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
44.	श्री बलराम सिंह	सेमी प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
45.	श्री पदम चंद सैनी	सेमी प्रोफेशनल सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
46.	श्री सुरेन्द्र नागर	तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)	शिक्षा पीठ
47.	श्री ईश्वर सिंह विष्ट	तकनीकी सहायक (कंप्यूटर)	संगणक केंद्र
48.	श्री सचिन कुमार राय	तकनीकी सहायक (कंप्यूटर)	संगणक केंद्र
49.	श्री जीवन कुमार भट्टराई	संशोधक (प्रूफ रीडर)	प्रकाशन
50.	श्रीमती रुचिका भट्नागर	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
51.	श्री रजनीश कुमार राय	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
52.	श्रीमती प्रीति त्यागी	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन-I

53.	श्रीमती प्रतिभा यादव	वरिष्ठ लिपिक	आधुनिक विषय पीठ
54.	श्रीमती ललिता यादव	वरिष्ठ लिपिक	शिक्षा पीठ
55.	श्री रमेश कुमार	वरिष्ठ लिपिक	लेखा
56.	श्री श्रीनाथ के. नायर	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन-III(सामान्य)
57.	श्री अंशुमन घुर्नियाल	वरिष्ठ लिपिक	अभियांत्रिकी
58.	श्री मनीष अरोड़ा	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
59.	श्री चन्द्र भूषण तिवारी	विद्युत्कार (इलेक्ट्रशियन)	अभियांत्रिकी
60.	श्रीमती सौम्या राय	पुस्तकालय सहायक ींपां	केन्द्रीय पुस्तकालय
61.	श्री सुनील शर्मा	पुस्तकालय सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
62.	श्री राजेंद्र शिंह	पुस्तकालय सहायक	केन्द्रीय पुस्तकालय
63.	श्रीमती दिपिका राणा नेगी	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
64.	श्री वैभव खन्ना	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन-I
65.	श्री नितेश	कनिष्ठ लिपिक	कुलपति कार्यालय
66.	श्री लोकेश	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन-II
67.	श्री ओंकेश्वर तिवारी	कनिष्ठ लिपिक	अभियांत्रिकी
68.	श्रीमती ऋचा भसीन	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन-II
69.	श्री राहुल राय	कनिष्ठ लिपिक	अभियांत्रिकी
70.	श्री अजय कुमार (प्रतिनियुक्ति)	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
71.	श्री राम कुमार	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
72.	श्री मनीष जैरथ	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
73.	श्री श्रवण कुमार	स्टाफ कार चालक	कुलपति कार्यालय
74.	श्री शंभु दत्त	पाचक	अतिथि गृह
75.	श्री नितिन नागर	पाचक	अतिथि गृह
76.	श्री जंगापल्ली महेंद्र	पुस्तकालय परिचर	केन्द्रीय पुस्तकालय
77.	श्री सोनू	पुस्तकालय परिचर	केन्द्रीय पुस्तकालय
78.	श्री उपरापल्ली कुमार स्वामी	स्वास्थ्य केंद्र परिचर	विकास एवं स्वास्थ्य केंद्र
79.	श्री कुलदीप सिंह	तकनीकी परिचर (संगणकशाला)	संगणक केंद्र
80.	श्री विजय रंजन पाण्डेय	तकनीकी परिचर (मनोविज्ञानशाला)	शिक्षा पीठ

81.	श्री रमेश चंद मीणा	बहुकार्य कर्मचारी	साहित्य एवं संस्कृति पीठ
82.	श्री दया चन्द	बहुकार्य कर्मचारी	छात्र कल्याण
83.	श्री सुंदर पाल	बहुकार्य कर्मचारी	वेद-वेदांग पीठ
84.	श्री रमेश चन्द	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
85.	श्री नरेंद्र महतो	बहुकार्य कर्मचारी	महिला अध्ययन केंद्र
86.	श्री धीरज सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
87.	श्री राम मिलन	बहुकार्य कर्मचारी	लेखा
88.	श्री दिनेश चंद्र	बहुकार्य कर्मचारी	कुलसचिव कार्यालय
89.	श्री संतोष कुमार पाण्डेय	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
90.	श्री भीम कुमार नागर	बहुकार्य कर्मचारी	प्रशासन-I
91.	श्री मथुरा प्रसाद	बहुकार्य कर्मचारी	आधुनिक विषय पीठ
92.	श्री राज कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
93.	श्री पंकज	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
94.	श्री पिंटू बनर्जी	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
95.	श्री गंगाधर मुदली	बहुकार्य कर्मचारी	शोध एवं प्रकाशन
96.	श्री बिनोद कुमार नाथ	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
97.	श्री गिरीश चन्द पंत	बहुकार्य कर्मचारी	कुलपति कार्यालय
98.	श्री मुनीश चंद बडोला	बहुकार्य कर्मचारी	शैक्षणिक
99.	श्री वीरेंद्र कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
100.	श्री नवल सिंह	बहुकार्य कर्मचारी	दर्शन पीठ
101.	श्री अमित कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
102.	श्री कंकन नाथ	बहुकार्य कर्मचारी	अतिथि गृह
103.	श्री दीपक	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
104.	श्री करुणेश राव	बहुकार्य कर्मचारी	परीक्षा
105.	श्री राहुल	बहुकार्य कर्मचारी	शिक्षा पीठ
106.	श्री रोहित वशिष्ठ	बहुकार्य कर्मचारी	प्रशासन-III(सामान्य)
107	श्री नरेश कुमार	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी
108	श्री सतीश	बहुकार्य कर्मचारी	अभियांत्रिकी

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम

1. नियमित पाठ्यक्रम

पीठ का नाम	पाठ्यक्रम	विषय
वेद-वेदांग पीठ, दर्शन शास्त्र पीठ, साहित्य एवं संस्कृति पीठ	शास्त्री (B.A.) (तीन/चार वर्ष) बी.ए. (योग) (तीन/चार वर्ष)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्वदर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास, प्राकृत एवं योग
वेद-वेदांग पीठ, दर्शन शास्त्र पीठ, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	आचार्य (एम.ए.) (द्विवर्षीय) एम.ए. (योग) (द्विवर्षीय)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत एवं योग
वेद-वेदांग पीठ, दर्शन शास्त्र पीठ, सहित्य एवं संस्कृति पीठ	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धांत ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, प्राचीन न्याय, नव्य न्याय, सर्व दर्शन, सांख्य योग, अद्वैत वेदांत, विशिष्ट अद्वैत वेदांत, जैन दर्शन, मीमांसा, साहित्य, पुराणतिहास एवं प्राकृत
आधुनिक विषय पीठ		अंग्रेजी, हिन्दी, हिन्दू-अध्ययन
आधुनिक विषय पीठ	एम.ए. हिन्दी एम.ए. हिन्दू अध्ययन एम.ए. अंग्रेजी एम.ए. समाजशास्त्र	
शिक्षापीठ	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) शिक्षाचार्य (एम. एड) विद्यावारिधि (पीएच.डी)	

2. स्व-वित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का नाम
प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	1. ज्योतिष प्रवेशिका पाठ्यक्रम 2. वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 3. योग प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 4. पौरोहित्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 5. जैन विद्या प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 6. पाण्डुलिपि और शिलालेख पाठ्यक्रम
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय)	1. ज्योतिष प्राज्ञ डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2. मेडिकल ज्योतिष डिप्लोमा पाठ्यक्रम 3. वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम 4. स्नातकोत्तर योग डिप्लोमा पाठ्यक्रम 5. पौरोहित्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम 6. डिप्लोमा संस्कृतभाषा पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम 7. जैन विद्या डिप्लोमा पाठ्यक्रम 8. संस्कृत वांग्मय डिप्लोमा पाठ्यक्रम 9. कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा पाठ्यक्रम 10. संस्कृत व्याकरण प्रायोगिक-प्रशिक्षण एवं संभाषण डिप्लोमा पाठ्यक्रम 11. स्नातकोत्तर योग एवं नैच्युरोपैथी डिप्लोमा पाठ्यक्रम
एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)	1. ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा 2. वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा 3. स्नातकोत्तर वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) - 2020 का कार्यान्वयनः

विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 का क्रियान्वयन 2021-22 में किया जा चुका है। इस संबंध में की गई प्रमुख पहल इस प्रकार है:-

- व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरूआत।
- मूल्यवर्धित पाठ्यक्रमों की शुरूआत।
- यूजीसी स्वरुप के अनुसार सभी प्रस्तावित समस्त स्नातक कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- पाठ्यक्रम में कई बार प्रवेश और निकास की सुविधा दी गई है।
- क्रेडिट हस्तांतरण, क्रेडिट विमोचन और क्रेडिट संचय के लिए एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट भी लागू किया गया है।
- सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी है।
- क्षमता संवर्धन कार्यक्रम भी पाठ्यक्रमों में सम्मिलित है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर NEP-2020 सम्बन्धी दिशा-निर्देशों को विश्वविद्यालय में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार लागू किया जा रहा है।

अनुदान सहयोग

क्र.सं.	विवरण	राशि (लाखों में)
1.	विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान	8313.86
2.	विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई आन्तरिक रसीद	73.02
3.	विश्वविद्यालय द्वारा किया गया कुल व्यय	8406.78

समझौता/ज्ञापन (Memorandum of Understanding) में संभव सहभागिता

क्र.सं.	संगठन का नाम	एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करने का वर्ष
1.	इन्फ्लेब्नेट	2014
2.	संस्कृत पत्रकारिता	2017
3.	इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी	2019
4.	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एस.पि.ए.)	2021
5.	श्रीमद् जगदगुरु शारदा सर्वज्ञ पीठम	2021
6.	सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली एंड नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी, तिरुपति	2022
7.	महर्षि यूनिवर्सिटीज (वर्ल्डवाइड)	2023
8.	कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत यूनिवर्सिटी, रामटेक	2024
9.	बाबासाहेब भीमराव अम्बेंडकर बिहार यूनिवर्सिटी	2024
10.	आस्था सेवा संस्थान, उत्तराखंड	2025

योजनाएँ

1.	उच्च शिक्षण संस्थाओं में महिला अध्ययन
2.	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम
3.	मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स MOOCs पाठ्यक्रम

परियोजनाएँ

1.	परियोजना का नाम: भारतीय दर्शन का क्रमिक विकास (ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में) भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. हरेराम त्रिपाठी को स्वीकृत
2.	महर्षि अगस्त्य विरचित "अगस्त्य संहिता" हिन्दी भाषानुवाद विषयक लघु शोध परियोजना प्रो. शिव शंकर मिश्र को भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद से स्वीकृत भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रो. शिवशंकर मिश्र को लघु अनुसंधान परियोजना स्वीकृत
3.	अष्टादशी शोध परियोजना प्रो. शिवशंकर मिश्र को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत।
4.	अष्टादशी शोध परियोजना डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत।

5. "सोमनाथ, विश्वनाथ तथा महाकाल ज्योतिर्लिंग का सामाजिक सांस्कृतिक तथा वास्तुशास्त्रीय दृष्टि से अध्ययन" विषयक बृहत शोध परियोजना डॉ. देशबन्धु, आचार्य वास्तु शास्त्र विभाग को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद से स्वीकृत।

छात्र विवरण

क. कार्यक्रमवार स्वीकृत और पंजीकृत छात्रों की संख्या का विवरण

क्र.सं.	कार्यक्रम	छात्र	
		स्वीकृत	पंजीकृत
1.	विद्यावारिधि (पी.एच.डी.)	212	47
2.	शिक्षाचार्य (एम.एड.)	50	13
3.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)	200	193
4.	आचार्य (एम.ए.)	722	93
5.	शास्त्री (बी.ए.)	185	132
6.	एम.ए. (योग)	50	33
7.	बी.ए. (योग)	50	39
8.	एम.ए. (हिन्दी)	20	15
9.	एम.ए. (हिन्दू अध्ययन)	20	16
10.	एम.ए. (समाजशास्त्र)	20	19
11.	एम.ए. (अंग्रेजी)	15	10
12.	प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (षाण्मासिक)	275	08
13.	डिप्लोमा पाठ्यक्रम (एक वर्षीय)	740	228
14.	पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (द्विवर्षीय)	150	106

ख. राज्य-वार नियमित एवं अंशकालिक पाठ्यक्रमों में छात्रों का विवरण

क्र. सं.	अध्ययन कार्यक्रम	पाठ्यक्रम का नाम	आंध्र प्रदेश		असम		दिल्ली		बिहार		छत्तीसगढ़		हिमाचल प्रदेश		झारखण्ड		जम्मू एवं कश्मीर		मध्य प्रदेश		राजस्थान		उत्तर प्रदेश		हरियाणा		उत्तराखंड		पश्चिम बंगाल		उड़ीसा		महाराष्ट्र		पंजाब		कर्नाटक		तेलंगाना		केरल		नेपाल		कुल
			पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म.	पु	म	पु	म	पु	म.	पु	म	पु	म.	पु	म.	पु	म	पु	म	पु	म	
1	स्नातक	शास्त्री	0	0	0	0	80	19	22	0	1	0	2	0	2	0	0	0	7	1	9	1	62	3	33	11	41	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	1	0	0	2	0	300
		बी.ए. योग	0	0	0	0	20	30	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	3	0	7	3	3	5	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	74
		बी.एड.	0	0	0	0	47	49	7	16	0	0	2	1	3	7	0	0	4	5	0	0	20	21	7	1	8	10	1	1	88	89	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	387
2	स्नातकोत्तर	एम.ए. हिंदी	0	0	0	0	3	8	5	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	5	0	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	27
		एम.ए. हिन्दू अध्ययन	0	0	0	0	7	1	4	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	2	4	0	3	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	27
		आचार्य	0	0	0	0	49	19	9	0	0	0	14	0	0	0	0	0	5	2	5	1	31	7	13	1	9	1	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	1	0	0	1	0	0	174
		एम.ए. योग	0	0	0	0	20	25	1	2	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	2	0	5	3	3	5	1	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	72
		एम.एड.	0	0	0	0	4	4	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	2	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0	0	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	21
		एम.ए. अंग्रेजी	0	0	0	0	5	6	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	2	1	0	0	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	21
		एम.ए. समाज शास्त्र	0	0	0	0	0	10	8	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	8	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	32
3	पी एच. डी.		1	0	0	1	64	45	13	2	0	0	16	6	1	1	0	0	14	6	7	6	54	23	16	11	20	1	32	8	5	8	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	363
4	अंशकालिक		0	0	0	0	92	75	21	4	0	0	5	0	3	0	0	0	5	0	7	0	40	15	39	8	19	2	2	1	0	2	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	342
		कुल																																										1840

ग. श्रेणी-वार नियमित पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों का विवरण

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में श्रेणी के अनुसार नामांकित छात्रों की कुल संख्या																									
पाठ्यक्रम:		कुल नामांकित छात्र			सामान्य:			अनु. जाति:			अनु. जनजाति:			अन्यवञ्चितवर्ग:			आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		विकलांग				विदेशी	टी. जी.	कुल
		M	W	T	M	W	T	M	W	T	M	W	T	M	W	T	M	W	T	M	W	T			
स्नातक	शास्त्री-I	116	16	**132**	103	10	**113**	4	0	**4**	1	0	**1**	4	5	**9**	2	1	**3**	0	0	**0**	2	0	132
	शास्त्री -II	91	16	**107**	86	14	**100**	0	1	**1**	1	0	**1**	2	1	**3**	2	0	**2**	0	0	**0**	0	0	107
	शास्त्री -III	54	7	**61**	50	5	**55**	0	0	**0**	0	0	**0**	3	2	**5**	1	0	**1**	0	0	**0**	0	0	61
	बी.ए योग -I	18	21	**39**	12	15	**27**	3	2	**5**	0	0	**0**	3	4	**7**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	39
	बी.ए योग-II	11	10	**21**	8	5	**13**	1	3	**4**	0	0	**0**	1	2	**3**	1	0	**1**	0	0	**0**	0	0	21
	बी.ए. योग-III	8	6	**14**	4	6	**10**	2	0	**2**	0	0	**0**	0	0	**0**	2	0	**2**	0	0	**0**	0	0	14
Toal U.G.		298	76	**374**	263	55	**318**	10	6	**16**	2	0	**2**	13	14	**27**	8	1	**9**	2	0	**2**	0	**0**	**374**
स्नातकोत्तर	आचार्य-I	69	24	**93**	60	18	**78**	0	2	**2**	1	1	**2**	8	3	**11**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	93
	आचार्य-II	63	18	**81**	55	16	**71**	2	1	**3**	0	0	**0**	2	1	**3**	4	0	**4**	0	0	**0**	0	0	81
	एम.ए. योग-I	13	20	**33**	8	16	**24**	1	0	**1**	0	0	**0**	3	4	**7**	1	0	**1**	0	0	**0**	0	0	33
	एम.ए. योग -II	17	22	**39**	9	18	**27**	2	2	**4**	0	0	**0**	5	1	**6**	1	1	**2**	0	0	**0**	0	0	39
	एम.ए. हिन्दी-I	7	8	**15**	5	7	**12**	0	0	**0**	0	0	**0**	1	0	**1**	1	1	**2**	0	0	**0**	0	0	15
	एम.ए. हिन्दी -II	7	5	**12**	5	5	**10**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	**0**	2	0	**2**	0	0	**0**	0	0	12
	एम.ए. हिन्दू अध्ययन-I	9	7	**16**	5	7	**12**	2	0	**2**	0	0	**0**	2	0	**2**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	16
	एम.ए. हिन्दू अध्ययन-II	6	5	**11**	4	4	**8**	0	0	**0**	0	0	**0**	2	1	**3**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	11

	एम.ए. अंग्रेजी-I	4	6	**10**	1	5	**6**	0	0	**0**	0	0	**0**	2	0	**2**	1	1	**2**	0	0	**0**	0	0	10
	एम.ए. अंग्रेजी-II	5	6	**11**	4	5	**9**	1	1	**2**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	**0**	0	0	11
	एम.ए. समाज शास्त्र-I	13	6	**19**	5	1	**6**	1	2	**3**	0	0	**0**	3	3	**6**	4	0	**4**	0	0	**0**	0	0	19
	एम.ए. समाज शास्त्र -II	8	5	**13**	2	3	**5**	2	0	**2**	0	0	**0**	2	2	**4**	2	0	**2**	0	0	**0**	0	0	13
	शिक्षाशास्त्री-I	82	111	**193**	37	38	**75**	7	22	**29**	3	9	**12**	16	38	**54**	19	4	**23**	0	0	**0**	0	0	193
	शिक्षाशास्त्री -II	88	106	**194**	32	28	**60**	10	22	**32**	5	8	**13**	21	41	**62**	18	7	**25**	0	0	**0**	0	0	194
	शिक्षाचार्य-I	9	4	**13**	4	2	**6**	0	1	**1**	0	1	**1**	2	0	**2**	3	0	**3**	0	0	**0**	0	0	13
	शिक्षाचार्य-II	5	3	**8**	4	2	**6**	0	1	**1**	0	0	**0**	0	0	**0**	1	0	**1**	0	0	**0**	0	0	08
कुल																									
विद्यावारिधि		245	118	**363**	131	61	**192**	24	13	**37**	2	2	**4**	30	21	**51**	57	21	**78**	1	0	**1**	0	**0**	**363**
प्रमाण पत्रीय/डिप्लोमा		247	95	**342**	225	86	**311**	11	5	**16**	1	1	**2**	8	1	**9**	2	2	**4**	0	0	**0**	0	**0**	**342**
कुल		**1195**	**645**	**1840**	**859**	**377**	**1236**	**73**	**78**	**151**	**14**	**22**	**36**	**120**	**130**	**250**	**124**	**38**	**162**	**3**	**0**	**3**	**0**	**0**	**1840**

** वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान नामांकित और पूर्व में नामांकित कुल शोधच्छात्र।*

घ. अंशकालिक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणीवार)

क्र. सं	पाठ्यक्रम का नाम	सामान्य		अनु. जाति		अनु. जन जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		विदेशी		पि.एच		अल्पसंख्यक		कुल		कुल
		पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	
1	षण्मासिक ज्योतिष प्रवेशिका	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	एकवर्षीय ज्योतिष प्राज्ञ डिप्लोमा	61	13	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	63	13	76
3	एक वर्षीय ज्योतिष चिकित्सा डिप्लोमा	16	2	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	17	2	19
4	द्विवर्षीय ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा प्रथम वर्ष	20	13	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	20	13	33
	द्विवर्षीय ज्योतिष भूषण एडवांस डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	17	5	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	18	6	24
5	षण्मासिक वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
6	एक वर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा	12	9	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12	10	22
7	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा प्रथम वर्ष	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	1	4
	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र पी.जी. डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	4
8	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा प्रथम वर्ष	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा द्वितीय वर्ष	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2	4
9	षण्मासिक योग प्रमाणपत्रीय कोर्स	4	1	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	1	7
10	एकवर्षीय पी.जी. योग डिप्लोमा	13	15	1	2	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	15	17	32
11	पौरोहित्य (कर्मकांड) प्रशिक्षण एवं संभाषण में प्रमाण-पत्र	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
12	एक वर्षीय पौरोहित्य (कर्मकांड) डिप्लोमा	49	0	2	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	53	0	53
13	संस्कृत व्याकरण प्रायोगिक-प्रशिक्षण एवं संभाषण में एक वर्षीय डिप्लोमा	5	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	9	14
14	एकवर्षीय संस्कृत वांगमय डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
15	एकवर्षीय पी.जी. संस्कृत पत्रकारिता डिप्लोमा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
16	षण्मासिक जैन विद्या सर्टिफिकेट कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
17	एकवर्षीय जैन विद्या डिप्लोमा	4	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	2	7
18	पांडुलिपि और शिलालेख में प्रमाणपत्रीय कोर्स	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19	एकवर्षीय कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा	3	4	1	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	5	7	12
20	योग एवं नाचुरोपैथी में पी.जी. डिप्लोमा	11	10	3	1	1	0	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	18	12	30
कुल		225	86	11	5	1	1	8	1	2	2	0	0	0	0	0	0	247	95	342

ड. पाठ्यक्रम अनुसार प्रविष्ट, उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण छात्रों का विवरण

पाठ्यक्रम	प्रविष्ट छात्रों की संख्या	कुल उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
शास्त्री (बी.ए.)	72	57	44	13	14	01
बी.ए. (योग)	41	33	17	16	06	02
आचार्य (एम.ए.)	56	43	33	10	13	00
एम.ए (योग)	41	34	14	20	5	02
एम.ए. हिंदू अध्ययन	07	06	03	03	01	00
एम.ए. हिंदी	11	10	04	06	01	00
एम.ए. समाजशास्त्र	01	01	01	00	00	00
एम.ए. अंग्रेजी	07	07	02	05	00	00
शिक्षाशास्त्री (बी.एड)	195	193	100	93	01	01
शिक्षाचार्य (एम.एड.)	10	10	08	02	00	00
विद्यावारिधिपाठ्यक्रम (कोर्सवर्क)	87	85	63	22	01	01
पीएच.डी. प्रदान की गई	50	–	34	16	00	00

स्व-वित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम

2024	प्रविष्ट छात्रों की संख्या	कुल उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
पौरोहित्य (कर्मकाण्ड) प्रशिक्षण (षाण्मासिक)	01	0	0	0	1	0
योग प्रमाणपत्रीय (षाण्मासिक)	06	05	0	5	1	0
ज्योतिष प्रज्ञ (एकवर्षीय)	50	39	29	10	6	5
वास्तु शास्त्र डिप्लोमा (एकवर्षीय)	14	12	6	6	2	0
मेडिकल एस्ट्रोलॉजी डिप्लोमा (एकवर्षीय)	11	9	3	6	2	0
पी.जी योग डिप्लोमा (एकवर्षीय)	53	46	15	31	3	4
पौरोहित्य (कर्मकाण्ड) डिप्लोमा (एकवर्षीय)	96	73	72	1	23	0
कम्प्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा (एकवर्षीय)	17	9	6	3	4	4
संस्कृत व्याकरण प्रायोगिक प्रशिक्षण (एकवर्षीय)	7	7	2	5	0	0
पीजी योग और नैच्युरोपैथी डिप्लोमा (एकवर्षीय)	24	21	11	10	3	0
ज्योतिष भूषण (द्विवर्षीय)	10	5	2	3	4	1
पी.जी वास्तु एडवांस डिप्लोमा (द्विवर्षीय)	1	1	1	0	0	0

छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को शास्त्र परंपरा में पाठ्यक्रमों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्तियों की संख्या और उनकी संबंधित राशि की विस्तृत जानकारी निम्नलिखित तालिका में दी गई है, जिसमें छात्रों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में सहायता करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	वर्ष की संख्या	छात्रवृत्तियों (प्रति माह)	छात्रवृत्ति राशि
1.	शास्त्री (बी.ए.)	प्रथम वर्ष	120	रु. 800/-
2.	शास्त्री (बी.ए.)	द्वितीय वर्ष	120	रु. 800/-
3.	शास्त्री (बी.ए.)	तृतीय वर्ष	120	रु. 800/-
4.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)		60	रु. 800/-
5.	आचार्य (एम.ए.)	प्रथम वर्ष	25 प्रति विषय	रु. 1000/-
6.	आचार्य (एम.ए.)	द्वितीय वर्ष	25 प्रति विषय	रु. 1000/-
7.	शिक्षाचार्य (एम.एड.) विशेष अनुदान		13	रु. 1000/- रु. 750/-
8.	विद्यावारिधि (प्रति विषय एक)			रु. 8000/-

जे.आर.एफ. सम्मानित छात्र

क्र.सं.	पीठ का नाम	विभाग	छात्र का नाम	पुरस्कार पत्र संख्या
1.	दर्शन-शास्त्र	मीमांसा	लक्ष्मी	240520015963
2.	साहित्य और संस्कृति	साहित्य	संगीता धारा	240510230794
		प्राकृत भाषा	समर्पण जैन	240510077022
3.	आधुनिक विषय	हिंदी	अमित	240510744221
			शिवांश मिश्रा	6386919425
			अनुराग शुक्ला	240510622212
		अंग्रेजी	मनीष कुमार	7541092706
		हिंदू अध्ययन	मलकीत सिंह	240510530349
4.	वेद-वेदांग	वास्तु शास्त्र	गजेंद्र शर्मा	240520197876

एस.आर.एफ. सम्मानित छात्र

क्र.सं.	पीठ का नाम	विभाग	छात्र का नाम	बैठक की तिथि
1.	वेद-वेदांग	वेद	के.एम्. गुलशन पाठक	24.3.2025
2.	सहित्य एवं संस्कृति	साहित्य	विक्रम भट्ट	28.3.2025

पीठ

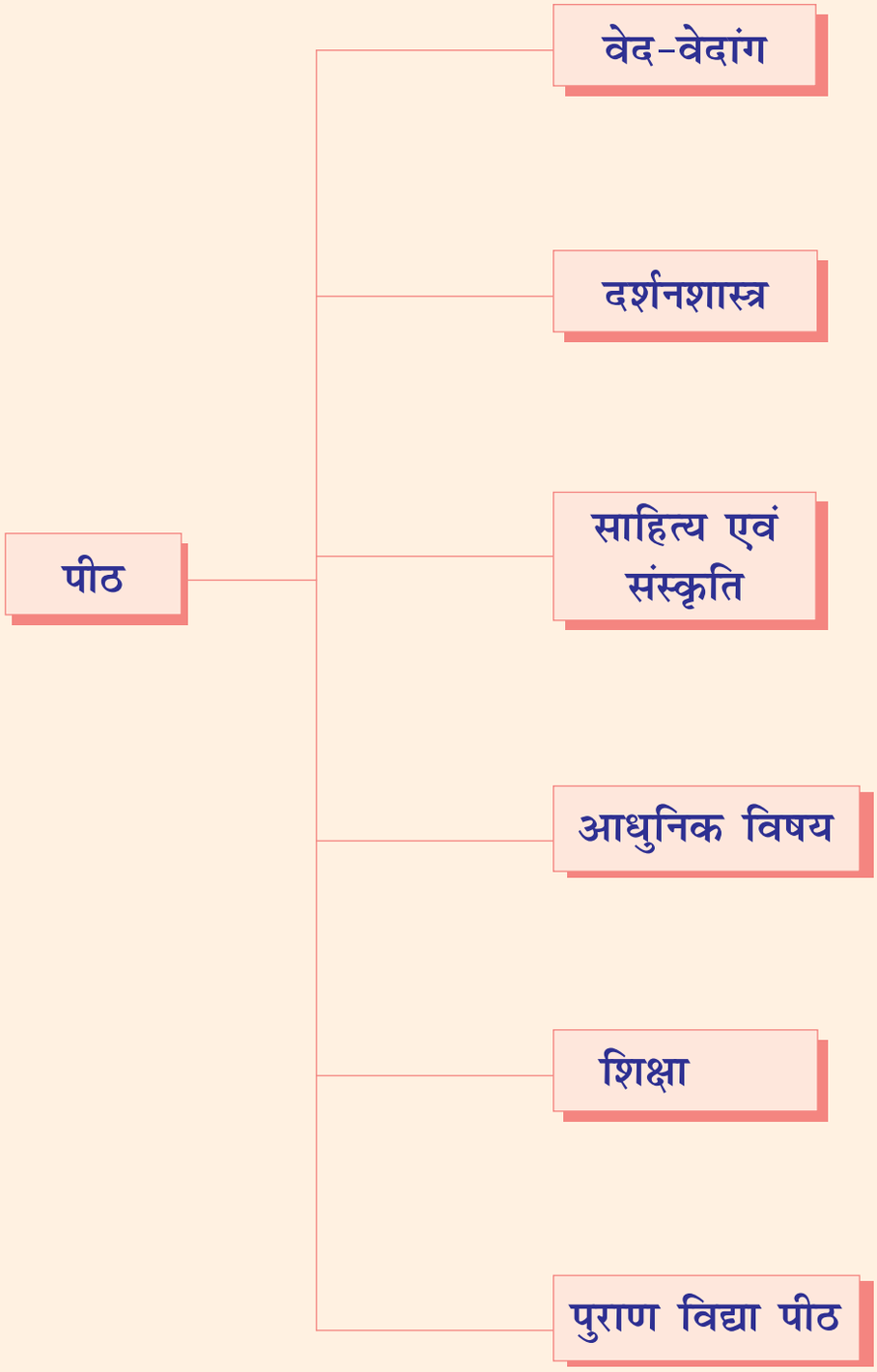

1. वेदवेदांग पीठ एवं सम्बंधित विभाग

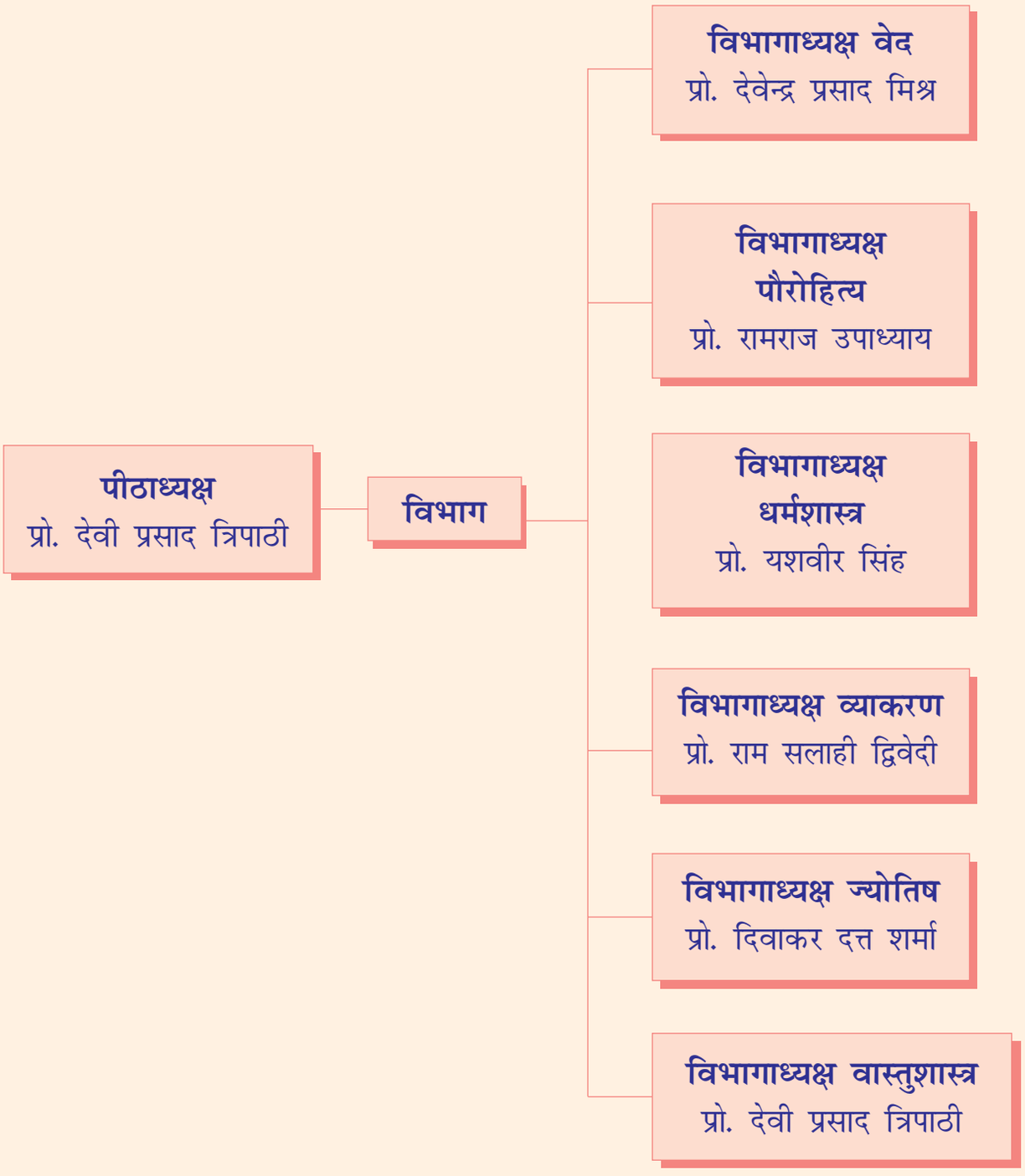

क. पीठ के विषय में

वर्ष 1971 में स्थापित हमारे विश्वविद्यालय में वेद-वेदांग पीठ शुक्ल यजुर्वेद का ज्ञान प्रदान करने के लिए समर्पित है। वेदों की समृद्ध परंपरा में निहित, इस पीठ में छह विभाग शामिल हैं जो वेद, पौरोहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, वास्तु शास्त्र और धर्मशास्त्र में व्यापक शिक्षा प्रदान करते हैं। स्मृति परंपरा को संरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण माना गया धर्मशास्त्र विभाग समकालीन, विशेष रूप से महिलाओं के संपत्ति अधिकारों और सामाजिक रूप से हाशिए पर रहने वाले वर्गों से संबंधित प्राचीन भारतीय कानूनी प्रणालियों को समझने में महत्व रखता है। विशेष कागजात में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रिवी काउंसिल, सुप्रीम कोर्ट और अन्य न्यायालयों के फैसलों के अंश शामिल हैं। पीठ की विविध रुचियों में मानवाधिकार, संस्कृति, कानूनी अध्ययन और पर्यावरण शामिल हैं, जो समकालीन सार्थकता को दर्शाते हैं। अध्येताओं को पौरोहित्य विज्ञान, वेद, धर्म शास्त्र और ज्योतिष की एक सटीक खोज, वैश्विक पूजा अनुष्ठानों की जांच करने वाले बहु-विषयक परियोजनाओं में शामिल किया जाता है।

ख. लक्ष्य

वेद और वेदांग पीठ छात्रों को वेदों और वेदांगों में निहित भारतीय संस्कृति की गहन विरासत से परिचित कराने का प्रयास करता है। इस पीठ का लक्ष्य इन ग्रंथों में निहित वैज्ञानिक गुणों को वैश्विक दर्शकों के सामने लाने के लिए अनुसंधान का लाभ उठाना है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. वेदों में विज्ञान।
2. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में वेद।
3. वेद : विश्व कल्याण का साधन।
4. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में व्याकरण।
5. भाषा विज्ञान संबंधी।
6. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
7. धर्मशास्त्र में न्याय व्यवस्था।
8. आधुनिक सामाजिक समस्याओं के संदर्भ में स्मृति ग्रंथों का पुनरावलोकन।
9. प्रौद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में वास्तु।
10. आधुनिक वास्तुकला में प्राचीन भारतीय वास्तु विज्ञान की उपयोगिता।
11. ज्योतिषशास्त्र में विज्ञान।
12. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष।
13. प्राचीन वैदिक अनुष्ठानों पर अनुसंधान।

विशेषताऐं

- सस्वर सहित वेदों का अभ्यास।
- श्रौतयज्ञों का अभ्यास।
- श्रौत यज्ञ पात्र और स्मार्ट यज्ञ पात्र का संग्रह।
- डेमो यज्ञ शाला वेधशाला।
- तारामंडल।
- एस.पी.ए. और विश्वविद्यालय के वास्तु विभाग के बीच पंचाग निर्माण पर समझौता ज्ञापन।
- पत्रिका प्रकाशन

ग. संकाय का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पदनाम	प्राध्यापकों की संख्या
1.	वेद	आचार्य	05
		सह-आचार्य	01
2.	पौरोहित्य	आचार्य	02
3.	धर्मशास्त्र	आचार्य	02
		सहायक आचार्य	03
4.	व्याकरण	आचार्य	04
		सह-आचार्य	03
5.	ज्योतिष	आचार्य	08
		सह-आचार्य	01
6.	वास्तु शास्त्र	आचार्य	02
		सहायक आचार्य	05

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	वेद	2
2.	प्रो. हनुमान मिश्र	वेद	1
3.	प्रो. सुन्दर नारायण झा	वेद	2
4.	प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	वेद	1
			4
5.	प्रो. बृन्दावन दास	पौरोहित्य	4
6.	प्रो. रामराज उपाध्याय	पौरोहित्य	2
7.	प्रो. रामसलाही द्विवेदी	नव्य व्याकरण	3
8.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	नव्य व्याकरण	2
9.	प्रो. दयाल सिंह पंवार	नव्य व्याकरण	1
10.	डॉ. नरेश कुमार बैरवा	प्राचीन व्याकरण	1
11.	डॉ. धर्मपाल प्रजापत	प्राचीन व्याकरण	6
12.	प्रो. यशवीर सिंह	धर्मशात्र	2
13.	डॉ. मिनाक्षी मिश्रा	धर्मशात्र	1
14.	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	ज्योतिष	3
15.	प्रो. परमानन्द भारद्वाज	ज्योतिष	3
16.	प्रो. फणीन्द्र कुमार चौधरी	ज्योतिष	5
17.	प्रो. सुशील कुमार	ज्योतिष	5
18.	प्रो. रश्मि चतुर्वेदी	ज्योतिष	2
19.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	वास्तुशास्त्र	1
20.	प्रो. अशोक थपलियाल	वास्तुशास्त्र	1
21.	डॉ. देश बन्धु	वास्तुशास्त्र	1
22.	डॉ. प्रवेश व्यास	वास्तुशास्त्र	53
		कुल	**53**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	180	10	3	2	1	0	0	0	6	3	0	0	1	0	191	15	206
2	स्नातकोत्तर	80	13	1	1	0	0	0	0	3	1	0	0	3	0	87	15	102
3	विद्यावारिधि	66	24	5	2	0	0	0	0	10	3	0	0	32	7	113	36	149
	कुल	326	47	9	5	1	0	0	0	19	7	0	0	36	7	391	66	457

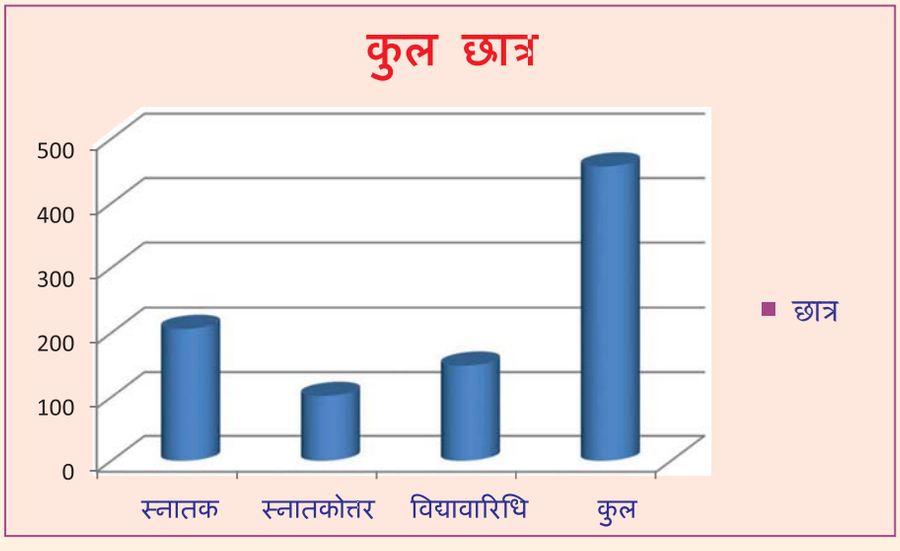

च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/ संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/ पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	भगवान् श्री परशुराम एवं सोहनाग धाम	प्रकाशित पुस्तक	978-81-952904-2-0
प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा	वर्ण समीक्षा में विवृत्ति का स्वरूप शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनघनपाठः (पूर्वविंशतिः)	जर्नल पीयर रिव्यूइंग प्रकाशित पुस्तक	0974-8946 978-81-19380-55-8

	शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनघनपाठः (उत्तरविंशतिः)	प्रकाशित पुस्तक	978-81-19380-53-4
प्रो. रामानुज उपाध्याय	दर्शपौर्णमासकालयो: सूक्ष्मविमर्श:	जर्नल पीयर रिब्यूइंग	05071410
प्रो. सुन्दर नारायण झा	मिथिलायां वेदाध्ययनपरम्परा	पीयर रिब्यूइंग	0974-8946
	रक्षाबन्धनविषयक अथर्ववेदीय वैज्ञानिक विवेचन	पीयर रिब्यूइंग (इम्पेक्ट फेक्टर)	2454-9177
	अन्तरिक्षनाडी का अंशानुक्रम विभाग	पीयर रिब्यूइंग	0976-4321
	वाजपेययाग-निरूपण	पीयर रिब्यूइंग	0974-8946
	भारतीय स्वतन्त्रता के समय वैदिक अध्ययन की स्थितिया: एक अध्ययन	पीयर रिब्यूइंग (इम्पेक्ट फेक्टर)	2454-9177
	वेदविज्ञानवैभवम्	प्रकाशित पुस्तक	978-93-89329-41-4
	शतपथब्राह्मणम् द्वितीयकाण्ड 1-3 अध्याय (भाग-4)	प्रकाशित पुस्तक	978-93-89329-29-2
डॉ. ओंकार यशवंत सेलूकर	अग्नितत्व	जर्नल पीयर रिब्यूइंग, वैल्यूम-56 (Sept-Oct. 2024)	2454-9177
	श्रौतयज्ञानां महत्त्वम्	जर्नल पीयर रिब्यूइंग, वैल्यूम-58 (Jan-Feb. 2025)	2454-9177
प्रो. जयकांत सिंह शर्मा	शरीरलक्षणसमीक्षा	शोधप्रभा-यूजीसी केयर लिस्टेड	0974-8946
	बह्मजिज्ञासेत्यत्र प्रसज्यमाना समाससमालोचना	शोधप्रभा-यूजीसी केयर लिस्टेड	0974-8946
प्रो. सुजाता त्रिपाठी	तिरु तोल्काप्पियर कृत तोल्कापियम् ग्रन्थ एवं आचार्य पाणिनि कृत अष्टाध्यायी ग्रन्थ में वर्णित नाम पदों की तुलनात्मक समीक्षा	शोधप्रभा-यूजीसी केयर लिस्टेड, 2024	0974-8946
प्रो. दयाल सिंह पंवार	कृतज्ञता	आस का दीप	978-93-94275-83-6
	संघर्षों का नहीं अन्त है	आस का दीप 94275-83-6	978-93-
	भारतीय ज्ञान परम्परा आणि संस्कृत व्याकरण	भारतीय ज्ञान परम्परा	978-93-92204-61-6
	भारतीय विवाह परम्परा तथा महत्त्व	भारतीय धरोहर	2455-1120
	षड् दर्शन	भारतीय धरोहर	2455-1120

डॉ. नरेश कुमार बैरवा	वैयाकरणानां मते शब्दार्थविचार:	NJHSR, Vol-57, 2024	2454-9177
	वैयाकरणभूषणसारमते विभक्त्यर्थविचार:	NJHSR, Vol-56, 2024	2454-9177
	विविधाचार्याणां मते फलस्य धात्वर्थविचार:	NJHSR, Vol-58, 2025	2454-9177
	भारतीयज्ञानपरम्परायां पाणिनि-व्याकरणस्य वैशिष्ट्यम्	NJHSR, Vol-59, 2025	2454-9177
	स्फोट सिद्धान्त एवं ध्वनिविज्ञान	प्रकाशित पुस्तक-पाठ्यक्रमानन्तर भाषा पर आधारित स्व शिक्षण सामग्री, SCERT, नई दिल्ली, 2024	978-81-971630-7-4
श्री नरेश कुमार	श्रीमद्भगवद्गीता में भगवत्प्राप्ति के उपाय	शब्दार्णव, 2024	2395-5104
प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी	नैसर्गिक पंचांग 2025-26	सम्पादक: गणितकर्त्ता च नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली	2395-1699
	वेद एवं विश्वशान्ति (2024)	सम्पादक: के.बी.डी.पब्लिकेसन्स, 4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली	978-81-960260-2-8
	वैदिक साहित्य में गणित की अवधारणा	लेखक: वेद एवं विश्वशान्ति (2024) के.बी.डी.पब्लिकेसन्स, 4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली	978-81-960260-2-8
	वास्तुशास्त्रविमर्श, षोडश पुष्प	सम्पादक: संस्करण-2023, मुद्रण-2024	0976-4321
	वास्तुशास्त्रविमर्श, सप्तदश पुष्प	सम्पादक: संस्करण-2024, प्रकाशनाधीन	0976-4321
प्रो. अशोक थपलियाल	नैसर्गिक पंचांग 2025-26	सहसम्पादक: नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली	2395-1699
	वैदिक वाङ्मय में स्थापत्य	लेखक: वेद एवं विश्वशान्ति (2024) के.बी.डी.पब्लिकेसन्स, 4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली	978-81-960260-2-8

	वाल्मीकिरामायणानुसारं गृहकक्षाणां समीक्षा	सह-लेखक: वास्तुशास्त्रविमर्श, षोडश पुष्प संस्करण-2023, मुद्रण-2024	0976-4321
	वास्तुशास्त्रीय दृष्टि से तीर्थ एवं मन्दिर संस्करण-2024, प्रकाशनाधीन	शोधलेखक: वास्तुशास्त्रविमर्श, सप्तदश पुष्प	0976-4321
	वास्तुशास्त्र में मापन की अवधारणा	शोधलेखक: शोधप्रभा, (जनवरी-दिसम्बर संयुक्ताङ्क:, 2024)	0974-8946
	टोडरमल का वास्तुसौख्यम् (भाग-3) 1. अध्याय 6 की विषयवस्तु 2. पंचविधगृह, शाल अलिन्द प्रमाण, वीथिका प्रमाण 3. अध्याय 6 की विषयवस्तु 4. द्वारज्ञान, स्तम्भप्रमाण, पंचचतुश्शालगृह	पाठलेखक: भारतीय वास्तुकला प्रणाली (मई 2024) मानविकी विद्यापीठ इन्दिरा गान्धी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	978-93-6106-848-5
	मन्दिर व तीर्थ प्रबन्धन के वास्तुशास्त्रीय सिद्धान्त	लेखक: मन्दिर एवं तीर्थ प्रबन्धन (2025 ई.) 48 कोस कुरुक्षेत्र तीर्थ शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल, हरियाणा	978-81-957336-6-8
डॉ. देशबंधु	संवत्सरफलम्	नैसर्गिकपंचांग 2025-26, नैसार्गिकशोधसंस्थान, दिल्ली	2395-1699
	श्रीविश्वनाथ मन्दिर का सामाजिक, सांस्कृतिक और वास्तुशास्त्रीय अध्ययन (सह-लेखक)	वास्तुशास्त्रविमर्श, वास्तुशास्त्रविभाग, श्रीला.ब.शा.रा.स.वि,नई दिल्ली	0976-4321
	वेदकालीन शिल्पी	वेद एवं विश्वशान्ति, के.बी.डी. पब्लिकेशन, दरियागंज, दिल्ली-110002	978-81-960260-2-8
डॉ. प्रवेश व्यास	राशिफलविचार	नैसर्गिक पंचांग 2025-26 नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली	2395-1699

डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा	गृहप्रवेशादिमुहूर्त	नैसर्गिक पंचांग 2025-26 नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली	2395-1699
	आमेरदुर्गस्थशिलादेवीमन्दिरस्य स्थापत्यकला (सह लेखक)	सह-लेखक: वास्तुशास्त्रविमर्श, षोडश पुष्प संस्करण-2023, मुद्रण-2024 श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	0976-4321
	वैदिक वाङ्मय में ऋतुओं की अवधारणा	लेखक: वेद एवं विश्वशान्ति (2024) के.बी.डी.पब्लिकेसन्स, 4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली	978-81-960260-2-8
डॉ. दीपक वशिष्ठ	नामकरण-चूडाकर्मादिमुहूर्त	नैसर्गिक पंचांग 2025-26 नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली	2395-1699
	वैदिक वास्तु विमर्श	लेखक: वेद एवं विश्वशान्ति (2024) के.बी.डी.पब्लिकेसन्स, 4262/3, प्रथम मंजिल, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली	978-81-960260-2-8
डॉ. नवीन पाण्डेय	विविधशुभाशुभयोग	नैसर्गिक पंचांग 2025-26 नैसर्गिक शोध संस्थान, दिल्ली	2395-1699

छ. अवधि के दौरान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	वेद	अन्ताराष्ट्रिय वैश्विक सम्मेलन (के.सं.वि.वि. एवं एस.एल.पी.ओ.एस के संयुक्त तत्त्वावधान)	09-10.11.2024
		प्रो. जयकान्तसिंह शर्मा जी का व्याख्यान (एकल)	10.12.2024
		विभागीय व्याख्यान	
		विभागीय व्याख्यान (एकल) प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी	16.01.2025
		विश्वविद्यालय स्तरीय त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वेदविभागीय आयोजन	18.03.2025
		महीने में दो बार इष्टियज्ञ का आयोजन (पूर्णिमा एवं अमावास्या की इष्टि)	
		12 महीने ◦ 2 कार्यक्रम = 24 कार्यक्रम वर्ष में।	

2.	पौरोहित	सप्तदिवसीय कार्यशाला "यज्ञ मंत्र एवं योग का अन्त: सम्बन्ध" (पौरोहित विभाग एवं संख्य योग विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में)	23-29.10.2024
		श्रावणी उपाकर्म	19.08.2024
		दीपावली पूजन कार्यक्रम	31.10.2024
		सत्रारम्भ पूजन समारोह	17.09.2024
		विभागीय धीवर्धिनी सभा	19.01.2025
3.	ज्योतिष	फ्यूचर फेस पॉइंट एवं ज्योतिष विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में एकदिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन	08.09.2024
		वि.सं. २०८२ (2025-26) त्रिदिवसीय पञ्चांग कार्यशाला	10-12.09.2024
		'भैषज्य ज्योतिष' विशिष्ट व्याख्यानमाला	22-30.01.2025
			14-28.02.2025
			12-28.03.2025
		म.म.प. कल्याणदत्त शर्म स्मारक व्याख्यानमाला	03.02.2025
4.	धर्मशास्त्र	पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला (मानवाधिकार पाठ्यक्रम, पुरातत्त्व एवं अभिलेख पाठ् यक्रम, पर्यावरण पाठ्यक्रम)	25.04.2024-30.04.2025 तक
5.	व्याकरण	विश्वविद्यालय के वेदवेदांगपीठ के द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-भारतीय ज्ञान परम्परा शिक्षा नीति के अन्तर्गत व्याकरण विभाग द्वारा "देवता प्रत्ययार्थविचार:" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	18-20.03.2025
		भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन	06.02.2025
		ऑनलाइन और ऑफलाइन- "श्री गौरीनाथ शास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला"	20.02.2025
6.	वास्तुशास्त्र	प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी स्मारक व्याख्यानमाला	11-03-2025 एक दिन
		इनोवेटिव वास्तुशास्त्र व्याख्यानमाला	10-03-2025 से 28-03-2025 (13 दिन)

पुरस्कार

अध्यापक का नाम	पुरस्कार का नाम	संस्था	पुरस्कार दिनांक
प्रो. राम सलाही द्विवेदी	श्री शंकराचार्य सेवा सम्मान स्वामी करपत्री शास्त्र सेवा सम्मान	श्री ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम, हिमालय धरम शिंह, नई दिल्ली	06/09/2024 17/09/2024
प्रो. रामराज उपाध्याय	श्री शंकराचार्य शास्त्र सेवा सम्मान-द्विपीठाधिश्वर स्वामी स्वरूपानन्द जी	नर्शिह सेवा सदन, 108, आदर्श नगर, पीतमपुरा, दिल्ली-110034	06/09/2024
	श्री करपत्री सेवा सम्मान-चतुरमसी समाप्ती महोत्सव, द्वारा जगद्गुरू स्वामी	श्री देवादित्यानंद सरस्वती महाराजा, कोठी नं. 6 धर्म संघ, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन, नई दिल्ली	17/09/2024
	विद्वत सम्मान	स्वाध्याय मंडल, वैदिक अनुसन्धान केंद्र, पं. सतव्लेकर मार्ग, किल्ला पारदी, डिस्ट-वलसड, गुजरात	18/09/2024

II. दर्शनशास्त्र पीठ एवं सम्बंधित विभाग

क. पीठ के विषय में

इस दर्शन पीठ की स्थापना पारंपरिक भारतीय दर्शन के क्षेत्र में उन्नत ज्ञान को बढ़ावा देने की दृष्टि से प्रेरित थी, जैसा कि प्राचीन अध्येताओं द्वारा स्पष्ट किया गया है और शास्त्रों में निहित है। एसएलबीएसएनएस विश्वविद्यालय पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली सामान्यीकृत शिक्षण-अधिगम सुविधाओं को पार करते हुए, भारतीय दर्शन के विशिष्ट विषयों के अंदर प्रमुख दार्शनिक प्रणालियों की अधिक केंद्रित और गहन खोज का प्रस्ताव देते हुए स्वयं की अलग पहचान बनाता है। जैन दर्शन विभाग उल्लेखनीय है, जिसमें हिंदू दर्शन के साथ समानताएं साझा करते हुए भी अपनी विशिष्ट विशेषताएं रखता है। आज की आधुनिक दुनिया में, परमाणु सिद्धांत, कर्म सिद्धांत, अनेकांतवाद सिद्धांत, स्याद्वाद सिद्धांत, नयवाद सिद्धांत, अहिंसा सिद्धांत, आध्यात्मिकता, ध्यान पद्धतियां और अहिंसा जैसी अवधारणाएं समाज और राष्ट्र में व्यावहारिक अनुप्रयोग में आती हैं। इसके अतिरिक्त, मीमांसा विभाग को मीमांसा के व्याख्यात्मक मानदंडों के अंतर्गत दिए गए विशिष्ट निर्णयों के लिए राष्ट्रीय प्रशंसा प्राप्त हुई है, जो छात्रों को प्राचीन ग्रंथों का उपयोग करके समसामयिक मुद्दों को संबोधित करने के कौशल से सुसज्जित करने पर केंद्रित है। सांख्य और योग के विषय आपस में एक दूसरे के पूरक होते हुए भी, प्रकृति (पदार्थ) और पुरुष की अवधारणाओं के बारे में विचारशील होते हैं। सांख्य की प्राचीन परंपरा सत्व-रजस और तमस की धारणाओं में निहित है, दिलचस्प रूप से न्यूटन के गति के नियमों से जुड़ी हुई है और क्वांटम भौतिकी की समझ को प्रेरित करती है। प्रसिद्ध संकाय सदस्य प्रमुख दार्शनिक मुद्दों पर चर्चा को प्रोत्साहित करते हुए, आकर्षक शास्त्रार्थ के माध्यम से छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं।

ख. लक्ष्य

विश्वविद्यालय में दर्शन पीठ (दर्शनशास्त्र) भारतीय दार्शनिक परंपराओं के बारे में ज्ञान प्रदान करने और इस मूल्यवान जानकारी को विश्व स्तर पर प्रसारित करने के लिए समर्पित है। पीठ के उद्देश्यों में गहन शोध करना और भारतीय दार्शनिक मुद्दों पर सामाजिक रूप से सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करना शामिल है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्शन।
2. भारतीय दर्शन और जीवन।
3. दर्शन में वैज्ञानिक तथ्य।
4. आधुनिक विज्ञान और दार्शनिक विचार।
5. दर्शनशास्त्र में मानवीय मूल्य।
6. पारंपरिक दर्शन ग्रंथों की शिक्षा एवं संरक्षण की पद्धति का प्रचार-प्रसार करना।
7. समाज और न्याय शास्त्र के बीच कार्य प्रणाली

विशेषतायें

- योग के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अभ्यास।
- वेदांतिक ग्रंथों की दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन

ग. संकाय सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पदनाम	प्राध्यापकों की संख्या
1.	न्याय	आचार्य	03
2.	सांख्य योग	आचार्य	01
3.	योग	सहायक आचार्य	03
4.	जैन दर्शन	आचार्य	03
5.	सर्व दर्शन	आचार्य सहायक आचार्य	03 01
6.	मीमांसा	आचार्य सहायक आचार्य	01 01
7.	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	आचार्य	02
8.	अद्वैत वेदान्त	–	00

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं	पर्यवेक्षक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. बिष्णुपद महापात्र	न्याय	2
2.	प्रो. महानन्द झा	न्याय	2
3.	प्रो. अनेकान्त कुमार जैन	जैन दर्शन	4
4.	प्रो. कुलदीप कुमार	जैन दर्शन	1
5.	प्रो. ए.एस. आरावमुदन	मीमांसा	1
6.	प्रो जवाहर लाल	सर्वदर्शन	2
7.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद	सर्वदर्शन	2
8.	प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी	सांख्ययोग	3
9.	प्रो. सुदर्शनन् एस.	विशिष्टाद्वैत	1
		कुल	**18**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	शास्त्री	23	13	1	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	0	27	15	42
2	बी.ए. योग	24	26	6	5	0	0	0	0	4	6	0	0	3	0	37	37	74
3	आचार्य	16	13	1	0	1	1	0	0	6	2	0	0	1	0	25	16	41
4	एम.ए.योग	17	34	3	2	0	0	0	0	8	5	0	0	2	1	30	42	72
5	विद्यावारिधि	32	20	11	6	1	1	0	0	10	9	0	0	11	4	65	40	105
	कुल	112	106	22	14	3	2	0	0	29	23	0	0	18	5	184	150	334

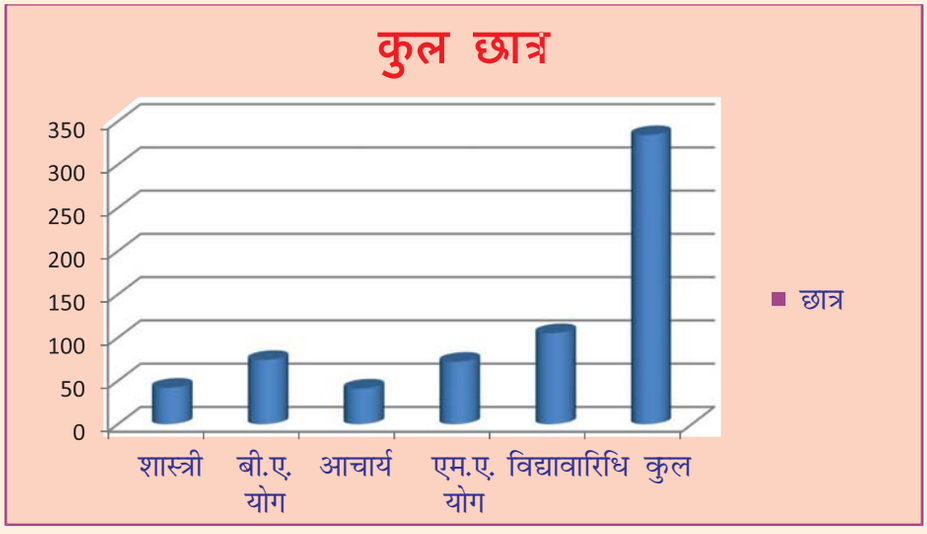

च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/ संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/ पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. कुलदीप कुमार जैन	क्षमावाणी पर्व	चाणक्यवार्ता, अन्ताराष्ट्रीय पाक्षिक पत्रिका, अंक 18, 16-18 सितम्बर, 2024	2456-1207
	अर्हन्नये कायोत्सर्गः	शोधप्रभा, जनवरी-दिसम्बर, 2024 (संयुक्तांक)	0974-8946

	अद्दर्शने अनेकान्तस्याद्वदौ	भारतीयदर्शनेषु वादविमर्शः, 2024	978-81-972035-6-5
प्रो. बिष्णुपद महापात्र	न्यायशास्त्रदिशा छलतत्त्वविमर्शः	शोधप्रभा (Sodhaprabh) A Referred & Peer Review Quarterly Research Journal (April-June, 2025)	0974-8946
	वीरशैवसिद्धान्तविमर्शः	प्रज्ञा (prajñā) Peer Review Research Journal (2024-2025)	2249-8729
	न्यायवैशेषिकनये परमाणुतत्त्व-विमर्शः	मनीषा (maṇīṣā) A Research Journal of Sanskrit (2024)	2583-2271
	न्यायवैशेषिकनये अवयविसद्भावे प्रमाणप्रदर्शनम्	शिक्षाप्रियदर्शिनी (Shiksha Priyadarshini) A International Peer& Reviewed Multi Lingual Half Yearly Research Journal (Jan-June, 2025)	2454-1230
प्रो. महानन्द झा	दार्शनिकप्रस्थाने मोक्षः	शिक्षायतनम् संस्कृत संस्कृति-विकाससंस्थानम्	978-93-48-433
	दार्शनिकप्रस्थाने द्वारमतत्त्वम्	शोधप्रभा	0974-8946
	आस्तिकदर्शनानामेकवाक्यत्वम्	श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. शिक्षाप्रियदर्शिनी	24541230
प्रो. मार्कण्डेयनाथ तिवारी	काव्यविधासु सांख्ययोगदर्शनम्	शब्दार्णव An International Peer Reiveiwed Refereed Journal of Multidisciplinary Research	2395-5104
डॉ. विजय गुप्ता	संस्कृत और प्राकृत भाषा का स्वरूप एवं उनका अन्तःसम्बन्ध	संस्कृतरत्नाकरः (सितम्बर, 2024)	2395-3055
	आयुर्वेदे अन्तःकरणविषयक-चिन्तनम्	शोधप्रभा (संयुक्ताङ्क, 2024)	0974-8946
	साङ्ख्यायुर्वेदयोरन्तःसम्बन्धः	भारत की विद्या परम्परा अतीत से वर्तमान तक (वर्ष 2025)	978-93-6729-521-2
	भारतीयदर्शनेषु वादविमर्शः	पुस्तक	978-81-972035-6-5
	कुम्भकथा : तत्त्वज्ञान एवं माहात्म्य	पुस्तक	978-93-342-2459-7

प्रो. ए.एस. आरावमुदन्	1. पूर्वोत्तर-मीमांसयो: भूमिका	शोधप्रभा, श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय, 2024	0974-8946
	2. भारतीयादर्शनेषु वादविमर्श: (सम्पादक:)	शोधप्रकाशनविभाग, श्री ला.ब.शा. रा.सं.विश्वविद्यालय, 2024	978-81-972035-6-5
डॉ. रमेश कुमार	योगवासिष्ठ में योग का स्वरूप	पुस्तक नाम-महर्षि वाल्मीकि का जीवन दर्शन (योगवाशिष्ठ के संदर्भ में) प्रकाशक:-शोध एवं प्रशासन विभाग, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल हरियाणा	978-81-957336-7-5
	योग का इतिहास	पुस्तक का नाम-संस्कृतिक पुनर्निर्माण और ऋषि परंपरा प्रकाशक:-शिवालिक प्रकाशक अंसारी रोड दरयागंज दिल्ली	978-81-961002-6-1
	योगवासिष्ठ में मनस तत्व	International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)	2320-8708
	मनुष्य के नैतिक मूल्यों में श्रीमद् भागवत गीता की उपयोगिता	पुस्तक नाम-आधुनिक परिपेक्ष में श्रीमद् भागवत गीता की प्रासंगिकता, डीएवी शताब्दी महाविद्यालय एच.एन. 3, एनआईटी फरीदाबाद द्वारा प्रकाशित बुक्सक्लिनिक पब्लिशिंग, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत वेबसाइट: www.booksclinic.com	978-93-5823-860-0
	वैदिक संस्कार	International Journal of All Research Education & Scientific Methods, An ISO Certified Peer-Reviewed Journal	2455-6211
डॉ. विजय सिंह गुसाई	विकलांग व्यक्तियों के मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों पर मंत्र योग का प्रभाव : एक संक्षिप्त समीक्षा	भारतीय योग व्यायाम एवं खेल विज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा जर्नल, खंड : 9, अंक : 2, 2024 (DOI: https://doi.org/10.58914/ijyesspe.2024-9.2.6)	पी-आईएसएसएन: 0975-265X
	योग को समझने के तरीके	भारतीय प्राचीन चिकित्सा और योग जर्नल, खंड 17, संख्या 3, सितंबर, 2024. DOI: https://dx.doi.org/10.1088/ijamy.0974.6986.17324.3.	P-0974-6986 और E-ISSN 0974-6994 है

	स्वच्छता और स्वास्थ्य: प्राचीन पद्धतियाँ और आधुनिक दृष्टिकोण	भारतीय प्राचीन चिकित्सा एवं योग जर्नल, खंड 17 अंक 4, अक्टूबर - दिसंबर 2024, (DOI: https://dx.doi.org/10.21088/ijamy-0974-6986-17424-4)	P-0974-6986 और E-ISSN 0974-6994
	आनंद को अपनाना: दिल्ली, भारत के विशेष अनाथ बच्चों के बीच हास्य योग के माध्यम से मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को संबोधित करने में एक व्यावहारिक प्रतिमान परिवर्तन	जर्नल ऑफ नियोनेटल सर्जरी खंड 14, अंक 22 (2025) https://www.jneonatalsurg.com	आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2226-0439
डॉ. नवदीप जोशी	'योग पर त्वरित नोट्स, योग इतिहास के मूल सिद्धांत और योग के विभिन्न स्कूल'	फ्रेंड्स पब्लिकेशन्स (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-946-0, पृष्ठ-158
	'योग पर त्वरित नोट्स, योग ग्रंथ-I, उपनिषदों के सिद्धांत, भगवद गीता, और योग वशिष्ठ'	फ्रेंड्स पब्लिकेशन्स (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.	आईएसबीएन-978-93-5978-639-1, पृष्ठ-312
	'योग पर त्वरित नोट्स, योग ग्रंथ-II, योग उपनिषद'	फ्रेंड्स पब्लिकेशन्स (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.	आईएसबीएन-978-93-5978-362-8, पृष्ठ-214
	'योग पर त्वरित नोट्स, पतंजलि योग सूत्र'	फ्रेंड्स पब्लिकेशन्स (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002.	आईएसबीएन-978-93-5978-225-6, पृष्ठ-242
	'योग पर त्वरित नोट्स, हठ योग ग्रंथ'	फ्रेंड्स पब्लिकेशंस (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-798-5, पृष्ठ-202.
	'योग, संबद्ध विज्ञान - सामान्य मनोविज्ञान, मानव जीव विज्ञान, आहार और पोषण पर त्वरित नोट्स'	फ्रेंड्स पब्लिकेशंस (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-518-9, पृष्ठ-520.

	'योग, योग और स्वास्थ्य पर त्वरित नोट्स'	फ्रेंड्स पब्लिकेशंस (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-404-5, पृष्ठ-126
	'योग पर त्वरित नोट्स, चिकित्सीय योग'	फ्रेंड्स पब्लिकेशंस (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-688-9, पृष्ठ-132
	'योग पर त्वरित नोट्स, योग के अनुप्रयोग'	फ्रेंड्स पब्लिकेशंस (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-237-9, पृष्ठ-162
	'योग, व्यावहारिक योग पर त्वरित नोट्स-षट्कर्म, आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, ध्यान और सूर्यनमस्कार'	फ्रेंड्स पब्लिकेशंस (इंडिया), 101, 4787/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	आईएसबीएन-978-93-5978-919-4, पृष्ठ-252

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	महर्षि अगस्त्य महोत्सव	07.02.2025
2.	सांख्य योग	योग और करियर (विशिष्ट व्याख्यान) तीन मिनट का योग (विशिष्ट व्याख्यान) क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन-2025 (विशिष्ट व्याख्यान) शोध के विभिन्न आयाम (विशष्ट व्याख्यान)	19.09.2024 25-11-2024 22-24.02.2025 27-28.02.2025
3.	सर्वदर्शन विभाग	राष्ट्रीयसङ्गोष्ठी (एकदिवसीया) - आदिशङ्कराचार्याणां वैज्ञानिकी दृष्टि: राष्ट्रीयसङ्गोष्ठी (द्विदिवसीया) - अभिनवभरत आचार्य सीताराम चतुर्वेदी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व बौद्धतर्कभाषा विषयकसप्तदिवसीया राष्ट्रियस्वाध्यायकार्यशाला	 26.07.2024 17 - 18.02.2025 16 - 22.12.2024
4.	मीमांसा विभाग	श्रीपट्टाभिरामशास्त्रिस्मारक-व्याख्यानमाला महर्षि अगस्त्य महोत्सव-2025	25.03.2025
5.	योग विज्ञान विभाग	ओजस नेचर क्योर, एम.के.एस. हॉस्पिटल, गुलाबी में एम.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दस दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम/शिविर का आयोजन, बाग, नई दिल्ली।	02-11.04.2024

परियोजना कार्य के एक भाग के रूप में एम.ए. योग (द्वितीय वर्ष) और योग में पी.जी. डिप्लोमा के छात्रों द्वारा पंद्रह दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर, जो छात्रों द्वारा, नई दिल्ली के, विभिन्न संस्थानों, समाजों, सार्वजनिक पार्कों, अस्पतालों, एन.जी.ओ. और स्कूलों, योग केंद्रों, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है।	16-30.04.2024
महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती के अवसर पर आठ दिवसीय राष्ट्रीय योग शिविर एवं राष्ट्रीय कार्यशाला तथा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय योग सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से किया गया।	23-30.04.2024
10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस। इस दिवस को 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम के तहत मनाया गया और इसका उद्देश्य योग के व्यक्तिगत और सामूहिक लाभों पर प्रकाश डालना था।	21.06.2024
हमारे विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग के सहयोग से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर 10 सितंबर 2024 को डॉ. विजय सिंह गुसाईं द्वारा "आत्महत्या रोकथाम" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया गया।	10.09.2024
'योग और करियर' शीर्षक पर, डॉ. सोमवीर आर्य, निदेशक, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय दूतावास, सूरीनाम, दक्षिण अमेरिका, द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया।	19.09.2024
"सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य" विषय पर 2 दिवसीय सेमिनार और कार्यशाला।	30.09.2024-01.10.2024
नेहरू युवा केंद्र जिला, खेल मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त सहयोग से, एक दिवसीय राज्य स्तरीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।	28.10.2024
"तीन मिनट का योग" विषय पर, मानव मंदिर मिशन ट्रस्ट, रिंग रोड, सराय कालेखां नई दिल्ली के योगाचार्य श्री अरुण योगी जी महाराज द्वारा, एक विशेष व्याख्यान एवं कार्यशाला संचालित की गयी।	25.11.2024

प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे, कुलपति, श्री कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपरा में योग शिक्षा' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।	27.11.2024
प्रथम "विश्व ध्यान दिवस" का आयोजन श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा किया गया था।	21.12.2024
श्री बाल मकुंद (विश्व प्रसिद्ध योग गुरु और योग आसन के विश्व चौंपियन) पूर्व योग शिक्षक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, दिल्ली द्वारा 'योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान और प्रदर्शन प्रस्तुत किया।	28.01.2025
प्रो. जय प्रकाश नारायण त्रिपाठी द्वारा "योग में आत्म-संयम" शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया।	04.02.2025
श्री संकीर्तन ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के सहयोग से प्रयाग महाकुंभ 2025 के अवसर पर दो दिवसीय "योग जागरूकता अभियान" का आयोजन किया गया।	11-12.02.2025
प्रो. हरि प्रसाद अधिकारी, आचार्य, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश द्वारा "अनुसंधान के विभिन्न आयाम" शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।	17.02.2025
क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, 2025, श्री व्यास संस्कृत महाविद्यालय, रघुनाथपुरम, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में सांख्य योग और योग विज्ञान की उपयोगिता' शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान और योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।	22-24.02.2025
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल योग अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. सत्यानंद द्वारा 'अनुसंधान के विभिन्न आयाम' शीर्षक से विशेष व्याख्यान दिया गया।	27-28.02.2025

III. साहित्य और संस्कृति पीठ तथा सम्बंधित विभाग

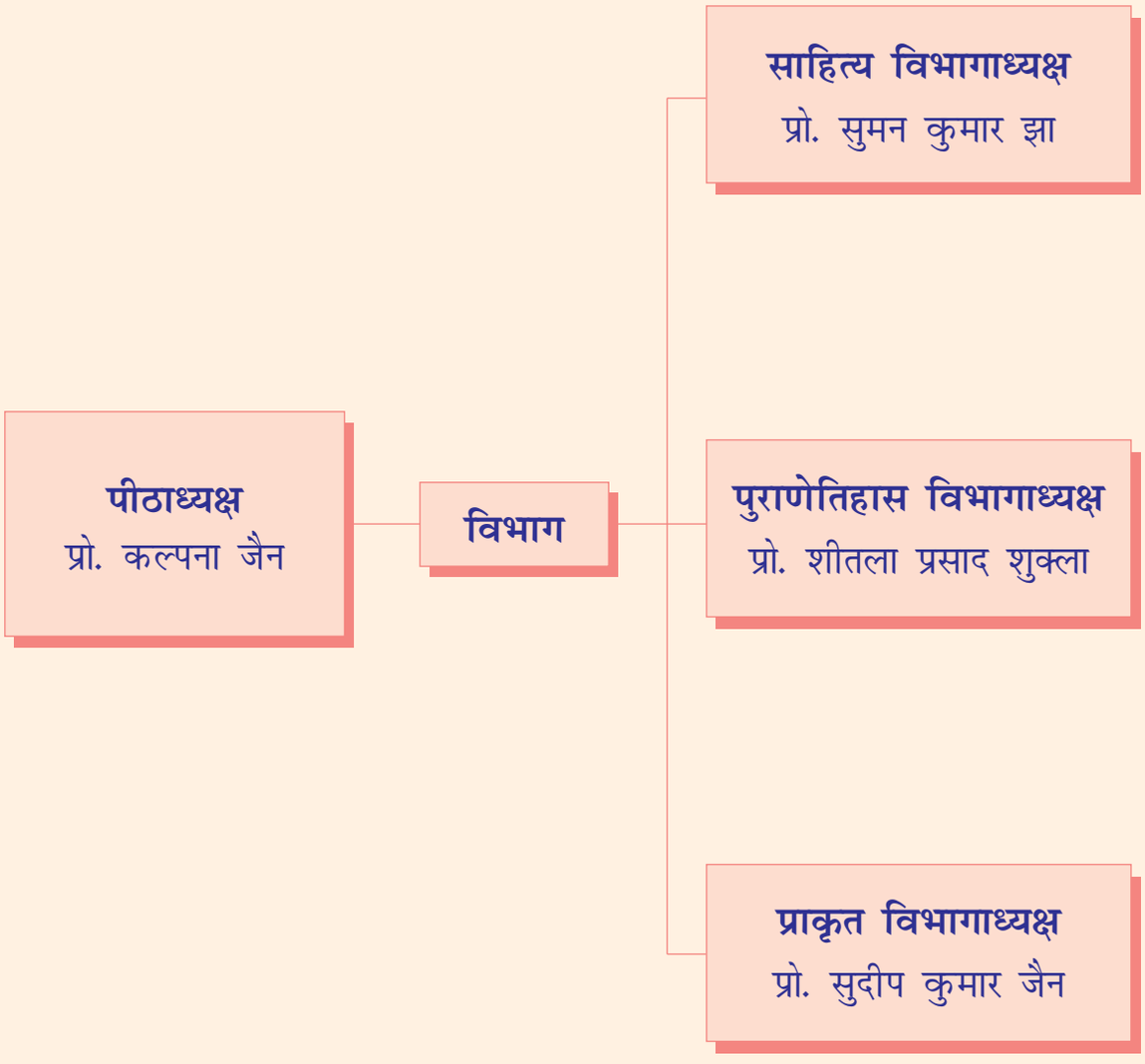

क. पीठ के विषय में

विश्वविद्यालय के सबसे पुराने पीठों में से एक के रूप में, साहित्य और संस्कृति पीठ विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से आधारशिला रहा है। साहित्य, पुराण, इतिहास और प्राकृत में पाठ्यक्रम प्रदान करने वाला यह पीठ पारंपरिक भारतीय ज्ञान का पथप्रदर्शक है। विशेष रूप से, इसमें पुराणों में विशेषज्ञता प्रस्तुत की गई है, और इसमें भारतीय परंपराओं, सामाजिक प्रणालियों और भूगोल में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की जाती है। पीठ के पुराण-आधारित शोध का भारतीय पर्यटन, चिकित्सा, भोजन, कथा परंपराओं और व्यवहार पैटर्न जैसे विषयों पर दूरगामी प्रभाव है, जिसमें वैश्विक रुचि के प्रति आकर्षण बनता है। ये पुराण विविध ज्ञान के संग्रह के रूप में कार्य करते हुए छात्रों को समृद्ध भारतीय कथा परंपरा से परिचित कराने, बहु-विषयक अनुसंधान के अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संकाय सदस्य शास्त्र संबंधी क्षेत्रों में अनुसंधान का पर्यवेक्षण करते हैं और पीठ द्वारा पूरे वर्ष कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और युवा उत्सवों का आयोजन किया जाता है।

ख. उद्देश्य

साहित्य और संस्कृति विद्यालय संस्कृत साहित्य को विद्यार्थियों के लिए अपनी संस्कृति को जानने और समझने का प्रवेश द्वार बनाने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य आधुनिक समाज को प्राचीन भारतीय संस्कृति की समृद्धि से परिचित कराना है। पीठ का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य की व्यापक समझ प्रदान करना है, जिसमें साहित्य पुराण, इतिहास और प्राकृत भाषा पर पाठ्यक्रम शामिल हैं।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र	1.	संस्कृत साहित्य में भारत और भारतीय संस्कृति।
	2.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में संस्कृत साहित्य का महत्व।
	3.	भारतीय संस्कृति में संस्कृत साहित्य का योगदान।
	4.	संस्कृत साहित्य का इतिहास।
	5.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में पुराणों और इतिहास ग्रंथों का महत्व।
	6.	पुराणों और इतिहास ग्रंथों में विश्व कल्याण।
	7.	गीता में स्व प्रबंधन और विज्ञान।
	8.	कौटिल्य, शुक्राचार्य एवं बृहस्पति पाठों का अध्ययन
	9.	वेदों में प्राकृत के शब्दों की बहुलता।
	10.	प्राकृत साहित्य में जीवन मूल्य।
	11.	आधुनिक समस्याओं के संबंध में राजनीतिक विचार
	12.	प्राकृत और अपभ्रंश अप्रकाशित पांडुलिपियों का संरक्षण और संपादन।
विशेषतायें	•	बृहत त्रयीकोष योजना।
	•	नेट/जे.आर.एफ. के लिए अतिरिक्त कक्षाएं।

ग. संकाय सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1.	साहित्य	आचार्य	05
		सहायक आचार्य	00
		सहायक आचार्य	03
2.	पुराणेतिहास	आचार्य	01
3.	प्राकृत	आचार्य	02
		सहायक आचार्य	01

घ. शोध मार्गदर्शन का विवरण

क्र.सं	शोधनिर्देशक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. मुरली मनोहर पाठक	साहित्य	1
2.	प्रो. भागीरथि नन्द	साहित्य	1
3.	प्रो. सुमन कुमार झा	साहित्य	1
4.	प्रो. धर्मानन्द राउत	साहित्य	1
5.	डॉ. सौरभ दुबे	साहित्य	1
6.	डॉ. विकास चौधरी	साहित्य	1
		कुल	**06**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	स्नातक	40	6	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	2	42	10	52
2	स्नातकोत्तर	18	8	0	2	0	0	0	0	2	1	0	0	0	0	20	11	31
3	विद्यावारिधि	9	10	4	2	0	1	1	0	5	6	0	0	5	5	24	24	48
कुल		67	24	5	5	0	1	1	0	8	8	0	0	5	7	86	45	131

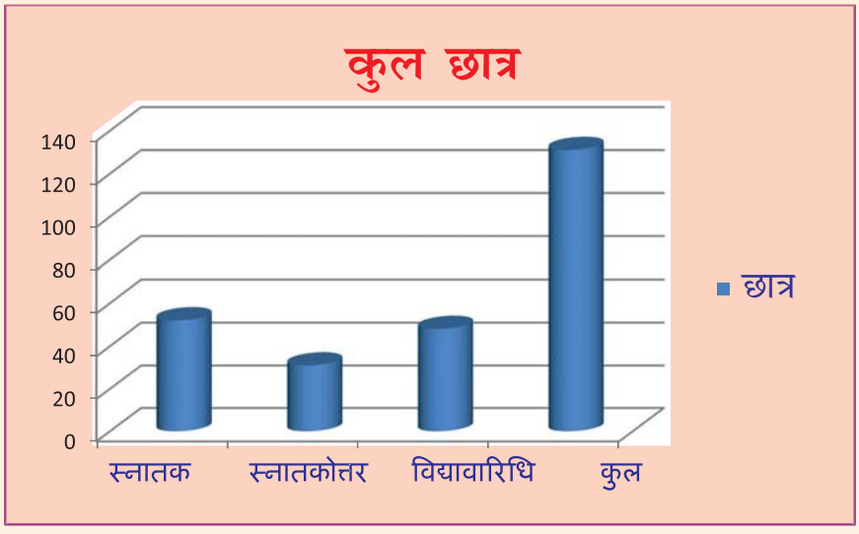

च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल/पीयर रिव्यूइंग/ संपादित वॉल्यूम/प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/ पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. शुकदेव भोई	कालिदास के रूपकों में छन्दविधान	नाट्यम्, कालिदास विशेषांक, पीयर रिव्यूइंग जर्नल	2229-5550
	शिशुपालवध : एक परिशीलन 2024	ग्रन्थ सम्पादन, शोध-प्रकाशन विभाग, श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय	978-81-972035-7-2
प्रो. सुमन कुमार झा	कालिदासकृतिषु संस्कारनिरूपणम्	संस्कृतमंजरी, शोध-जर्नल	2278-8360
	साहित्यशास्त्रे रसवदाद्यलंकार-विमर्श:	हरिप्रभा, शोध-जर्नल	2278-0416
	श्रृंगारप्रकाशमाश्रित्य शब्दार्थ-संबन्धविमर्श:	श्यामला, शोध-जर्नल	2456-6853
डॉ. अनमोल शर्मा	संकृत साहित्य में राष्ट्रबोध	जयराम सन्देश, पीयर रिव्यूइंग जर्नल	0975-8739
	उत्तररामायणमहाकव्यस्य कथावस्तुविमर्ष:	संस्कृत-रत्नाकर:, पीयर रिव्यूइंग जर्नल	2395-3055
	ध्वनिसिद्धान्तमूलम्	ग्रन्थ	9788197203541
प्रो. सुदीप कुमार जैन	काव्य प्रसूनाञ्जलि भाग-2	ग्रन्थ, प्रकाशक-महावीर परमार्थ फाउंडेशन, नई दिल्ली, वर्ष 2025	978-93-5636-531-5

	नैतिकता के आदर्श	ग्रन्थ, प्रकाशक-महावीर परमार्थ फाउंडेशन, नई दिल्ली, 2025	93-342-1107-8
प्रो. कल्पना जैन	भावणसारो में वर्णित बारह भावनाओं का वैशिष्ट्य, पृ.सं. 62-69	प्राकृताचार्य सुनील सागर का प्राकृत साहित्य को योगदान, प्राच्य विद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान, जयपुर, 2024	978-81-955706-8-3
डॉ. विकास चौधरी	जनभाषा प्राकृत : दशा और दिशा, पृ.सं. 41-46	सन्मति, कोल्हापुर, मासिक शोध पत्रिका, 3-4 अक्टूबर-नवंबर, 2024	2395-5503
	प्राकृतभाषा का विकास एक अवलोकन	'विमर्श', शोधपत्रिका, वर्ष 18, अंक 18, सितम्बर 2024, में पृष्ठ-संख्या 127-136 तक	0976-0849
	प्राकृत वाङ्मय में स्त्री शिक्षा : एक विवेचन	'श्रमण', त्रैमाषिक शोधपत्रिका Vol- LXXVII, अंक 1, जनवरी-मार्च 2025, पृष्ठ-संख्या 20-24	0972-1002

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	साहित्य	"आधुनिक साहित्य एवं साहित्यशास्त्र में शोध के नवीन आयाम" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान	12.04.2024
		श्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला "पञ्चमी साहित्यविद्या" इति यायावरीयः	24.02.2025
	प्राकृत भाषा	दस दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत व्याकरण कार्यशाला	20-29.01.2025
		भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	18-20 मार्च, 2025
		आचार्य कुन्दकुन्द स्मृति एवं आचार्य विद्यानन्द स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया	03 मार्च, 2025
		विशिष्ट व्याख्यान "संस्कृतपालिप्राकृतभाषापरिप्रेक्ष्यसनातन-संस्कृतेः संरक्षणोपायाः	21.08.2024

IV. आधुनिक विषय पीठ एवं सम्बंधित विभाग

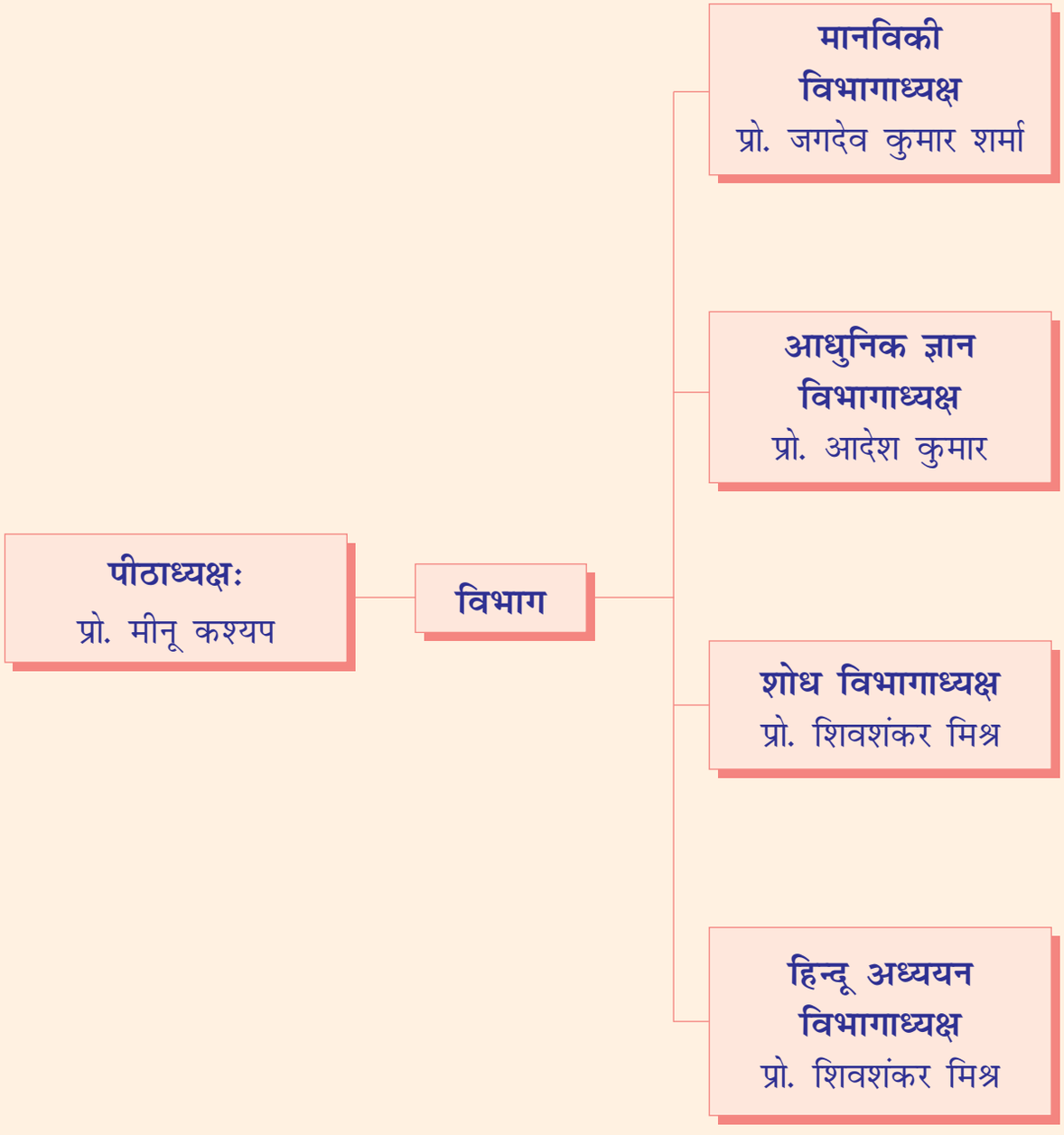

क. पीठ के विषय में

इस विभाग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और उन्हें विकसित आधुनिक तकनीक के लिए तैयार करना है। आधुनिक विद्या संकाय शोध छात्रों को शोध पद्धति, साहित्य की समीक्षा के क्षेत्र में छह महीने के अनिवार्य प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान कर रहा है और यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार उच्च शोध के क्षेत्र में प्रकाश प्रदान कर रहा है। इन पारंपरिक विषयों के अलावा, आधुनिक विद्या संकाय के अंतर्गत हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और कंप्यूटर अनुप्रयोग, पर्यावरण विज्ञान और मानवाधिकार जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाते हैं।

ख. लक्ष्य

आधुनिक विषय पीठ का उद्देश्य छात्रों में एक आयामी नहीं बल्कि सर्वांगीण विकास करना तथा छात्रों में विभिन्न विषयों में शोध पद्धति संबंधी क्षमताएं पैदा करना है। इससे न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, बल्कि छात्रों में मानवीय मूल्यों का भी विकास होता है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. कंप्यूटर और पाणिनी व्याकरण।
2. वेदों में पर्यावरण।
3. भाषाविज्ञान।
4. भारतीय संस्कृति और संस्कृत वांगमय।
5. आधुनिक विज्ञान और संस्कृत।
6. मानव अधिकार और मानव मूल्य संस्कृत वांगमय में।
7. संस्कृत साहित्य में राजनीतिक विचार।
8. संस्कृत वांगमय में पर्यावरण शिक्षा।

विशेषतायें

- छात्रों को नवाचार के लिए कंप्यूटर और पर्यावरण राजनीति आदि का ज्ञान दिया जाता है ताकि छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपना विकास कर सकें।

ग. पीठ का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1.	मानविकी	आचार्य	02
		सह-आचार्य	01
		सहायक-आचार्य	02
2.	आधुनिक ज्ञान	सह-आचार्य	01
		सहायक-आचार्य	02
3.	शोध	आचार्य	01
4.	हिन्दू अध्ययन	-	00

घ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुल योग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	एम.ए. हिन्दू अध्ययन	9	11	2	0	0	0	0	0	4	1	0	0	0	0	15	12	27
2	एम.ए. हिंदी	10	12	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3	1	14	13	27
3	एम.ए. अंग्रेजी	5	10	1	1	0	0	0	0	2	0	0	0	1	1	9	12	21
4	एम.ए. समाजशास्त्र	7	4	3	2	0	0	0	0	5	5	0	0	6	0	21	11	32
5	विद्यावारिधि	4	1	2	3	0	0	0	0	2	1	0	0	4	1	12	6	18
	कुल	35	38	8	6	0	0	0	0	14	7	0	0	14	3	71	54	125

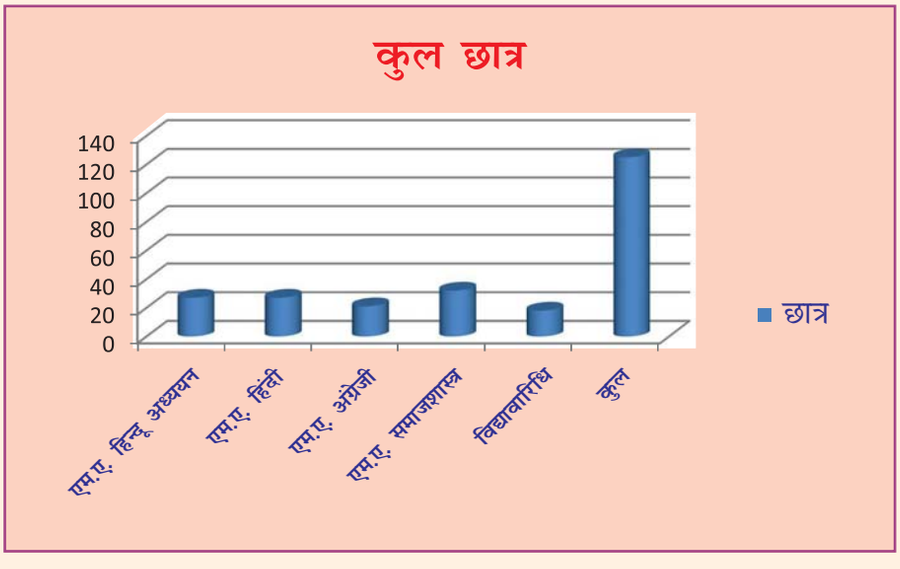

ङ. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/ प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. शिवशंकर मिश्र	न्यायशास्त्रीयशोधप्रविधिः	शोधप्रभा (उत्कर्ष-विशेषांक, 2024) UGC CARE Listed	0974-8946

च. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
शोध	सप्तदिवसीय लिपिविज्ञान-पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला	21-27.02.2025
	श्री आदित्यनाथ झा स्मृति व्याख्यानमाला	28.02.2025
आधुनिक ज्ञान	संस्कृत सप्ताह महोत्सव	19.08.2024
	राष्ट्रीय संगोष्ठी "अभिनव भारत आचार्य पण्डित सीताराम चतुर्वेदी व्यक्तित्व एवं कृतित्व"	17-18.02.2025
	आचार्य सीताराम चतुर्वेदी स्मारक व्याख्यान माला	19.02.2025
	भारतीयज्ञानपरम्परा राष्ट्रीयशिक्षानीतिश्च	18-20.03.2025
हिन्दू अध्ययन विभाग	"भारतीय ज्ञान परम्परा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	19.03.2025

V. शिक्षा पीठ एवं सम्बंधित विभाग

पीठाध्यक्ष
प्रो. रचना वर्मा मोहन

विभाग

शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष
प्रो. रचना वर्मा मोहन

क. पीठ के विषय में

वर्ष 1987 में स्थापित, शिक्षा पीठ आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय सदस्यों के माध्यम से निष्ठा से संचालित होता है, जो विश्वविद्यालय के अंदर एक नोडल संकाय है। योग्यता, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित मिशन के साथ, पीठ विद्या वारिधि (पीएच.डी. कार्यक्रमों) के माध्यम से संस्कृत भाषा के शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों को तैयार करने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में खड़ा है। वैश्वीकरण, आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी समर्थित शैक्षिक पहल के लक्ष्यों के अनुरूप, पीठ द्वारा संस्कृत भाषा शिक्षण में दक्षता विकसित करने के लिए विविध प्रकार के कार्यक्रम पेश किया जाता है। यहां शिक्षा में बी.एड., एम.एड. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित किया जाता है, जिन्हें क्रमशः शिक्षा शास्त्री, शिक्षा आचार्य और विद्यावारिधि के नाम से जाना जाता है।

ख. लक्ष्य

इस शिक्षा पीठ का उद्देश्य समकालीन शिक्षण सामग्री और पद्धतियों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देकर भविष्य में आने वाले शिक्षकों को शिक्षित करना है। इसके परिणाम स्वरूप संभावित सामाजिक चुनौतियों को समाप्त करने के लिए समाज में शिक्षा की प्रगति की परिकल्पना की गई है।

अनुसन्धान के संभावित क्षेत्र

1. शिक्षा की दार्शनिक नींव।
2. शिक्षा के सामाजिक आधार।
3. शिक्षा का मनोविज्ञान।
4. शिक्षा तकनीक।
5. मापन एवं मूल्यांकन।
6. विद्यार्थी-अनुकूल शिक्षाशास्त्र

विशेषतायें

- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पीएम एमएमएनएमटीटी योजना के तहत टीएलसी टीचिंग लर्निंग सेंटर

- संसाधन कक्ष
- भाषा की प्रयोगशालाएं
- मनोविज्ञान प्रयोगशाला
- विभागीय पुस्तकालय
- शिक्षा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

ग. संकाय सदस्यों का विवरण

क्र.सं.	विभाग	पद	प्राध्यापकों की संख्या
1.	शिक्षा	आचार्य	05
		सह-आचार्य	01
		सहायक आचार्य	22

घ. शोध दिशानिर्देश विवरण

क्र.सं.	शोध निर्देशक का नाम	शोध विषय	शोध छात्रों की संख्या
1.	प्रो. एम. जयकृष्णन	शिक्षा	2
2.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	शिक्षा	1
3.	प्रो. मीनाक्षी मिश्रा	शिक्षा	1
4.	डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार	शिक्षा	1
5.	डॉ. इक्कुर्ति वेंकटेश्वरलु	शिक्षा	1
		कुल	**06**

ङ. नामांकित छात्रों का विवरण (श्रेणी वार)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य		अनु. जाति		अनु.जन जाति		विकलांग		पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग		कुल		कुलयोग
		पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	पु	स्त्री.	पु.	स्त्री	पु.	स्त्री	
1	शिक्षाशास्त्री	69	66	17	44	8	17	2	0	37	79	0	0	37	11	170	217	387
2	शिक्षाचार्य	8	4	0	1	0	1	0	0	2	0	0	0	4	1	14	7	21
3	विद्यावारिधि	18	6	2	0	1	0	0	0	3	2	0	0	7	4	31	12	43
	कुल	95	76	19	45	9	18	2	0	42	81	0	0	48	16	215	236	451

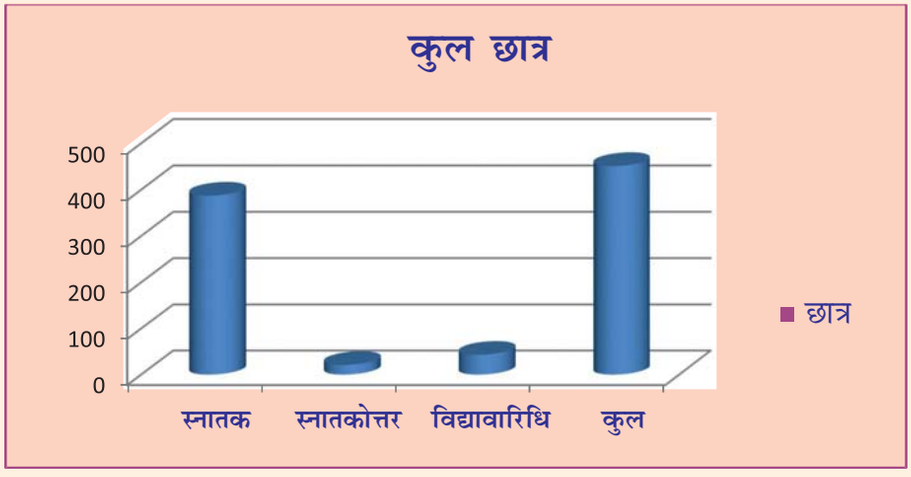

च. संकाय के अनुसंधान प्रकाशन

लेखक का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	जर्नल का शीर्षक/पीयर रिव्यूइंग/संपादित वॉल्यूम/ प्रकाशित पुस्तकों/कार्यवाही में अध्याय/पेपर्स का शीर्षक	आईएसबीएन संख्या
प्रो. रचना वर्मा मोहन	तनाव प्रबन्धने योगस्य उपयोगिता	स्वामी विवेकानंद एडवांस्ड जर्नल फॉर रिसर्च एंड स्टडीज, अंक 3 इशू 2 जनवरी-जून, 2025	2584-105X
	कंस्ट्रक्टिविस्ट अप्रोच फॉर टीचिंग स्टूडेंट्स विद डाइवर्सिटी	21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्धन, जुलाई, 2024 (संगोष्ठी कार्यवृत्त में प्रकाशित)	978-81-972035-9-6
प्रो. के. भरत भूषण	सांवेगिकबुद्धिर्मौनोपवेशनञ्च	शोधप्रभा-यू.जी.सी. केयर लिस्ट, जनवरी-दिसम्बर, 2024	0974-8946
	हुग्ली-नगरस्य स्नातक-स्तरीयाणाम् अनुसूचितजाति-विद्यार्थिनां सामाजिक-आर्थिकस्तरीयो: शैक्षिक-आकांक्षाणां सम्बन्धस्य अध्ययनम्।	वेदांजलि-इम्पेक्ट फेक्टर-7.550, अन्तराष्ट्रिय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित बहुविषयक शोध पत्रिका, जुलाई-दिसम्बर, 2024	2349-364X
	समसामायिकसन्दर्भे प्राचीन-व्यावसायिकशिक्षा	शिक्षा प्रियदर्शिनी-अन्तराष्ट्रिय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित बहुभाषी षाण्मासिक शोधपत्रिका (जुलाई-दिसम्बर, 2024)	2454-1230

	उपासनायां मनोवैज्ञानिकत्वम्	शोधमीमांसा-इम्पेक्ट फेक्टर-7.375, अन्तराष्ट्रिय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित (बहुभाषा) शोध पत्रिका, जनवरी-मार्च, 2025	3448-4624
	शिक्षक-प्रशिक्षणार्थिनाम् अधिगमशैली कक्षाप्रबन्धन-क्षमताया: अध्ययनम्	वेदांजलि-इम्पेक्ट फेक्टर-7.550, अन्तराष्ट्रिय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित बहुविषयक शोध पत्रिका, जुलाई-दिसम्बर, 2024	2349-364X
	एडुकेशन फार द अपवार्डनेस आफ सोसियल मोबिलिटि एण्ड मोडर्नाइजेशन	शिक्षा प्रियदर्शिनी-अन्तराष्ट्रिय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित बहुभाषी षाण्मासिक शोधपत्रिका (जनवरी-जून, 2025)	2454-1230
	आध्यात्मिकचिन्तने समाजवाद:	शोधशौर्यम्-अन्तराष्ट्रिय समकक्ष समीक्षित वैज्ञानिक शोधपत्रिका, मार्च-अप्रैल, 2025 (आनलाइन)	25-81-6306
	स्टुडेन्ट-टीचर एसपिरेषन लेवल अण्ड क्लासरूम मेनेजमेण्ट कम्पिटेन्सी आफ-बी.एड्. लेवल - ए स्टडी	शोधमीमांसा-इम्पेक्ट फेक्टर-7.375, अन्तराष्ट्रिय समकक्ष व्यक्ति समीक्षित (बहुभाषा) शोध पत्रिका (जनवरी-मार्च, 2025)	3448-4624
	शिक्षाप्रशिक्षार्थियों का आकांक्षाशास्त्र अधिगमशैली का अध्ययन	शिक्षा प्रियदर्शिनी-एक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित बहुभाषी वैज्ञानिक अर्धवार्षिक शोध पत्रिका, जनवरी-जून, 2025	2454-1230
प्रो. एम. जयकृष्णन्	Octad on An inquiry into the Real Nature- An overview	अनुकृति (समीक्षित पत्रिका), अंक 15/02, फरवरी, 2025	2250-1193
	The Upadesha Panchaka: An overview	शोधदृष्टि (समीक्षित पत्रिका), अंक 16/03, मार्च, 2025	0976-6650
प्रो. मीनाक्षी मिश्र	Quality Assessment in Education for 21st Century	21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्धन, जुलाई, 2024 (संगोष्ठी कार्यवृत्त में प्रकाशित)	978-81-972035-9-6
डॉ. मनोज कुमार मीना	राष्ट्रीय शिक्षानीति (2020) के परिप्रेक्ष्य में स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा	वेद विपाशा (बहुभाषा), समीक्षित वार्षिक शोध पत्रिका	2348-7828
डॉ. सविता राय	बदलते सामाजिक सन्दर्भ : जेंडर जागरूकता एवं शिक्षा	सामाजिक परिवर्तन और शिक्षा	978-81-979932-5-1

	स्त्री शिक्षा एवं सशक्तीकरण की प्रणेता : सावित्रीबाई फूले	भारतीय शिक्षा और आचार्य परम्परा	978-81-979932-6-8
	जेंडर संवेदीकरण द्वारा समावेशी समाज का निर्माण	साहित्यालोक	2705-4810
डॉ. सुरेन्द्र महतो	भारतीय वाङ्मय में संवादविधि	संस्कृत संवाद	2321-4937
	भारतीय विद्यालयीय संरचना एन.ई.पी.- 2020	राष्ट्री	2321-6948
	शिक्षणाधिगमस्य भारतीयपम्परा	जम्बूद्वीप	2583-6331
	एनहान्सिंग लैंग्वेज लर्निंग इन स्कूल एजुकेशन थ्रू इन एलाइनमेन्ट विद एन.सी.एफ-2023	संस्कृत मंजरी, दिल्ली संस्कृत अकादमी (वर्ष-22/4)	2278-8360
	शिक्षणाधिगमस्य भारतीयपरम्परा	शोधप्रभा (UGC CARE Listed)	0974-8946
	मिथिलाक लोकगीत आ जनजीवन	पुस्तक संपादन, अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन, दिल्ली- 07	978-93-93671-77-6
डॉ. प्रेम सिंह सिकरवार	महाकविभासस्य नाटकेषु प्रतिनायकानां चरित्रचित्रणम्	शिक्षायतनम्, संस्कृतसंस्कृतिसंस्थान-न्यासः, गोवर्धनम्	978-9348433-84-8
	शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु गुणवत्ता संवर्धन के उपाय	21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्धन	978-81-972035-9-6
डॉ. तमन्ना कौशल	भारतीयसमाजपरिप्रेक्ष्ये वर्तमानसामाजिक-प्राथमिकता	शोधशौर्यम, अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समीक्षित शोधपत्रिका	2581-6306
	विकसितभारतस्य सन्दर्भे छात्राणां समग्रविकासे व्यक्तित्वगुणानाम् आवश्यकता	वेदांजलि, अन्तर्राष्ट्रीय समीक्षित शोधपत्रिका	2349-364X
डॉ. पिंकी मलिक	माध्यमिकस्तरीयच्छात्रेषु सामाजिकसमायोजनसम्बन्धी-समस्याः परामर्शश्च	National Journal of Hindi and Sanskrit Research	2454-9177
	चेलैन्जेस इन द इफेक्टिव इम्प्लिमेन्टेटिव आफ वोकेशनल एण्ड स्किल	पेरिपेक्स-इण्डियन जर्नल आफ रिसर्च	2250-1991

	डेवलोपमेन्ट प्रोग्राम इन हरियाणा		
	कोड आफ कन्डक्ट एण्ड टिचिंग वेल्यूस फार 21वीं सेंचुरी टिचर्स	प्रोफेशनल डेवलोपमेन्ट आफ टिचर्स इन पर्सपेक्टिव्स आफ 21 सेंचुरी	978-81972035-9-6
डॉ. अजय कुमार	स्वामी विवेकानन्द	भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं विचारक (पुस्तक अध्याय)	978-81-982576-3-5
	राष्ट्रीय शिक्षा आयोग	शिक्षा एवं विरासत (पुस्तक अध्याय)	978-93-93403-27-8
	राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986	भारतीय शिक्षा का इतिहास (पुस्तक अध्याय)	978-93-91435-73-8
	मूल्य, अर्थ प्रकृति और प्रकार	मूल्य एवं शान्ति शिक्षा (पुस्तक अध्याय)	978-81-966420-2-0
	भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता : वर्तमान स्थिति, चुनौतियां एवं समाधान	21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक सम्वर्धन	978-819720339-6
	आधुनिकीकरण	भारतीय सामाजिक व्यवस्था (पुस्तक अध्याय)	978-93-93403-68-1
	शिक्षा और दर्शन का सम्बन्ध	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण (पुस्तक अध्याय)	978-93-93403-52-0
डॉ. शिवदत्त आर्य	उच्चमाध्यमिकस्तरीयशिक्षायां गुणवत्तावर्धने शिक्षकनेतृत्वस्य भूमिका	नेशनल जर्नल आफ हिन्दी एण्ड संस्कृत रिसर्च आनलाइन पियर रीव्यूड जर्नल	2454-9177
	उच्चमाध्यमिकस्तरीयशिक्षायां शिक्षणनवाचाराणां प्रयोग:	नेशनल जर्नल आफ हिन्दी एण्ड संस्कृत रिसर्च आनलाइन पियर रिव्यूड जर्नल	2454-9177
	अध्यापक शिक्षा में व्यावसायिक नैतिकता एवं आचार संहिता: 21वीं सदी के संदर्भ में	21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक सम्बर्धन शिक्षापीठ, श्री ला.ब.शा.रा.सं.वि.वि.	978-81-972035-9-6
	छात्राध्यापकों का शैक्षिक प्रद्योगिकी में अभिज्ञता स्तर का अध्ययन	ज्योतिर्मय (अन्तर्राष्ट्रीय समक्ष समीक्षित शोधपत्रिका (जनवरी-जून, 2024)	2454-6070
डॉ. आरती शर्मा	मूल्यशिक्षा एवं मूल्यपरक महाकाव्य रमायण	ज्ञानशौर्यम्, अन्तर्राष्ट्रीय समीक्षित शोधपत्रिका, मार्च-अप्रैल 2024, अंक 7/2, पृ.सं. 71-74	2582-0095

	शिक्षाक्षेत्रे ऐतिहासिकानु-सन्धानोप....	शिक्षाप्रियदर्शिनी, अन्तार्राष्ट्रीय शोधपत्रिका, संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान, जनवरी-जून, 2024, अंक 19	2454-4230
	भारतीयज्ञानपरम्परा के सन्दर्भ में शिल्पकला	शिक्षाप्रियदर्शिनी, जनवरी-जून, 2025	2454-1230
	21st Century Teaching Skills	संगोष्ठी कायवृत्त 21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक सम्बर्धन, 2024	978-81-972035-9-6
	प्रारम्भिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन और नेतृत्व	शोधशौर्यम्, सितम्बर-अक्टूबर, 2024	2581-63-06
	समावेशी कक्षा कक्ष शिक्षण की विधियाँ	ज्ञानशौर्यम्, जनवरी-फरवरी, 2025	2582-0095
डॉ. विचारी लाल मीना	अध्यापक शिक्षा में व्यावसायिक आचार संहिता	21 वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्धन	978-81-972035-9-6
	भारतीय ज्ञान परम्परा में नैतिक मूल्य	National Journal of Hindi and Sanskrit Research	2454-9177
डॉ. दिनेश कुमार यादव	योगदर्शने अभिहितशैक्षिक-तत्त्वानि	शोधशौर्यम्, अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोधपत्रिका	2581-6306
	भारतीयज्ञानपरम्परायां योगस्वरूपम्	शोधप्रभा, यू.जी.सी. केयर लिस्टेड शोधपत्रिका	0974-8946
डॉ. सुनील कुमार शर्मा	योगशास्त्रादृष्ट्या समाधेः स्वरूपनिर्धरणम्	ज्ञानशौर्यम्, अन्तार्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सन्दर्भ पत्रिका, अन्तर्जाल माध्यम से प्रकाशित	2582-0095
	दार्शनिकानुसन्धानोपागमः	शिक्षाप्रियदर्शिनी, अन्तार्राष्ट्रीय समकक्ष समीक्षिता बहुभाषी षाण्मासिक शोधपत्रिका, संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान, राजस्थान	2454-1230
	A Creativity Study connected to Intelligence and the School Environment	शिक्षायतनम् (रविशंकरगौरवम्), प्रकाशक-संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान न्यास, गोवर्धन, मथुरा	978-93-48433-84-8
	सम्पादक	शिक्षायतनम् (रविशंकरगौरवम्)	" "
	भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में भौतिक विज्ञान	ज्ञानशौर्यम्, अन्तार्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मूल्यांकित शोधपत्रिका (ऑनलाइन)	2582-0095
डॉ. कैलाश चन्द मीणा	भारतीयता के संचारक के रूप में पं. दीनदयाल उपाध्याय	एकात्म मानववाद के प्रणेता : पं. दीनदयाल उपाध्याय (पुस्तक अध्याय) पृष्ठ-26-28	978-93-91267-99-5

	राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा में मूल्य आधारित शिक्षा	ज्ञानशौर्यम्, इण्टरनेशनल साइंटिफिक रेफरीड रिसर्च जर्नल (आनलाइन)	2582-0095
	अध्यापक शिक्षक : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में	ज्ञानशौर्यम्, इण्टरनेशनल साइंटिफिक रेफरीड रिसर्च जर्नल (आनलाइन)	2582-0095
श्रीमती अनीता	समाकलीन भारतीय समस्याएँ एवं समाधान	जातिवाद: संकुचित मानसिकता की उपज (अध्याय)	978-81-979525-4-8
	हिंदी शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में स्व अध्ययन और ऑनलाइन संसाधनों की भूमिका	शोधशौर्यम, International Scientific Refereed Research Journal, Page-266-276	2581-6306
	सावित्रीबाईफूले	कालिन्दी पब्लिकेशन (भारतीय शिक्षा प्रणाली एवं विचारक)	978-81-982576-3-5
	जातिवाद : संकुचित मानसिकता की उपज	समकालीन भारतीय समस्या एवं समाधान	978-81-979525-4-8
डॉ. भारती कौशल	वर्तमान परिदृश्य में अध्यापकों के व्यावसायिक विकास हेतु सूचना एवं सम्प्रेषण प्रैद्योगिकी की उपादेयता	21वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्धन (सेमिनार प्रोसिडिंग), 2024	81-972035-9-6
	उपनिषदों में शिक्षा दर्शन	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण (पुस्तक अध्याय), 2024	978-93-93403-52-0
	पं. दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिन्तन	एकात्म मानववाद के प्रणेता : पं. दीनदयाल उपाध्याय, 2025	978-93-912-67-99-5
	श्रीमद्भगवद्गीता में मनोवैज्ञानिक चिन्तन	शोधशौर्यम्, International Scientific Refereed Research Journal	2581-6306
डॉ. जितेन्द्र कुमार	Enhancing Language Learning in School Education through Technology in Alignment with NCF 2023	संस्कृतमंजरी, दिल्लीसंस्कृत-अकादमी	2278-8360

डॉ. परमेश कुमार शर्मा	विविधयोगानां तात्त्विक-निरूपणम्	शिक्षाप्रियदर्शिनी, एकविंश-अंकः (जनवरी-जून, 2025)	2457-1230
	समाजीकरणस्य विकासे शारीरिकशिक्षायाः योगदानम्	शिक्षायतनम्, पृ.सं. 480-484	978-93-48433-84-8
	व्याकरणशास्त्रे रचनात्मकविधेः प्रयोगः	वेदविपाशा, अंक 12, 2025, पृ.सं. 69-81	2348-7828
	उच्चारणशिक्षणे पूर्णताविधिः	गुरुकुलपत्रिका, पृ.सं. 70-76	0976-8017
	वास्तुशास्त्रादृष्ट्या संस्कृतभाषाप्रयोगशाला	शोधप्रज्ञा, जुलाई-दिसम्बर, 2024 पृ.सं. 49-54	2347-9892
डॉ. लोकेश	वेदान्त दर्शन और शिक्षा	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज-शास्त्रीय दृष्टिकोण (पुस्तक अध्याय)	978-93-93403-52-0
	राजनीति के संत पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन दर्शन	एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय (पुस्तक अध्याय)	978-93912-67-99-5
	भारतीय ज्ञान परम्परा प्रबन्धनं च	शोधशौर्यम्, International Scientific Refereed Research Journal	2581-6306
डॉ. कपिल देव	वर्तमाने ज्योतिषस्य उपादेयता	शोधशौर्यम्, International Scientific Refereed Research Journal	2581-6306
डॉ. हरि प्रसाद मीना	संस्कृतभाषायां व्याकरणस्य उपादेयता	शोधशौर्यम्, International Scientific Refereed Research Journal	2581-6306

छ. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	शिक्षाशास्त्र	श्री रमाकांत उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला विकसित भारत के परिप्रेक्ष में अध्यापक शिक्षा (द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी)	27.01.2025 6-7.03.2025

VI. पुराण विद्या पीठ

पुराण विद्या पीठ की स्थापना विश्वविद्यालय में 1 जून, 2024 को हुई थी। यह पीठ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संरचना का हिस्सा है और पीठ की कार्य पद्धति अभी प्रक्रिया में है और आने वाले महीनों में इसके पाठ्यक्रम आरम्भ हो जाएंगे।

शैक्षणिक

सिंहावलोकन :

अकादमिक मामलों का प्रभाग विश्वविद्यालय के केंद्र के रूप में कार्य करता है, अकादमिक नीतियों का संचालन करता है और शैक्षिक कार्यक्रमों के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करता है। प्रतिबद्धता एक गतिशील शिक्षण समुदाय को बढ़ावा देने की है जहां नवाचार और उत्कृष्टता उत्पन्न हो सके।

महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

पाठ्यक्रम परिवर्धन
छात्र सहायता सेवाएं
शैक्षणिक योजना
गुणवत्ता आश्वासन
संकाय विकास

प्रयास और उपलब्धियां :

अकादमिक कार्य प्रभाग को कुछ प्रमुख प्रयासों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए गर्व है :

अंत: विषय कार्यक्रम : छात्रों को ज्ञान के अंतर्संबंध का पता लगाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए नवीन अंत: विषय कार्यक्रमों की शुरूआत।

अनुसंधान सहयोग : छात्रों और संकाय के बीच अनुसंधान सहयोग की सुविधा, विश्वविद्यालय के अंदर एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति के विकास में योगदान।

अंतरराष्ट्रीय भागीदारी : दुनिया भर में प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ साझेदारी के माध्यम से वैश्विक संपर्क की स्थापना, छात्रों और संकाय को मूल्यवान अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना।

भावी दिशाएं :

शैक्षणिक कार्य प्रभाग भविष्य को देखते हुए, निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्ध है : विविध हितों को पूरा करने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों की सीमा का विस्तार करना। सीखने के परिणामों को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोण लागू करना। अनुसंधान के मूल संरचा को मजबूत करना और पूछताछ की संस्कृति को बढ़ावा देना।

छात्र कल्याण

सिंहावलोकन :

छात्र कल्याण प्रभाग विश्वविद्यालय के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो सभी छात्रों के लिए एक सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने वे लिए समर्पित है। न केवल शैक्षणिक विकास बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के व्यक्तिगत और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देने में विश्वास रखें।

महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां :

- छात्र सहायता सेवाएं
- सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियां
- स्वास्थ्य और कल्याण पहल
- सामुदायिक व्यस्तता
- कैरियर विकास

गतिविधियाँ:-

1. **युवामन्थन मॉडल यूनाइटेड नेशन** कार्यक्रम का आयोजन 2 अप्रैल, 2024 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में श्री आदित्य पंचोली ने दायित्व निर्वहन किया।
2. **युवामन्थन ऑल इंडिया पोलिटिकल पार्टी मीट** कार्यक्रम का आयोजन 8 अप्रैल, 2024 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में श्री आदित्य पंचोली ने दायित्व निर्वहन किया।
3. **संस्कृत सप्ताह** का आयोजन 16 से 21 अगस्त, 2024 तक किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में डॉ. दिनेश यादव एवं सह संयोजक के रूप में डॉ. परमेश शर्मा ने दायित्व निर्वहन किया।
4. विश्वविद्यालयीय छात्रों हेतु **अमृत उद्यान भ्रमण** कार्यक्रम का आयोजन 13 सितम्बर, 2024 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में डॉ. दिनेश यादव एवं सह संयोजक के रूप में डॉ. योगेन्द्र शर्मा एव. डॉ. परमेश कुमार शर्मा ने दायित्व निर्वहन किया।
5. **नेशनल एनवायरनमेंट यूथ पार्लियामेंट (एन.इ.वाई.पि)** कार्यक्रम का आयोजन 20 नवम्बर, 2024 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में श्री आदित्य पंचोली ने दायित्व निर्वहन किया।
6. **युवामन्थन मॉडल यूनाइटेड नेशन** कार्यक्रम का आयोजन 3 दिसम्बर, 2024 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में श्री आदित्य पंचोली ने दायित्व निर्वहन किया।
7. **62 वीं दिल्ली राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं** का आयोजन 4 से 5 दिसम्बर, 2024 तक किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में डॉ. दिनेश यादव एवं सह संयोजक के रूप में डॉ. परमेश शर्मा ने दायित्व निर्वहन किया।

8. **भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम** का आयोजन 11 दिसम्बर, 2024 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में प्रो. मार्कंडेयनाथ तिवारी ने दायित्व निर्वहन किया।

9. **अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस कार्यक्रम** का आयोजन 21 फरवरी, 2025 को किया गया। कार्यक्रम समन्वयक के रूप में प्रो. शिवशंकर मिश्र तथा संयोजक के रूप में डॉ. दिनेश यादव ने दायित्व निर्वहन किया।

केन्द्र

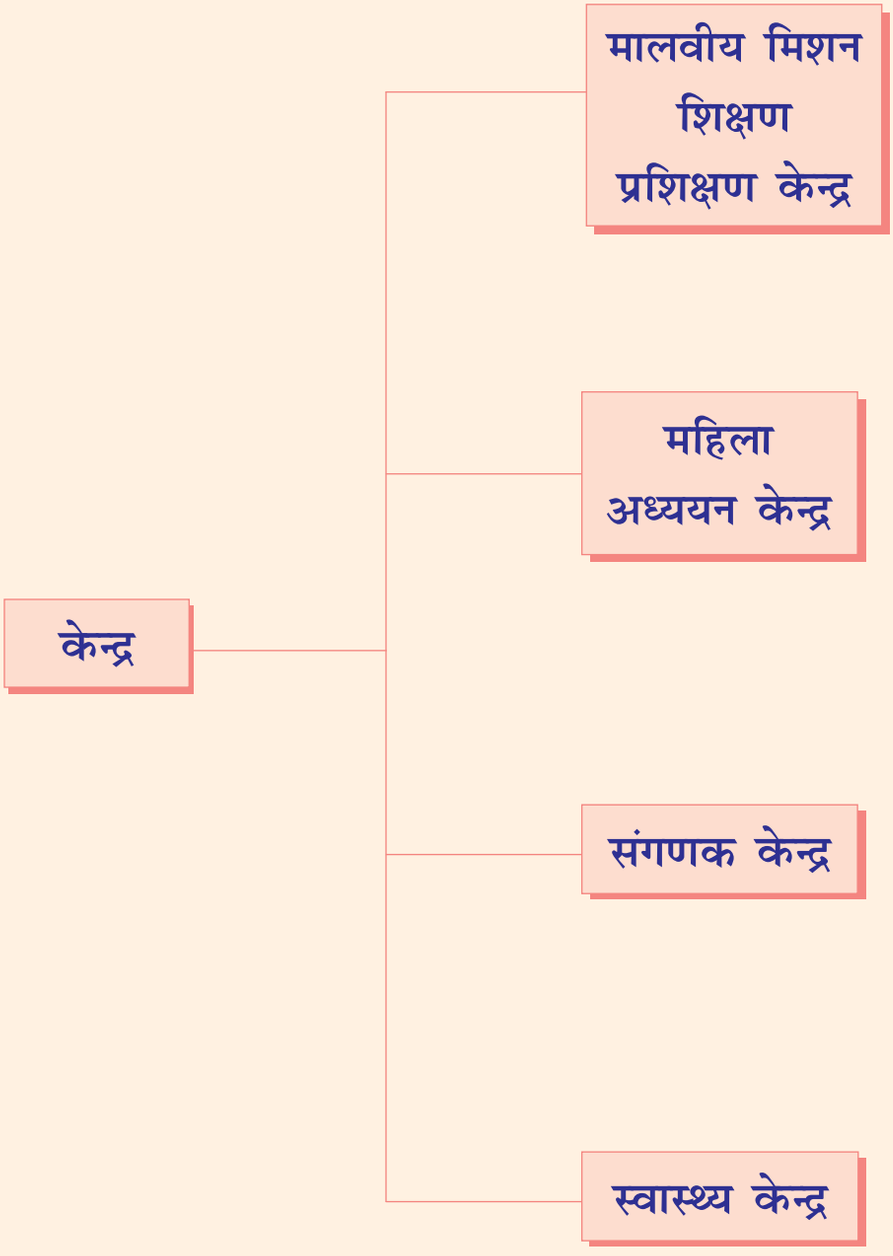
केन्द्र
मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र
महिला अध्ययन केन्द्र
संगणक केन्द्र
स्वास्थ्य केन्द्र

शिक्षण अधिगम केन्द्र वर्तमान में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र - एम.एम.टी.टी.सी. (पूर्व में शिक्षण शिक्षण केंद्र - टी.एल.सी.) की स्थापना 2023 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा संकाय सदस्यों में एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप बेहतर शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान हेतु कौशल तथा दक्षताओ का विकास करना है। उच्च शिक्षा के सभी स्तरों पर संकाय क्षमता संवर्द्धन, शिक्षा में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जिसे यू.जी.सी. के एच.आर.डी.सी. एवं पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण (PMMMNMTT) योजना, भारत सरकार के अन्तर्गत संचालित विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अच्छी तरह से संचालित किया जाता रहा है। भौतिक, मानवीय एवं वित्तीय संसाधनों के इष्टतम प्रयोग की दृष्टि से शिक्षा मंत्रालय द्वारा यू.जी.सी. के एच.आर.डी.सी. एवं पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण (PMMMNMTT) योजना के तहत स्थापित केन्द्रों के मध्य तालमेल एवं एकीकरण को ठोस आधार प्रदान करने तथा एन.ई.पी. 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सम्पूर्ण शिक्षक क्षमता संवर्द्धन प्रयास को मालवीय मिशन के नाम से लोकप्रिय बनाने का निर्णय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के माध्यम से लिया गया जिसका उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 2023 को किया गया। इस मिशन के क्रियान्वयन हेतु 111 उच्च शिक्षा संस्थानों (66 एचआरडीसी और 45 पीएमएमएनएमटीटी) को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (MMTTCs) के रूप में चिन्हित किया गया जिसमें हमारा

विश्वविद्यालय भी एक है और इसका उद्घाटन यू.जी.सी. के माननीय अध्यक्ष प्रो. एम. जगदेश कुमार ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 को किया।

2024-25 में, केंद्र द्वारा **10 प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक** आयोजित किए गए, जिनमें भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के **1178 प्रतिभागी (एक हजार एक सौ अट्ठहत्तर)** लाभान्वित हुए। इन 10 कार्यक्रमों में 1 ऑनलाइन संकाय अनुबोधन कार्यक्रम, 4 ऑनलाइन पुनश्चर्या कार्यक्रम, 1 आवासीय संकाय विकास कार्यक्रम और 4 ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम थे। आयोजित कार्यक्रमों का विवरण, उनके विषय, अवधि, दिनांक, कार्यक्रम प्रकार एवं स्तर, और प्रतिभागियों की संख्या निम्न तालिका I में प्रस्तुत की गई है:

सारणी - I : FDP/FIP/RC कार्यक्रम विवरण (2024-25)

क्र.सं.	विषयवस्तु	अवधि (दिनों में)	तिथि	कार्यक्रम प्रकार	स्तर	प्रतिभागियों की संख्या
1.	ई-कोर्स निर्माण	6	8-14 मई 2024	FDP	राष्ट्रीय	20
2.	एक मासिक संकाय अनुबोधन कार्यक्रम	24	3 जून-5 जुलाई 2024	FIP	राष्ट्रीय	76
3.	कृत्रिम बुद्धिमत्ता: शिक्षण, मूल्यांकन और शोध	6	9-16 जुलाई 2024	FDP	राष्ट्रीय	161
4.	अधिगमकर्ता केन्द्रित रणनीतियाँ: अभिकल्प, उपयोग एवं अनुप्रयोग	6	28 अगस्त-4 सितम्बर 2024	FDP	राष्ट्रीय	128
5.	भारतीय ज्ञान परंपरा: दर्शन एवं मनोविज्ञान	12	11-27 सितम्बर 2024	Refresher Course	राष्ट्रीय	167
6.	शोध आधारित कौशल संवर्द्धन	6	16-23 अक्टूबर 2024	FDP	राष्ट्रीय	138
7.	भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान	12	9-24 दिसम्बर 2024	Refresher Course	राष्ट्रीय	134
8.	भारतीय ज्ञान परंपरा में शैक्षिक प्रबंधन एवं नेतृत्व	12	16-31 जनवरी 2025	Refresher Course	राष्ट्रीय	146
9.	भारतीय ज्ञान परंपरा एवं मानव कल्याण	12	12-28 फरवरी 2025	Refresher Course	राष्ट्रीय	115

10.	शिक्षणशास्त्रीय एवं शोध उपकरणों का प्रयोग एवं अनुप्रयोग	6	18-25 मार्च 2025	FDP	राष्ट्रीय	93
					TOTAL	**1178**

केन्द्र ने बारह (12) ऑनलाइन राष्ट्रीय **एन.ई.पी. अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम** का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागियों को एनईपी-2020 के प्रमुख विषयों पर उन्मुख और संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम गूगल मीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था। ये सभी कार्यक्रम प्रेरण सत्र के साथ शुरू हुए जहां केंद्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के प्रमुख विषयों और इसके महत्वपूर्ण निर्देशों के बारे में जानकारी दी। इन आठ कार्यक्रमों के लिए एमएमटीटीपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कुल पंजीकरण 780 थे, जिनमें से 540 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम-वार विवरण तिथियां, पंजीकृत प्रतिभागियों और लाभार्थियों की संख्या तालिका-II में प्रस्तुत की गई है।

सारणी - II : एनईपी अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम विवरण

क्र.सं.	दिनांक	पंजीकृत प्रतिभागी	सफल प्रतिभागी (लाभार्थी)
1.	1-10 अप्रैल 2024	56	26
2.	15-25 अप्रैल 2024	118	81
3.	6-15 मई 2024	58	34
4.	20-30 मई 2024	98	69
5.	5-14 जून 2024	77	55
6.	18-28 जून 2024	45	31
7.	15-25 जुलाई 2024	53	44
8.	5-14 अगस्त 2024	50	47
9.	20-30 अगस्त 2024	66	54
10.	14-23 अक्टूबर 2024	52	29
11.	20-29 जनवरी 2025	48	31
12.	11-21 मार्च 2025	59	39
	TOTAL	**780**	**540**

एमएमटीटीपी सूचना विवरणिका के अनुसार 08 प्रमुख एनईपी विषयों को कवर करते हुए सभी कार्यक्रमों को 16 सत्रों के माध्यम से चलाया गया। समग्र और बहुविषयक शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शैक्षणिक नेतृत्व, शासन और प्रबंधन, अनुसंधान और विकास, उच्च शिक्षा और समाज, कौशल विकास, छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी।

ङ. मालवीय मिशन शिक्षण अधिगम केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

क्र.सं.	पद नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	निर्देशक	01
2.	प्राध्यापक सदस्य	02
3.	प्रशासनिक अधिकारी	01
4.	लेखा अधिकारी	01
5.	परियोजना सहायक	01
6.	कंप्यूटर सहायक	01
7.	सहायक कर्मचारी	01

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र - एम.एम.टी.टी.सी. (पूर्व में शिक्षण शिक्षण केंद्र - टी.एल.सी.) की स्थापना 2023 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा संकाय सदस्यों में एन.ई.पी. 2020 के अनुरूप बेहतर शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान हेतु कौशल तथा दक्षताओ का विकास करना है। उच्च शिक्षा के सभी स्तरों पर संकाय क्षमता संवर्द्धन, शिक्षा में गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जिसे यू.जी.सी. के एच.आर.डी.सी. एवं पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण (PMMMNMTT) योजना, भारत सरकार के अन्तर्गत संचालित विभिन्न केंद्रों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अच्छी तरह से संचालित किया जाता रहा है। भौतिक, मानवीय एवं वित्तीय संसाधनों के इष्टतम प्रयोग की दृष्टि से शिक्षा मंत्रालय द्वारा यू. जी.सी. के एच.आर.डी.सी. एवं पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण (PMMMNMTT) योजना के तहत स्थापित केन्द्रों के मध्य तालमेल एवं एकीकरण को ठोस आधार प्रदान करने तथा एन.ई.पी. 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सम्पूर्ण शिक्षक क्षमता संवर्द्धन प्रयास को मालवीय मिशन के नाम से लोकप्रिय बनाने का निर्णय मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (MMTTP) के माध्यम से लिया गया जिसका उद्घाटन माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा दिनांक

5 सितम्बर 2023 को किया गया। इस मिशन के क्रियान्वयन हेतु 111 उच्च शिक्षा संस्थानों (66 एचआरडीसी और 45 पीएमएमएनएमटीटी) को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (MMTTCs) के रूप में चिन्हित किया गया जिसमें हमारा विश्वविद्यालय भी एक है और इसका उद्घाटन यू.जी.सी. के माननीय अध्यक्ष प्रो. एम. जगदेश कुमार ने दिनांक 30 अक्टूबर, 2023 को किया।

केन्द्र ने आठ (08) ऑनलाइन राष्ट्रीय **एन.ई.पी. अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम** का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागियों को एनईपी-2020 के प्रमुख विषयों पर उन्मुख और संवेदनशील बनाना है। कार्यक्रम गूगल मीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया था। ये सभी कार्यक्रम प्रेरण सत्र के साथ शुरू हुए जहां केंद्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के प्रमुख विषयों और इसके महत्वपूर्ण निर्देशों के बारे में जानकारी दी। इन आठ कार्यक्रमों के लिए एमएमटीटीपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कुल पंजीकरण 655 थे, जिनमें से 529 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। कार्यक्रम-वार विवरण तिथियां, पंजीकृत प्रतिभागियों और लाभार्थियों की संख्या तालिका में प्रस्तुत की गई है।

महिला अध्ययन केन्द्र

क. केन्द्र के विषय में

महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना वर्ष 2005 में यूजीसी की दसवीं योजना के तहत की गई थी। संकाय सदस्यों की नियुक्ति मार्च, 2006 तक की गई थी और केंद्र ने अप्रैल 2006 तक अपना कामकाज शुरू कर दिया था। श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को महिला अध्ययन केंद्र वाला एकमात्र संस्कृत विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है। इस **केंद्र की अध्यक्षता प्रो. मीनू कश्यप कर रही हैं।**

संस्कृत विश्वविद्यालय के पारंपरिक माहौल में, महिला अध्ययन केंद्र की एक विशेष कार्य सूची है। केंद्र के उद्देश्य हैं :-

- भारतीय महिलाओं के अतीत के गौरव और सम्मान को पुनर्जीवित करना।
- बीते समय की महिलाओं की उपलब्धियों और पूर्णताओं को रोल मॉडल के रूप में उजागर करना।
- महिला अध्ययन के नजरिए से प्राचीन शास्त्रीय ग्रंथों की व्याख्या करना।

कार्यक्रम का आयोजन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक
1.	मानवता स्वास्थ्य शिक्षा फाउण्डेशन (नि:शुल्क जाँच शिविर)	9-10.04.2024
2.	सफलता: मन से मंजिल तक	23.10.2024
3.	साईबर अपराध विरूद्ध जागरूकता (विशिष्ट व्याख्यान)	11.11.2024
	दसदिवसीय आत्मरक्षा कार्यशाला	11.11.2024 से 25.11.2024
	स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमेन एण्ड चिल्ड्रन	

4.	Walkathon	05.03.2025
5.	व्याख्यान कार्यक्रम-आहार एवं पोषण	06.03.2025
6.	Sports Events	06.03.2025
7.	साइकिल रैली	7.03.2025
8.	व्याख्यान International Women Day	08.03.2025
9.	पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता	10.03.2025
10.	लोकगीत गायन प्रतियोगिता	11.03.2025
11.	भाषण प्रतियोगिता	12.03.2025
12.	Foundation Course on Gender Awareness and Gender Sensitization	17-28.03.2025
13.	महिल कौशल एवं उद्यमिता मेला	21.03.2025
14.	विशिष्ट व्याख्यान माला स्वास्थ संरक्षण में आयुर्वेद की भूमिका	27.03.2025

संगणक केन्द्र

केन्द्र के विषय में

कंप्यूटर सेंटर विश्वविद्यालय समुदाय को कंप्यूटिंग सुविधाओं, प्रशिक्षण, शिक्षण, ई-मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास और प्रबंधन आदि में गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं को उनके मूल्यवान डेटा का विश्लेषण करने में मदद करता है, विश्वविद्यालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करता है, वर्ल्ड वाइड वेब तक पहुँच को सक्षम बनाता है और विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों को प्रयोगशाला की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करता है।

स्थापना इतिहासः

1989 में, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, भारत सरकार ने एक संयुक्त परियोजना 'कैसल' दी (कम्प्यूटर असिस्टेड संस्कृत टीचिंग/लर्निंग एनवायरनमेंट) जेएनयू, नई दिल्ली के साथ विश्वविद्यालय को दिया गया। इसके बाद 1993 में विश्वविद्यालय को इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से एक और प्रोजेक्ट "CALT" (कम्प्यूटर असिस्टेड लैंग्वेज टीचिंग) मिला। विश्वविद्यालय ने इन दोनों प्रोजेक्ट के लिए 1989 में एक छोटी सी कार्यशील कंप्यूटर लैब की स्थापना की और शिक्षा शास्त्री में एक वैकल्पिक विषय के रूप में कंप्यूटर कोर्स शुरू किया। तब से विश्वविद्यालय ने कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत योगदान दिया है और विकास किया है।

यूजीसी ने दिसंबर, 2005 में विश्वविद्यालय के लिए कंप्यूटर सेंटर को मंजूरी दी थी। विश्वविद्यालय ने जून, 2006 में एक सुसज्जित कंप्यूटर सेंटर की स्थापना की और जनवरी, 2007 में यह केंद्र कार्यात्मक हो गया।

वर्तमान आईटी अवसंरचना

- विश्वविद्यालय के पास संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में नई तकनीक के साथ त्रिभाषी वेबसाइट है और GIGW दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी तरह गतिशील है।
- विश्वविद्यालय ने समर्थ ई-गवर्नेंस सूट, भर्ती, प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सुचारू और डिजिटल संचालन के लिए स्टाफ प्रबंधन सॉफ्टवेयर प्रणाली को लागू किया है।
- विश्वविद्यालय में 03 सुसज्जित कंप्यूटर लैब, 06 स्मार्ट क्लासरूम और 07 सेमिनार/कॉन्फ्रेंस हॉल हैं, जिनमें इंटरनेट की सुविधा है और छात्रों के सीखने के कौशल को बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम के अनुसार पोडियम, इंटरेक्टिव बोर्ड, एलसीडीटीवी, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर और विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सॉफ्टवेयर जैसे विभिन्न शिक्षण उपकरणों का उपयोग किया जाता है, ताकि नई चुनौतियों का सामना किया जा सके।
- विश्वविद्यालय के पास यूजीसी के स्वयं पोर्टल के लिए संस्कृत में वीडियो व्याख्यानों की रिकॉर्डिंग के लिए एक वर्चुअल ई-क्लास रूम स्टूडियो है।
- क्रमानव संसाधन विकास मंत्रालय की एनकेएन परियोजना के तहत इंटरनेट बैंडविड्थ केंद्र में 1.0 जीबीपीएस इंटरनेट लिंक के साथ इंटरनेट सुविधाएं हैं। यह छात्रों, संकायों, शोधकर्ताओं और सभी विभागों को विभिन्न स्रोतों से सभी प्रकार की जानकारी तक पहुंचने और डाउनलोड करने का अवसर प्रदान करता है।

- विश्वविद्यालय ने एक वर्चुअल ई-क्लासरूम स्टूडियो स्थापित किया है, जिसमें केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण प्लेटफॉर्म है, जो उपयोग में सबसे आसान है और रिच मीडिया लाइव वेबकास्टिंग और कंटेंट मैनेजमेंट, वेब और मोबाइल डिलीवरी सिस्टम के लिए सबसे अच्छा सपोर्ट करता है, जो हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग, ऑडियो-विजुअल कॉन्फ्रेंसिंग, नियंत्रण प्रणाली और केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण प्रणाली सहित पूरी तरह से एकीकृत समाधान का एक समावेशी है।
- विश्वविद्यालय के पास संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में त्रिभाषी वेबसाइट है और अब इसे नई तकनीक के साथ अपग्रेड किया गया है, जो GIGW दिशानिर्देशों के अनुसार पूरी तरह से गतिशील है।
- विश्वविद्यालय के पास एनालॉग, डिजिटल और IP एक्सटेंशन लाइनों के साथ IP आधारित EPABX सुविधा है और यह उच्च उपलब्धता, मजबूत सुरक्षा, मजबूत प्रदर्शन और लागत प्रभावी एकीकृत संचार प्रदान करता है।
- विश्वविद्यालय ने इंट्रानेट के माध्यम से थीसिस तक पहुँचने के लिए सर्वर स्थापित किया है।
- विश्वविद्यालय ने विभिन्न स्थानों पर 85 CCTV कैमरे लगाए हैं।
- विश्वविद्यालय का पूरा परिसर वाई-फाई सक्षम है।

कंप्यूटर सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली सामान्य सुविधाएं

कंप्यूटर सेंटर विश्वविद्यालय को कंप्यूटिंग सुविधाएँ, ई-मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास और प्रबंधन आदि में गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं की मदद करता है।

विश्वविद्यालय के मूल्यवान डेटा का विश्लेषण करना, विश्वविद्यालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करना, वर्ल्ड वाइड वेब तक पहुँच को सक्षम बनाना तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को टैबोरेटरी सुविधा प्रदान करना। यह विश्वविद्यालय की निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करता है।

- विश्वविद्यालय की आवश्यकता के अनुसार सॉफ्टवेयर सेवाओं का डिजाइन, विकास तथा रखरखाव।
- विश्वविद्यालय में डेस्कटॉप, लैपटॉप, प्रिंटर तथा सर्वर कंप्यूटरों की खरीद, स्थापना तथा रखरखाव।
- सभी कंप्यूटरों, बाह्य उपकरणों तथा नेटवर्किंग का रखरखाव जिसमें उनका AMC भी शामिल है।
- विश्वविद्यालय के सभी विभिन्न सर्वरों का रखरखाव (सर्वर प्रबंधन)।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण तथा गैर-शिक्षण विभागों, कर्मचारियों के आवासों, छात्रावासों, अतिथि गृहों आदि को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना।
- विभिन्न विभागों, छात्रावासों, कर्मचारियों के आवासों, अतिथि गृहों आदि को दूरसंचार सुविधाएँ प्रदान करना तथा संचार प्रणाली सॉफ्टवेयर का प्रबंधन करना।

- विश्वविद्यालय नेटवर्क को बाहरी हैकरों से बचाने, नेटवर्क पर लोड को संतुलित करने, अनावश्यक ट्रैफिक को फिल्टर करने, अवांछित वेब सामग्री को ब्लॉक करने तथा प्राथमिकताएँ निर्दिष्ट करके नेटवर्क ट्रैफिक को सुव्यवस्थित करने के लिए फायरवॉल प्रणाली का प्रबंधन करना।
- विश्वविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की नेटवर्क, दूरसंचार और हार्डवेयर संबंधी समस्याओं का समाधान करना।
- आईटी अवसंरचना का प्रबंधन, विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं की नेटवर्क संबंधी समस्याओं का समाधान करना।
- डेस्कटॉप, प्रिंटर और अन्य बाह्य उपकरणों की इन-हाउस मरम्मत का कार्य करना।
- @gov.in और Google पर हमारे डोमेन फ्रीवेयर शैक्षिक खाते के माध्यम से मेलिंग सिस्टम और आधिकारिक ईमेल को बनाए रखना।
- विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को समय-समय पर कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करना।
- साप्ताहिक आधार पर स्टोरेज/फाइल सर्वर पर उपयोगकर्ता होम निर्देशिकाओं का बैकअप और रिकवरी लेना।
- स्व-वित्तपोषित योजना के तहत सप्ताहांत पर कंप्यूटर विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में तीन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस कोर्स की अवधि महीने दिन है।
- विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट का प्रबंधन: विश्वविद्यालय से संबंधित सामान्य जानकारी के अलावा, विश्वविद्यालय की वेबसाइट उपयोगकर्ताओं के लिए निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करती है:-
  - विश्वविद्यालय की वेबसाइट त्रिभाषी है अर्थात संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में।
  - निविदाएं और कैरियर: कोटेशन/निविदाएं और नौकरी पोस्टिंग प्रकाशित करना।
  - विभिन्न प्रकार के फॉर्म, परिपत्र, अधिसूचना आदि पोस्ट करना।
  - ई-संसाधन। संकाय और छात्रों के पास Knimbus जैसे ई-संसाधनों तक पहुँच है जो उनके शोध कार्य के लिए उपयोगी है।
  - पूर्व छात्र पंजीकरण विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र वेबसाइट के माध्यम से खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।
  - प्रवेश सूचना वेबसाइट प्रवेश प्रक्रिया, प्रवेश परीक्षा के लिए प्रॉस्पेक्टस और अन्य संबंधित जानकारी प्रॉस्पेक्टस, आवेदन पत्र, परिणाम आदि के बारे में पूरी जानकारी प्रदान करती है।

- २ विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों के अनुरोध के अनुसार कंप्यूटर केंद्र द्वारा वेबसाइट की जानकारी को इन-हाउस अपडेट किया जाता है।

प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम

कंप्यूटर सेंटर अलग-अलग सब्जेक्ट में रेगुलर कंप्यूटर सब्जेक्ट के अलावा स्टूडेंट्स, रिसर्चर्स, एकेडमिक और नॉन-एकेडमिक साथियों के लिए टीचिंग और ट्रेनिंग प्रोग्राम भी ऑर्गनाइज करता है ताकि कंप्यूटर स्किल्स और अलग-अलग सॉफ्टवेयर्स की उनकी नॉलेज बढ़ सके।

I. ट्रेनिंग प्रोग्राम:

कंप्यूटर सेंटर ने सभी साथी मेंबर्स, यूनिवर्सिटी रिसर्च स्कॉलर्स को उनकी कंप्यूटिंग स्किल्स में आने वाली प्रॉब्लम्स को सॉल्व करने में मदद करने के लिए एक छोटा कंप्यूटर ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑर्गनाइज किया।

II. डिप्लोमा कोर्स:

कंप्यूटर सेंटर वीकेंड्स (शनिवार और रविवार) पर सेल्फ-फाइनेंस नाम का 01-साल का पार्ट-टाइम कंप्यूटर कोर्स चलाता है ताकि प्रोफेशनल्स और स्टूडेंट्स के लिए प्रोफेशनल स्किल्स और नॉलेज बढ़ सके और रेवेन्यू जेनरेट हो सके।

कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा: (DCA):

कम्प्यूटर केन्द्र कर्मचारी:

क्र.सं	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	01
2.	सहायक प्रोग्रामर	01
3.	तकनीकी सहायक	02
4.	प्रयोगशाला परिचर	01

भविष्य के लिए संभावित

विश्वविद्यालय ने सभी विभागों के कम्प्यूटरीकरण के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर (समर्थ ई-गवर्नेंस सुइट और इन-हाउस एप्लीकेशन) को आंशिक रूप से क्रियान्वित किया है और निकट भविष्य में कंप्यूटर केंद्र समर्थ परियोजना को पूरी तरह कार्यात्मक बना देगा।

स्वास्थ्य केन्द्र

क. केन्द्र के बारे में:

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केंद्र छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को चिकित्सा सेवाएँ और स्वास्थ्य जाँच प्रदान करने के लिए समर्पित है। आवश्यक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित, स्वास्थ्य केंद्र में अनुभवी डॉक्टर और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर हैं जो सामान्य स्वास्थ्य सेवा, आपातकालीन उपचार और दंत चिकित्सा देखभाल सहित विभिन्न सेवाएँ प्रदान करते हैं। केंद्र नैदानिक उद्देश्यों के लिए नमूना संग्रह सुविधाओं से भी सुसज्जित है।

सुविधाएँ और सेवाएँ:

- सामान्य स्वास्थ्य देखभाल: स्वास्थ्य केंद्र नियमित स्वास्थ्य जाँच, सामान्य बीमारियों के लिए उपचार और निवारक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है।
- आपातकालीन सेवाएँ: छोटी-मोटी आपात स्थितियों से निपटने के लिए सुसज्जित, स्वास्थ्य केंद्र तत्काल स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर तत्काल ध्यान देता है।
- विशेषज्ञ सेवाएँ: केंद्र में चिकित्सा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दंत विशेषज्ञ, आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सक जैसे विशेषज्ञ हैं जो अपनी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए नियमित रूप से आते हैं।
- निदान सुविधाएँ: निदान परीक्षणों के लिए नमूना संग्रह सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो त्वरित और सटीक स्वास्थ्य आकलन सुनिश्चित करती हैं। कुछ इन-हाउस निदान सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।
- पहुँच: स्वास्थ्य केंद्र सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए सुलभ है, जो विश्वविद्यालय परिसर के भीतर सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवा सहायता प्रदान करता है।

विशेषज्ञ चिकित्सक सेवा एवं परामर्श सुविधा:

स्वास्थ्य केंद्र में योग्य डॉक्टरों की एक टीम परामर्श के लिए विशिष्ट घंटों के दौरान उपलब्ध रहती है:

क्र.सं.	डॉक्टर का नाम	मिलने का समय
1.	डॉ. के.एल. ठाकुर (आंतरिक चिकित्सा)	दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
2.	डॉ. मोनिका शर्मा (स्त्री रोग विशेषज्ञ)	दोपहर 2:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक (मंगलवार और शुक्रवार)
3.	डॉ. नवनीश मनोचा (दंत रोग विशेषज्ञ)	सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक (मंगलवार और गुरुवार)
4.	डॉ. स्वाति त्यागी (आयुर्वेद विशेषज्ञ)	सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक (बुधवार और शुक्रवार)
5.	डॉ. वनिता कुमार (होम्योपैथी विशेषज्ञ)	सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक (सोमवार और गुरुवार)

स्वास्थ्य केंद्र तक विश्वविद्यालय के सभी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी पहुँच सकते हैं। सुविधाओं के सबसे प्रभावी उपयोग के लिए, स्वास्थ्य केंद्र सेवाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और विश्वविद्यालय समुदाय की उभरती हुई स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्हें अद्यतन किया जाता है।

प्रकोष्ठ एवं ईकाई

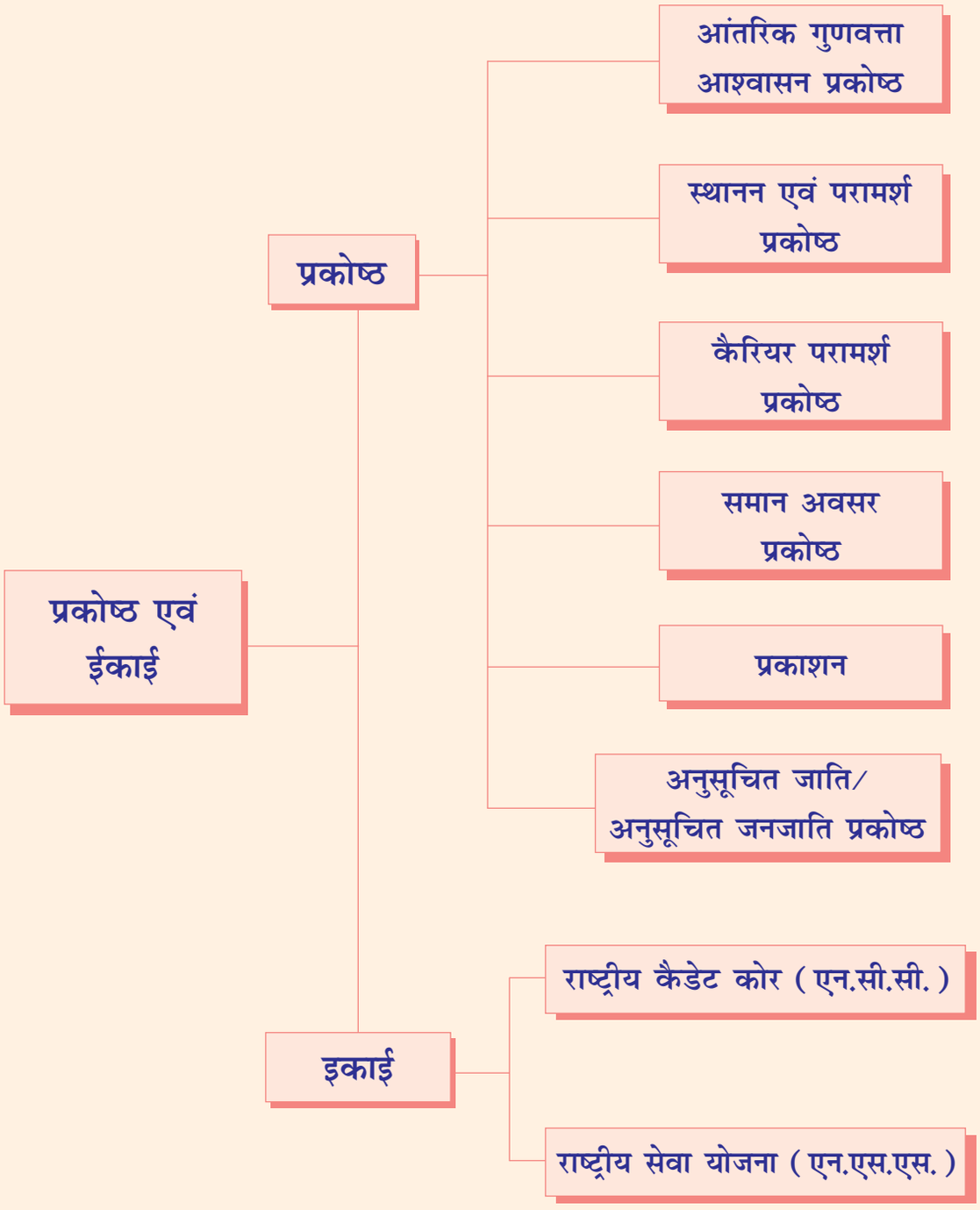
प्रकोष्ठ एवं ईकाई
प्रकोष्ठ
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ
कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ
समान अवसर प्रकोष्ठ
प्रकाशन
अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ
इकाई
राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)
राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

प्रकोष्ठ एवं ईकाई

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.)

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना उत्कृष्टता की दिशा में विश्वविद्यालय के प्रयासों और उपायों को प्रसारित करने और व्यवस्थित करने के लक्ष्य के साथ की गई थी, साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार के लिए सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक क्रमादेशित कार्रवाई के लिए एक गुणवत्ता प्रणाली विकसित करने के लक्ष्य के साथ की गई थी। आईक्यूएसी कुलपति के निर्देशन में काम करता है और गुणवत्ता संस्कृति के अंतरराष्ट्रीयकरण और सर्वोत्तम प्रथाओं के संस्थागतकरण के माध्यम से गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में संस्थागत कार्यों के उपायों को बढ़ावा देने हेतु भविष्य की कार्रवाई की सलाह देता है। **प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी (वास्तुशास्त्र), आईक्यूएसी के निदेशक हैं।**

अवधि के दौरान आयोजित बैठक:-

आई.क्यू.ए.सी. बैठक - 01.05.2024

स्थानन एवं परामर्श प्रकोष्ठ

कैंपस प्लेसमेंट सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के कैलेंडर में बहुप्रतीक्षित घटनाओं में से एक है। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ और परामर्श प्रकोष्ठ हमारे छात्रों के लिए एसएलबीएसएनएसयू की कैरियर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। एसपीओ का फोकस छात्रों को टूल और विभिन्न अन्य सॉफ्ट स्किल्स पर कौशल के सेट के साथ पूरकता प्रदान करने में सहायता देने पर है जिससे उन्हें नौकरी खोजने में मदद मिलेगी। प्रकोष्ठ को आवश्यक दिशानिर्देश तैयार करने और विश्वविद्यालय के छात्रों के प्लेसमेंट के तौर-तरीकों पर निर्णय लेने की आवश्यकता होगी। आवश्यकता होने पर प्रकोष्ठ किसी भी विशेषज्ञ सदस्य को शामिल कर सकता है। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ को उचित रिकॉर्ड बनाए रखना होगा और एक प्रेजेंटेशन देना होगा। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ कार्यशालाओं का आयोजन करता है और उद्योग और शिक्षा जगत दोनों के विशेषज्ञों से बातचीत आमंत्रित की जाती है। एसपीओ का संचालन कर्मचारियों और छात्रों की एक टीम द्वारा किया जाता है जो प्लेसमेंट संबंधी गतिविधियों के समन्वय का ख्याल रखते हैं। **प्रो. के भारत भूषण इस सेल के समन्वयक हैं।**

आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय के कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना 11वीं पंचवर्षीय योजना के तहत की गई थी। कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ विविध आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि वाले विश्व विद्यालय के छात्रों को व्यक्तित्व गुणों और संचार कौशल को बढ़ाकर विभिन्न कैरियर के लिए तैयार करने में सहायता करता है। **प्रो. एम. जयकृष्णन इस प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं।**

समान अवसर प्रकोष्ठ

भारत विविधता का देश है और विभिन्न जातीय, भाषा संबंधी, क्षेत्रीय, आर्थिक, धार्मिक, वर्ग और जाति समूहों का केंद्र है। इसे प्राप्त करने के लिए और वर्तमान शिक्षा प्रणाली को कर्मचारियों और छात्रों के साथ समान व्यवहार करने और उनकी जाति, उम्र, जेंडर, लैंगिकता या नि:शक्तनता पर विचार किए बिना समान अवसर देने के लिए उन्मुख बनाना, ताकि उनके खिलाफ भेदभाव किया जा सकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 2019 में एक समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी) की स्थापना की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर्मचारी, विशेष रूप से छात्र, अवसरों का लाभ उठाने के लिए निष्पक्ष और समान व्यवहार की उम्मीद कर सकें और गैर-कानूनी भेदभाव, उत्पीड़न और उत्पीड़न से मुक्त हों। **प्रो. जवाहर लाल प्रकोष्ठ के समन्वयक हैं।**

प्रकाशन

प्रकाशन इकाई की शुरुआत पुस्तकों के संरक्षण, संपादन और प्रकाशन के साथ-साथ अनुसंधान के लिए नामांकित छात्रों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। इकाई में संस्कृत भाषा की विभिन्न पुरानी पांडुलिपियों का संपादन किया गया है। इकाई द्वारा त्रैमासिक संदर्भित अनुसंधान पत्रिका, 'शोध प्रभा' का संपादन और प्रकाशन किया जाता है जिसमें प्रसिद्ध अध्येताओं के लेख और शिक्षकों और अनुसंधान अध्येताओं के अनुसंधान पत्र प्रकाशित होते हैं। वार्षिक शोध कार्यशालाओं के आयोजन के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर सेमिनार भी आयोजित किए गए हैं। यू.जी.सी. के अनुसार विनियमों, शोधार्थियों को अनुसंधान की विधि का प्रशिक्षण दिया जाता है तथा शास्त्रों के अध्ययन की विशिष्ट विधियों का ज्ञान भी दिया जाता है।

अनुसंधान पत्रिका 'शोधप्रभा' का संपादन एवं प्रकाशन

शोध विभाग के प्रोफेसर शिव शंकर मिश्र की अध्यक्षता में सलाहकार समिति और संपादकीय बोर्ड द्वारा विधिवत अनुशंसित और शोध सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक की सहायता से शोध लेखों को 'शोधप्रभा' में संपादित और प्रकाशित किया गया था।

संपादन और प्रकाशन

शास्त्रों एवं संस्कृत साहित्य के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार की योजना के अंतर्गत निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित हुईं:-

पत्रिका

I. शोधप्रभा (उत्कर्ष विशेषांक 2024)

ii. विद्यापीठपञ्चांग (संवत् 2081)

iii. विश्वविद्यालय वार्ता

iv. वास्तुशास्त्र विमर्श (14-15 पुष्पम्)

प्रकाशनों का विक्रयण

एमओई की पुनर्मुद्रण योजना के तहत विभिन्न पुस्तकों के साथ विश्वाविद्यालय द्वारा शोध प्रभा, सुमंगली, भैषज्यज्योतिषम, पंचांग, वास्तुविमर्श आदि पुस्तकें, पत्रिकाएं प्रकाशित की गई हैं। विश्वाविद्यालय द्वारा इन प्रकाशनों को नाममात्र दरों पर बिक्री भी की जाती है।

प्रकाशन अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1	अनुसंधान सहायक	02
2	प्रूफ रीडर	01
3	बहुकार्य कर्मचारी	01

अनुसूचित एवं जनजाति प्रकोष्ठ

नियुक्ति, पदोन्नति, प्रवेश, स्टाफ क्वार्टर और छात्र छात्रावास के आबंटन आदि में भारत सरकार और यूजीसी की आरक्षण नीति का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चिोत करना और विश्वविद्यालय में इसकी निगरानी के लिए, विश्वणविद्यालय में अनु.जाति/अनु. जनजाति सदस्यों के कल्याण के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। **प्रो. जवाहर लाल प्रकोष्ठ, सर्वदर्शन विभाग के संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं।** यह रिकॉर्ड करना महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्षो की तुलना में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में अनु. जाति/अनु. जनजाति सदस्यों की संख्या और विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्रों के नामांकन में भी काफी सुधार हुआ है।

प्रकोष्ठ ने वर्ष के दौरान विभिन्न शिक्षण और गैर-शिक्षण संवर्गों के रोस्टर रजिस्टरों को अंतिम रूप दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी किए गए विज्ञापनों की उचित जांच की गई और बैकलॉग रिक्तियों को विज्ञापनों के लिए रिकॉर्ड में रखा गया। अनु.जाति/अनु. जनजाति कर्मचारियों के संबंध में सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार की गई और डेटा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और यूजीसी को प्रस्तुत किया गया।

पदों में आरक्षण का विवरण (श्रेणी वार)

शैक्षणिक कर्मचारी

स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
139	103	36

शैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	कुल
आचार्य (प्रत्यक्ष)	पुरुष	05	01	–		–	–	06
	महिला	–	–	–	–	–	–	–
आचार्य (सी.ए.एस. के अंतर्गत)	पुरुष	35	03	–	–	01	–	39
	महिला	07	00	–	–	–	–	07
सह आचार्य (प्रत्यक्ष)	पुरुष	01	–	–	–	–	–	01
	महिला	00	–	–	–	–	–	00
सह-आचार्य (सी.ए.एस. के अंतर्गत)	पुरुष	01	–	01	–	00 VH	–	02
	महिला	01	–	–	–	–	–	01
सहायक आचार्य (प्रत्यक्ष)	पुरुष	14	05	03	10	–	02	34
	महिला	09	–	–	02	–	–	11
सहायक आचार्य (सीएएस 11/12 के अंतर्गत)	पुरुष	00	00	01	01	–	–	02
	महिला	00	–	–	00	–	–	00
	योग	**73**	**09**	**05**	**13**	**01**	**02**	**103**

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
136	108	28

गैरशैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	अल्प-संख्यक	कुल
'अ' वर्ग	पुरुष	06	02	–	02	–	–	10
	महिला	02	01	–	–	–	–	03
'बी' वर्ग	पुरुष	10	03	01	04	01(ओ.एच.)	–	19
	महिला	06	03	–	01	–	–	10
'स' वर्ग (बहुकार्य कर्मचारी वर्ग सहित)	पुरुष	30	10	02	15	01 (एच.एच.)	–	58
	महिला	06	–	–	02	–	–	08
कुल	–	**60**	**19**	**03**	**24**	**02**	–	**108**

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बैकलॉग रिक्त पदों का विवरण (31.03.2025 तक)

शैक्षणिक

क्र.सं.	पद नाम	बैकलॉग अनुसूचित जाति शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग शैक्षणिक पदों की संख्या		
		अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित
1.	आचार्य	0	0	0	01	0	01	01	0	01
2.	सह-आचार्य	03	0	03	01	0	01	01	0	01
3.	सहायक आचार्य	08	04	04	03	01	02	04	01	03
	योग	**11**	**04**	**07**	**05**	**01**	**04**	**06**	**01**	**05**

गैर शैक्षणिक

क्र.सं.	पद नाम	बैकलॉग अनुसूचित जाति गैर शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अनुसूचित जनजाति गैर शैक्षणिक पदों की संख्या			बैकलॉग अन्य पिछड़ा वर्ग गैर शैक्षणिक पदों की संख्या		
		अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित	अभिज्ञात	पूरित	अपूरित
1.	अ वर्ग	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2.	ब वर्ग	0	0	0	01	0	01	0	0	0
3.	स वर्ग (पूर्ववर्ती ग्रुप डी कैडर सहित)	0	0	0	0	0	0	02	0	02
	योग	**0**	**0**	**0**	**01**	**0**	**01**	**02**	**0**	**02**

विश्वविद्यालय द्वारा कोई विशेष भर्ती अभियान आयोजित नहीं किया गया है। जबकि, विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर रिक्तियों के बैकलॉग को भरने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए गए हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा रिक्त शैक्षणिक एवं गैर-शिक्षण पदों के संबंध में नए सिरे से विज्ञापन की प्रक्रिया शुरू की गयी है। हाल ही में, विज्ञापन संख्या 02/2022, 04/2022 और 02/2023 के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा आरक्षित पदों को फिर से विज्ञापित किया गया है। जहां तक गैर-शिक्षण पदों का संबंध है, रिक्त गैर-शिक्षण पदों को भरने के लिए लिखित परीक्षा आयोजित करने का मामला राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के साथ उठाया गया है और उनके उत्तर की अभी भी प्रतीक्षा है। उम्मीद है कि गैर-शिक्षण पदों के साथ-साथ रिक्त शैक्षणिक पदों को जल्द से जल्द भरा जाएगा। विज्ञापन संख्या 02/2022, 04/2022 और 02/2023 के अनुसार पद नहीं भरे जाने की स्थिति में विशेष भर्ती अभियान भी शुरू किया जाएगा।

एन.सी.सी. (राष्ट्रीय कैडेट कोर) वार्षिक रिपोर्ट 2023-24

क. एन.सी.सी. के विषय में-

एनसीसी कैडेटों की भागीदारी एनसीसी कैडेटों ने विभिन्न विश्वविद्यालय-व्यापी गतिविधियों जैसे स्थापना दिवस, व्याख्यान श्रृंखला, रक्तदान शिविर आदि में भाग लिया। एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी निदेशालय के स्वच्छ भारत अभियान, एकता दिवस, प्री-रिपब्लिक डे कैंप, गणतंत्र दिवस कैंप, सीएम रैली, पीएम रैली, यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम और अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। **लेफ्टिनेंट डॉ. मिनाक्षी मिश्रा गर्ल्स विंग के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर हैं, और लेफ्टिनेंट डॉ. अभिषेक तिवारी बॉयज विंग के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर हैं, जो विश्वविद्यालय में एनसीसी गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण और समन्वय के लिए जिम्मेदार हैं।**

ख. इस अवधि के दौरान एनसीसी कैडेटों की भागीदारी (छात्रा.वर्ग):-

- कैडेट मोहिनी भारद्वाज ने 30 जुलाई 2024 से 15 अगस्त 2024 तक लालकिले में आयोजित स्वतंत्रता दिवस शिविर में भाग लिया।
- 02 तृतीय वर्ष कैडेट्स ने 20 अगस्त 2024 से 8 सितंबर 2024 तक आर्मी अटैचमेंट कैंप में भाग लिया।
- 03 तृतीय वर्ष कैडेट्स और 05 द्वितीय वर्ष कैडेट्स ने 10 सितंबर 2024 से 20 सितंबर 2024 तक सफदरजंग में आयोजित सीएटीसी शिविर में भाग लिया।
- द्वितीय वर्ष '02' कैडेट्स और तृतीय वर्ष '02' कैडेट्स ने 7 नवंबर, 2024 से 18 नवंबर, 2024 तक 7DBN रोहिणी में आयोजित ईबीएसबी शिविर में भाग लिया।
- कैडेट रितु राज ने 16 दिसंबर, 2024 से 27 दिसंबर, 2024 तक अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित एक शिविर में भाग लिया।
- 30 कैडेट्स ने 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया और वीसी को गार्ड ऑफ ऑनर

दिया। ध्वजारोहण समारोह के बाद राष्ट्रगान भी किया गया। गणतंत्र दिवस परेड में भाषण, देशभक्ति गीत और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

- सी सर्टिफिकेट परीक्षा 17 और 18 फरवरी 2025 को आयोजित की गई।
- बी सर्टिफिकेट परीक्षा 2 और 3 मार्च 2025 को आयोजित की गई।
- एएनओ लाइफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी मिश्रा ने 2 अक्टूबर 2024 से 13 अक्टूबर, 2024 तक काकीनाडा, आंध्र प्रदेश में आयोजित एक शिविर में भाग लिया।
- एएनओ लाइफ्टिनेंट डॉ. मीनाक्षी मिश्रा को 13 फरवरी, 2025 को एडीजी एनसीसी रिकमेंडेशन मेडल से सम्मानित किया गया।
- 02 CDTS ने 7 दिल्ली बटालियन द्वारा 06 मई से 15 मई, 2024 तक GD NCC, नई दिल्ली में आयोजित CATC कैंप में भाग लिया, जिसमें CDT प्रांशु शुक्ला ने सोलो सॉन्ग में सिल्वर मेडल जीता।
- 04 CDTS ने 20 जून, 2024 को रोहिणी में NCC भवन में 3DGBN द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें SGT आनंद कुमार दुबे ने प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर विशिष्ट स्थान हासिल किया, जबकि JUO अजय कुमार दुबे ने शानदार ब्रॉन्ज मेडल जीता।
- 10 CDTS ने 7DBN द्वारा NCC भवन, रोहिणी-नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।
- 16 CDTS ने 13 जुलाई से 22 जुलाई, 2024 तक आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया और सर्वश्रेष्ठ कैडेट के रूप में 1 गोल्ड मेडल, सोलो सॉन्ग में 1 गोल्ड, टेंट पिचिंग में 1 सिल्वर और ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता में 1 सिल्वर मेडल जीता।
- 5 CDTS ने 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2024 तक लाल किले में स्वतंत्रता दिवस शिविर में भाग लिया।
- विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने 15 अगस्त, 2024 को SLBSNSU के माननीय कुलपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया और कैडेट्स को उनकी रैंक भी मिली।
- SGT. आनंद कुमार दुबे को 19 सितंबर 2024 को ग्रुप C मुख्यालय सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली में ADG दिल्ली DTE से अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस मिला।
- 8 CDTS ने 5 और 6 अक्टूबर 2024 को हरबख्श स्टेडियम दिल्ली कैंट में आयोजित प्लेटिनम जुबली ट्यूटोरियल आर्मी मेले में भाग लिया।
- 10 CDTS ने 15 अक्टूबर से 6 नवंबर, 2024 तक आयोजित JLN हॉकी टूर्नामेंट 2024 में भाग लिया।
- 4 CDTS ने 07 नवंबर से 18 नवंबर, 2024 तक 7 DBN द्वारा रोहिणी में आयोजित EBSB कैंप में भाग लिया, जिसमें LCPL राधे मोहन मिश्रा ने टग ऑफ वॉर में सिल्वर मेडल जीता और उन्होंने डांस प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

- CSM शेखर चमोली, CQMS रोहित कुमार, SGT आलोक मिश्रा 16 नवंबर से 24 नवंबर, 2024 तक राजपीपला, गुजरात में सरदार पटेल नर्मदा ट्रेकिंग कैंप में गए।
- 12 CDTS ने 02 जनवरी से 13 जनवरी, 2025 तक डिब्रूगढ़ असम में NER EBSB कैंप में हिस्सा लिया, और उत्तर पूर्वी क्षेत्र की संस्कृति, भाषा और जीवन शैली के बारे में जाना।
- 4 मार्च, 2025 को महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज में एक फेस्ट में, JUO अजय कुमार दुबे बेस्ट कैडेट प्रतियोगिता में रनर अप रहे और SLBSNSU को वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दूसरा स्थान मिला।
- NCC B सर्टिफिकेट परीक्षा 1 और 2 मार्च, 2025 को हुई और इसमें 20 कैडेट्स ने हिस्सा लिया।

एन.एस.एस (राष्ट्रीय सेवा योजना)

क. एन.एस.एस.के विषय में-

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करती है जिसमें इसके स्वयंसेवक भाग लेते हैं और तत्काल समुदाय की सेवा करते हैं। इसके द्वारा विविध रक्तदान शिविरों के साथ-साथ कई अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके द्वारा आपदाओं के दौरान राहत कार्यों को भी किया जाता है। विशेष शिविरों का आयोजन भी होता है। **विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. की गतिविधियों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समन्वयार्थ डॉ. सौरभ दूबे सहयोगी एन.एस.एस. इकाई के अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।**

ख. इस अवधि के दौरान एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की भागीदारी:-

- मतदाता जागरूक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 01-05-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन दिनांक 05-06-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा के प्रथम चरण का आयोजन दिनांक 01-09-2024 - 15-09-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा के द्वितीय चरण का आयोजन दिनांक 27-09-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा के तृतीय चरण का आयोजन दिनांक 30-09-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- स्वछता पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 02-10-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
- एक पेड़ माँ के नाम 22-10-2024 एन.एस.एस, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

प्रशासनिक अनुभागों, विश्वविद्यालय निर्माण विभाग तथा अपीलीय प्राधिकारी, सीएपीआईओ और सीपीआईओ* से संबंधित विवरण

* केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी

अनुभागों एवं विश्वविद्यालय निर्माण विभाग से संबंधित विवरण

लेखा

लेखा विभाग वित्त अधिकारी के अधीन कार्य करता है। इसमें उप कुल सचिव, सहायक कुल सचिव, अनुभाग अधिकारी, सहायक, यूडीसी/कैशियर और एलडीसी शामिल हैं। विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान मिलता है। लेखा विभाग विश्वविद्यालय के दैनिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विश्वविद्यालय का लेखा विभाग बहुत प्रगतिशील है और पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है।

लेखा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	वित्त अधिकारी	01
2.	उप कुलसचिव	01
3.	सहायक कुलसचिव	01
4.	अनुभाग अधिकारी	01
5.	सहायक	03
6.	वरिष्ठ लिपिक	01
7.	कनिष्ठ लिपिक	02
8.	बहुकार्य कर्मचारी	01
	कुल	**11**

शैक्षणिक

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुभाग का उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाना और विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों और अन्य संबंधित विषयों में छात्र नामांकन की सुविधा प्रदान करना था। यह अनुभाग अध्ययन के कई क्षेत्रों में छात्र परामर्श के साथ संकायों की सहायता करने में सक्षम है। शैक्षणिक अनुभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों, कक्षाओं और विषयों में छात्र नामांकन पर जानकारी और डेटा प्रदान करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्रों को परामर्श प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। यह अनुभाग छात्रों की उपस्थिति पर नजर रखने और इसकी एक विस्तृत सूची रखने के संदर्भ में है।

शैक्षणिक अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी (प्र)	01
3.	सहायक	01
4.	वरिष्ठ लिपिक	02
5.	बहुकार्य कर्मचारी	02
	कुल	**07**

प्रशासन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से प्रवेश

अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की गई थी।

प्रशासन

प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को तीन अनुभागों (प्रशासन I, II और GAD) में वर्गीकृत किया गया है। प्रत्येक अनुभाग का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है: -

प्रशासन I (शैक्षणिक)

प्रशासन अनुभाग (शैक्षणिक) विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण अनुभाग है, जो कुल सचिव के निर्देशन में कर्तव्यों का पालन करता है। यह अनुभाग मुख्य रूप से विशिवविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों और विनियमों के साथ-साथ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के अनुपालन में विश्वविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षकों की भर्ती से संबंधित गतिविधियों का प्रभारी है।

प्रशासन -I अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01

4.	वरिष्ठ लिपिक	01
5.	कनिष्ठ लिपिक	01
6.	बहुकार्य कर्मचारी	01
	कुल	**06**

गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए अनुभाग द्वारा निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी
1.	06.06.2024	प्रशासनिक कार्यों में, राजभाषा का कार्यन्वयन राजभाषा द्वारा प्रेरणा, प्रोत्साहन पुरस्कार श-भवन: प्रशासनिक कार्य	56
2.	24.06.2024	अशु भाषण प्रतियोगिता	22
3.	26.06.2024	निबंध लेखन प्रतियोगिता: राष्ट्रीय करियर के लिए हिंदी का कार्य, सहायता	16
4.	18.09.2024	कौशल विकास में भारतीय भाषा की भूमिका	71
5.	23.12.2024	देवनागरी लिपि का मानकीकरण: प्रशासनिक हिंदी	40
6.	25.03.2025	टेकनिकल विषय में हिंदी मीडियम और प्रयोग	29

प्रशासन-II (गैर-शैक्षणिक)

प्रशासन अनुभाग-II विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो कुल सचिव और कुलपति को रिपोर्ट करता है। यह अनुभाग पेंशनभोगियों सहित विश्वविद्यालय में सभी गैर-शिक्षण कर्मचारी सेवा संबंधी सरोकारों का प्रभारी है। इन मुद्दों पर, संस्कृत विश्वयविद्यालय अधिनियम, 2020 और विश्वविद्यालय के कानून, नियम और यूजीसी और भारत सरकार की समय-समय पर जारी/अपनाई गई विनियम/नीतियों का पालन किया जाता है। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 136 गैर-शिक्षण पद स्वीकृत हैं, जिनके प्रति 111 कर्मचारी कार्यरत हैं।

प्रशासन-II अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	सहायक	01
4.	कनिष्ठ लिपिक	01
	कुल	**04**

प्रशासन सामान्य

सामान्य प्रशासन अनुभाग, अपने कर्तव्यों के आधार पर, पूरे विश्वविद्यालय को प्रशासनिक और तार्किक सहायता प्रदान करता है। विभाग कुल सचिव की देखरेख और मार्गदर्शन में काम करता है। यह सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करता है और उन्हें तदनुसार संबंधित कार्यालयों के सुचारू कार्यों की सुविधा प्रदान करता है।

जीएडी सुरक्षा सेवाओं, स्टोर और खरीद, भारत सरकार के विभिन्न सामुदायिक प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और उत्सव, कानूनी मामलों, आवास आबंटन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि जैसे मामलों के लिए विभिन्न सरकारी और निजी संगठनों के समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीएडी अनुभाग का नेतृत्व एक सहायक कुल सचिव (जीएडी) करते हैं जो अनुभाग को आबंटित कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की देखरेख करते हैं। सामान्य प्रशासन अनुभाग विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण समुदायों के लिए एक समग्र सेवा सुविधा और समन्वय इकाई के रूप में भी कार्य करता है।

प्रशासन-सामान्य अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक कुलसचिव	01
2.	अनुभाग अधिकारी	01
3.	वरिष्ठ लिपिक	01
4.	बहुकार्य कर्मचारी	01
	कुल	**04**

विकास

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विकास अनुभाग की स्थापना विश्वविद्यालय के सभी प्रस्तावों, कार्यक्रमों के आयोजन करने के उद्देश्य से की गई थी। विकास अनुभाग को समग्र विकास के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक कार्यनीतिक और परिचालन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन का काम सौंपा गया है, जिससे विश्वविद्यालय के दूर के दृष्टिकोण को परिभाषित किया जा सके। यह अनुभाग विभिन्न निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी सहायता करता है ताकि अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक क्षेत्रों में भी उपलब्धि हासिल की जा सके और उन्हें मजबूत किया जा सके। इस अनुभाग को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के सचिवालय को संभालने, यूजीसी विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी) को लागू करने और निगरानी करने, विभिन्न स्व-वित्त पाठ्यक्रमों में निधि का प्रबंधन, विश्वविद्यालय, सेमिनार का आयोजन/ संगोष्ठी/ सम्मेलन और अन्य प्रमुख कार्यक्रम की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने जैसी विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विकास अनुभाग

कर्मचारियों और छात्रों को चिकित्सा सुविधाएं, कैंटीन सुविधाएं, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), अन्य एजेंसियों और संस्थानों को विश्वविद्यालय ग्राउंड स्पेस, सेमिनार हॉल और व्याख्यान कक्ष के आबंटन के लिए स्वास्थ्य देखभाल इकाई (एचसीयू) के कार्यों की भी देखभाल करता है। विकास अनुभाग कुल सचिव की देखरेख और मार्गदर्शन में काम करता है। विकास अनुभाग का नेतृत्व उप कुल सचिव (लेखा एवं विकास) करता है जो अनुभाग को आबंटित कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की देखरेख करता है।

विकास अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	उप कुलसचिव	01
2.	सहायक कुलसचिव	01
3.	निजि सचिव	01
	कुल	**03**

परीक्षा

परीक्षा विभाग द्वारा सेमेस्टर प्रणाली के माध्यम से नियमित कक्षाओं और अंशकालिक पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। जिसमें परीक्षा आवेदन पत्र जमा करने से लेकर परीक्षा परिणाम घोषित करने, मार्कशीट, अस्थाई प्रमाण-पत्र, निष्क्रमण प्रमाण-पत्र वितरण आदि का कार्य भी परीक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। दीक्षांत समारोह में छात्रों को उपाधि प्रमाण-पत्र वितरण करने से सम्बन्धित समस्त कार्य परीक्षा विभाग द्वारा किया जाता है।

परीक्षा अनुभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	परीक्षा नियंत्रक	01
2.	उपकुलसचिव	01
3.	अनुभाग अधिकारी	01
4.	सहायक	01
5.	वरिष्ठ लिपिक	01
6.	कनिष्ठ लिपिक	02
7.	बहुकार्य कर्मचारी	04
	कुल	**11**

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग (वि.नि.वि.)

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग (वि.नि.वि.) विश्वविद्यालय परिसर की निम्नलिखित भूमि और भवन के रखरखाव एवं निर्माण का कार्य करता है।

विश्वविद्यालय परिसर, दक्षिणी दिल्ली में शहीद जीत सिंह मार्ग बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र में स्थित है। परिसर में कुल पचास आवासीय मकान, कुलपति आवास, एक गेस्ट हाउस, एक लड़कों का छात्रावास तथा चार शैक्षणिक भवन हैं। सभी इमारतें सड़कों से अच्छी तरह जुड़ी हुई हैं। परिसर को हरा भरा एवं सुंदर बनाने के लिए कई छोटे पार्क और उद्यान, जैसे विश्रांति वाटिका और स्वर्ण जयंती पार्क हैं। परिसर में रात्रि में बच्चों एवं कर्मचारियों को खेलने के लिए एवं टहलने के लिए बाहरी प्रकाश को पूरी तरह व्यवस्थित किया गया है। कैम्पस में एक जन्तर मन्तर है जहां कई यन्त्र बने हुए हैं, यहां छात्रों को दिन और रात्रि में सभी राशियों के बारे में समय के साथ- साथ विश्वविद्यालय के आचार्यों द्वारा शोध कराया जाता है। बाहर से भी कई बार इस जन्तर मन्तर को देखने लोग आते हैं।

विश्वविद्यालय में चार (4) शैक्षणिक भवन हैं:-

1. **शैक्षिक सदन:-** यह सबसे पुरानी दो मंजिला इमारत है। शैक्षणिक, अनुसंधान और पुस्तकालय विभाग इस भवन में स्थित हैं। इस भवन में दर्शन पीठ, साहित्य एवं संस्कृति-पीठ तथा आधुनिक पीठ के छात्रों का पठन पाठन एवं शोध का कार्य कराया जाता है।
2. **सारस्वत साधना सदन:-** यह 5 मंजिला (बी+जी+3) भवन है। इस भवन में कुलपति सचिवालय, कंप्यूटर प्रयोगशाला सहित कंप्यूटर केंद्र, परीक्षा विभाग, शोध विभाग हैं। विश्वविद्यालय के सभी बड़े उच्च कोटी के व्याख्यानमाला, समितियों की बैठक तथा ट्रेनिंग आदि इस भवन में स्थित सम्मेलन कक्षों और समिति कक्षों में की जाती है।
3. **बृहस्पति भवन:-** यह दो मंजिला भवन है। इस भवन में वेद और पौरोहित्य विभाग के छात्रों को पठन पाठन एवं शोध का कार्य किया जाता है। इस भवन में एक कर्मकांड प्रयोगशाला भी है। छात्रों को यज्ञ आदि सीखने के लिए ईस्ट-यज्ञ प्रयोगशाला बनायी गई है।
4. **स्वर्ण जयंती सदन:-** यह 5 मंजिला (बी+जी+3) भवन है। इस भवन के भूतल पर प्रशासनिक विभाग जैसे वित्त, शैक्षणिक, विकास, सांख्यिकीय प्रकोष्ठ, सेंट्रल स्टोर तथा कुलसचिव कार्यालय एवं वित्ताधिकारी कार्यालय तथा प्रथम, द्वितिय एवं तृतीय तल पर ज्योतिष विभाग, वास्तुशास्त्र विभाग, व्याकरण विभाग, धर्मशास्त्र विभाग, शिक्षा संकाय पीठ, और अन्य विभागों के छात्रों को पठन पाठन एवं शोध का कार्य कराया जाता है।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग में पदस्थापित गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण तालिका में निम्न प्रकार से दिया गया है:-

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	अधिशासी अभियंता	01
2.	सहायक अभियंता	01
3.	कनिष्ठ अभियंता	02
4.	वरिष्ठ लिपिक	01
5.	इलेक्ट्रिशियन	01
6.	कनिष्ठ लिपिक	02
8.	बहुकार्य कर्मचारी	05
	कुल	**13**

केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत)

जन सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)/केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नियुक्त किया गया है।

क्र.सं.	नाम और पदनाम एवं सम्पर्क सूत्र	पद नाम	सूचना क्षेत्र
1.	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी और कुलसचिव (प्रभारी) 011-46060567 fo@slbsrsv.ac.in	अपीलीय अधिकारी	कोई भी व्यक्ति जो सीपीआईओ/सीएपीआईओ से निर्दिष्ट समय के भीतर सूचना/उत्तर/निर्णय प्राप्त नहीं करता है और पीड़ित है, आरटीआई अधिनियम, 2005 के अनुसार अपीलीय प्राधिकारी को अपील कर सकता है।
2.	श्री अजय कुमार टंडन, उप कुलसचिव (लेखा एवं विकास) 011-46060521 tandon@slbsrsv.ac.in	पारदर्शिता अधिकारी	आर.टी.आई एक्ट 2005 की धारा-4 के प्रावधानों को सक्रिय और प्रभावी ढंग से लागू करके पब्लिक अथॉरिटी के अंदर संस्थागत पारदर्शिता को बढ़ावा देना, जिसमें प्रभावी रिकॉर्ड मैनेजमेंट, रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, नेटवर्किंग और धीरे-धीरे सक्रिय खुलासे शामिल हैं। आर.टी.आई. आवेदनों के निपटारे में उच्च प्राथमिकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना। वेबसाइट पर जानकारी अपलोड करने के संबंध में पारदर्शिता।
3.	श्री बनवारी लाल वर्मा सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर 011-46060616 bl.verma@slbsrsv.ac.in	नोडल अधिकारी और केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी	आर.टी.आई एक्ट, 2005 के तहत नोडल ऑफिसर और सी.इ.पि.आई.ओ के लिए तय सभी ड्यूटी और जिम्मेदारियाँ। एक्ट के तहत एप्लीकेशन रिसीव करना और उन्हें तुरंत सी.पि.आई.ओ या राज्य पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर या अपीलेट ऑफिसर को फॉरवर्ड करने के लिए पेश होना। सभी मिली हुई आर.टी.आई. अपीलों और भेजे गए जवाबों का सेंट्रलाइज्ड रिकॉर्ड बनाए रखना।

4.	प्रो. शीतला प्रशाद शुक्ल पीठाध्यक्ष पुराण विद्या 011-46060518 shitla@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	पुराण विद्या पीठ से संबंधित सूचना।
5.	प्रो. ए.एस.आरावमुदन पीठ प्रमुख, दर्शन पीठ 011-46060623 arvamudan@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	दर्शन पीठ से संबंधित सूचना।
6.	प्रो. मीनू कश्यप पीठ प्रमुखा, आधुनिक विषय पीठ 011-46060527 minu@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	आधुनिक विषया पीठ तथा महिला अध्ययन केंद्र से संबंधित सूचना।
7.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, पीठ प्रमुख, वेद-वेदांग, निर्देशक-आई.क्यू.ए.सी. 011-46060651 devi@ slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	आई.क्यू.ए.सी, एंटी रैगिंग सैल और वेद-वेदांग पीठ से संबंधित सूचना।
8.	प्रो. कल्पना जैन पीठ प्रमुख, साहित्य एवं संस्कृति 011-46060518	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	साहित्य एवं संस्कृति पीठ से संबंधित सूचना।
9.	प्रो. रचना वर्मा मोहन पीठ प्रमुख, शिक्षा 011-46060636 Rachna@ slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शिक्षा शास्त्र पीठ से संबंधित सूचना।
10.	प्रो. नीलम ठगेला प्रोफेसर और संपर्क अधिकारी-रिजर्वेशन सैल (एस.सी./एस.टी) 011-46060621 neelam@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एस.सी./एस.टी. रिजर्वेशन से सम्बंधित सुचना।
11.	प्रो. शिव शंकर मिश्र विभागाध्यक्ष, अनुसंधान विभाग छात्र कल्याण पीठ प्रमुख 011-46060609 shankar@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	अनुसंधान विभाग एवं प्रकाशन इकाई से संबंधित सूचना। छात्र कल्याण से संबंधित सूचना।

12.	प्रो. वीर सागर जैन, विभागाध्यक्ष, योग विभाग 011-46060560 veersagar@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	योग विभाग से संबंधित सूचना।
13.	प्रो.के भरत भूषण, आचार्य एवं नोडल अधिकारी, स्थानन प्रकोष्ठ 011-46060689 bharat@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	स्थानन प्रकोष्ठ से संबंधित सूचना।
14.	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा मुख्य सतर्कता अधिकारी (पार्ट टाइम) 011-46060668 diwakardutt@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	सतर्कता मामलों से संबंधित सूचना।
15.	प्रो. जगदेव कुमार शर्मा प्रमुख (हिंदी राजभाषा समिति) 011-46060525 jagdev@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	हिंदी राजभाषा से सम्बंधित सूचना।
16.	प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज, आचार्य और निर्देशक (टी.एल.सी.) 011-46060637 amita@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी।	MMTTC (TLC) परियोजना से संबंधित सूचना।
17.	प्रो. सुमन कुमार झा, आचार्य एवं नोडल अधिकारी आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ 011-46060546 suman@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी।	आजीविका परामर्श प्रकोष्ठ से संबंधित सूचना।
18.	प्रो. सुंदर नारायण झा प्रोफेसर एवं छात्रावास वार्डन 011-46060353 sunder@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विद्यापीठ के छात्रावास से संबंधित सूचना।
19.	डॉ. मनोज कुमार मीणा, सहायक आचार्य-शारीरिक शिक्षा 011-46060528 manoj@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विद्यापीठ की शारीरिक शिक्षा/खेल गतिविधियों /व्यायामशाला से संबंधित सूचना।
20.	डॉ. अभिषेक तिवारी सहायक आचार्य एवं प्रमुख -एन.सी.सी (छात्र) 011-46060608 abhishek@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एन.सी.सी (छात्र वर्ग) से संबंधित जानकारी।

21.	डॉ. सुरेन्द्र महतो, सहायक आचार्य (शिक्षाशास्त्र) एवं सम्पर्क अधिकारी (ओ.बी.सी.) 011-46060637 mahto@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	(ओ.बी.सी) रिजर्वेशन से संबंधित जानकारी।
22.	डॉ. मिनाक्षी मिश्र सहायक आचार्य एवं प्रमुख -एन.सी.सी (छात्रा) 011-46060552 meenakshi_dharm@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	एन.सी.सी (छात्रा वर्ग) से संबंधित जानकारी।
23.	डॉ. (श्रीमती) कांता उप कुलसचिव (परीक्षा) 011-46060520 kanta@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	परीक्षा विभाग से संबंधित जानकारी।
24.	श्री रमाकांत उपाध्याय, कार्यकारी अभियंता (सिविल) 011-46060323 ramakant@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विश्वविद्यालय निर्माण विभाग से संबंधित सूचना।
25.	डॉ राजेश कुमार पाण्डेय सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष 011-46060531 rajeshpandey@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	पुस्तकालय से संबंधित सूचना।
26.	श्रीमती सुषमा डेमला, सहायक कुलसचिव (लेखा) 011-46060559	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	लेखा एवं वित्त अनुभाग से संबंधित सूचना।
27.	श्री सुच्चा सिंह सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक) 011-46060548 sucha@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शैक्षणिक अनुभाग, छात्रों से संबंधित मामले और एससी/एसटी/ओबीसी/पीएच आदि से संबंधित सूचना।
28.	श्री मंजीत सिंह सहायक कुलसचिव (गैर-शिक्षण एवं सामान्य प्रशासन/ अनुसूचित जाती एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ) 011-46060556 manjit@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	गैर-शैक्षणिक विभाग और जन सूचना अधिकार मामलों से संबंधित सूचना, मंत्रालय/यूजीसी के संसदीय प्रश्नों, कोर्ट केस और चयन। एस.सी./एस.टी प्रकोष्ट एवं रिजर्वेशन-रोस्टर-गैरशैक्षणिक से सम्बंधित सूचना।

29.	श्रीमती भारती त्रिपाठी सहायक कुलसचिव (प्रशासन-I) 011-46060501 bharti.tripathi@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	शैक्षणिक विभाग एवं जनसूचना अधिकार से संबंधित सूचना, CAS/चयन के तहत पदोन्नति, कोर्ट केस, हिंदी राजभाषा आदि से संबंधित जानकारी। एस.सी./एस.टी प्रकोष्ट एवं रिजर्वेशन-रोस्टर-शैक्षणिक से सम्बंधित सूचना।
30.	श्री राजेश कुमार सहायक कुलसचिव (विकास) 011-46060682 rajesh@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	विकास अनुभाग, NAAC, वार्षिक प्रतिवेदन एवं स्वास्थ्य केन्द्र से संबंधित सूचना।
31.	श्री बिपिन कुमार त्रिपाठी शोध-सह-सांख्यिकी अधिकारी (अनुसूचित जाति/जनजाति) एवं विशेष कार्याधिकारी (कुलपति) 011-46060604 bipin@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ एवं एफिलिएसन प्रकोष्ट से संबंधित सूचना।
32.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी निजी सचिव (कुलपति) 011-46060605 pramod@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	कुलपति कार्यालय से सम्बन्धित सूचना।
33.	श्री ज्ञान चंद शर्मा सहायक प्रोग्रामर (कंप्यूटर) 011-46060645 gyan@slbsrsv.ac.in	केंद्रीय जन सूचना अधिकारी	संगणक केन्द्र से संबंधित सूचना।

जनसूचना अधिकार वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली

सी.आई.सी. की अनिवार्य आवश्यकता के अनुसार विवरण शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है।

मूल संरचना एवं सुविधाएं

केन्द्रीय पुस्तकालय

क. ग्रन्थालय के बारे में

केन्द्रीय-ग्रंथालय श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्थापना काल से ही सह-अस्तित्व में है। ग्रंथालय विश्वविद्यालय के समस्त हितधारकों को आवश्यक सूचना और ज्ञान संसाधनों तक पहुँच को सुविधाजनक बनाने और संरक्षित करने के उद्देश्य से सतत रूप से कार्य कर रहा है। महामहोपाध्याय पद्म श्री डॉ. मंडन मिश्र केंद्रीय-ग्रंथालय के रूप में विख्यात इस ग्रंथालय में वेद, पुराण, उपनिषद, धर्मशास्त्र, योग, ज्योतिष, व्याकरण, वास्तुशास्त्र, साहित्य, दर्शन, पौरोहित्य, आयुर्वेद आदि सहित प्रमुख संस्कृत ग्रंथों का एक व्यापक संग्रह है। इसके अतिरिक्त ग्रंथालय में शिक्षा, दर्शन, मनोविज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी और अन्य समकालीन विषयों का भी संग्रह है।

केंद्रीय-ग्रंथालय ने उपयोगकर्ता के लिए प्रौद्योगिकी आधारित सेवा प्रदान कर रहा है। इनमें प्रमुख है-

I. साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर: सेंट्रल लाइब्रेरी फैकल्टी सदस्यों, रिसर्च स्कॉलर्स आदि के रिसर्च पेपर, थीसिस में साहित्यिक चोरी/समानता की जाँच ड्रिलबिट नामक पी.डी.एस. की मदद से कर रही है।

ii. आर.एफ.आई.डी टेक्नोलॉजी

iii. सेल्फ-चेक इन/आउट सिस्टम (कियोस्क)

iv. दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधाएँ जैसे- सुगम्य पुस्तकालय की संस्थागत सदस्यता, किबो-एक्सएस डिवाइस, इंडो-एन.वी,डी.ए सॉफ्टवेयर आदि।

v. रिमोट एक्सेस सुविधा: सेंट्रल लाइब्रेरी ने उपयोगकर्ताओं को एक सिंगल इंटीग्रेटेड डिस्कवरी प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए नॉलेज डिस्कवरी प्लेटफॉर्म किंबस को सब्सक्राइब किया है। इस सुविधा के माध्यम से उपयोगकर्ता सभी सब्सक्राइब्ड और ओपन एक्सेस संसाधनों तक कैंपस के बाहर से एक्सेस कर सकते हैं।

vi. ग्रामरली सेवा।

vii. एड्जटर: डिजिटल प्लेटफॉर्म जिसमें 5000+ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का संग्रह है।

viii. इंडियास्टैट: सांख्यिकीय डेटाबेस जो फैकल्टी और रिसर्च स्कॉलर को सामाजिक-आर्थिक डेटा तक पहुँचने में सक्षम बनाता है।

ix. नॉटनल: 5000+ हिंदी किताबों, पत्रिकाओं, जर्नल्स आदि के संग्रह वाला एक हिंदी डेटाबेस।

x. डेलनेट (DELNET): संसाधन साझाकरण के लिए संस्थागत सदस्यता।

ख. ग्रन्थालय संग्रहः-

पुस्तकालय सेवाविध	प्राप्त दस्तावेदों की संख्या 2024-25	मूल्य (आई.एन.आर.)
पाठ्य पुस्तकें	1526	1334468
संदर्भ पुस्तकें	856	
ई-पुस्तकें	392	1235283
पत्रिकायें	124	172881
ई-पत्रिकायें	08	169092
डिजिटल डेटा बेस	-	-
सी.डी. एवं वीडीयो	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-

ग. उपरोक्त के अलावा पुस्तकालय में निम्नलिखित पुस्तकालय सॉफ्टवेयर भी स्वचालित हैः-

ILMS सॉफ्टवेर का नाम	स्वचालन की प्रकृति (पूर्ण रूप या आंशिक रूप से)	संस्करण	स्वचालनवर्ष
LIBSYS	पूर्ण रूप से	10	2010-11
SOUL	पूर्ण रूप से	3.0	मार्च 2025

घ. संसाधनों का विवरण:-

संग्रह संसाधन	मार्च 2025 तक
ग्रन्थ	121241
शोध-पत्रिकाएं	124
शोधप्रबंध	656
अन्य गैर-पुस्तक सामग्री (सीडी)	131

ङ. परिसंचरण सांख्यिकी

परिसंचरण डेस्क यह सुनिश्चित करने की प्रभारी है कि शिक्षण सामग्री पुस्तकालय के अंदर और बाहर है, साथ ही मूल दिशात्मक और सूचनात्मक सहायता प्रदान करता है, पुस्तकालय विशेषाधिकारों और प्रसंस्करण शुल्क और जुर्माने से संबंधित प्रश्नों का समाधान करता है।

परिसंचरण संसाधन (अप्रैल 2024-मार्च 2025)	संसाधनों की संख्या (डेटा)
निर्गत	11236
प्राप्ति	9286
नवीकृत	3693
अन्य संसाधन	2350
कुल	**26565**

च. ई-संसाधन विवरण (प्रत्यक्ष सदस्यता)

छात्रों और अनुसंधान अध्येताओं के लाभ के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय में इलेक्ट्रॉनिक सामग्रियों की विशाल रेंज और विविधता को संभालने के तरीके और कार्यनीतियां विकसित की गई हैं। यह अनुसंधान इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग माप में कला की स्थिति की जांच करता है, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग करते समय विश्वविद्यालय के महत्व पर जोर देता है।

संसाधन		2024								2025				
		अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सित	अक्तू	नम्ब.	दिस.	जन.	फर.	मार्च	कुल
ज्ञानकोष-पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन की पत्रिका	सदस्यता	0	0	12	6	6	1	30	9	18	0	0	0	82
ज्ञान और संचार प्रबंधन की पत्रिका	सदस्यता	0	0	15	3	6	0	20	6	22	0	0	0	72
लाइब्रेरी हेराल्ड	सदस्यता	0	0	14	6	6	2	16	0	40	0	0	0	84
पर्ल : पुस्तकालय और सूचना विज्ञान की एक पत्रिका	सदस्यता	0	0	14	10	0	3	9	2	25	0	0	0	63
विश्व डिजिटल पुस्तकालय-एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल	सदस्यता	0	0	12	6	13	0	12	0	28	0	0	0	71
भारतीय समाजशास्त्र समीक्षा	सदस्यता	2	0	14	0	1	4	23	0	1	0	0	0	45
सामाजिक विमर्श	सदस्यता	0	0	12	0	3	3	7	0	12	0	0	0	37
इंडिया क्वार्टरली	सदस्यता	2	0	5	0	2	5	8	0	14	0	0	0	36

ई. पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमः-

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक
1.	शैक्षणिक नैतिकता, साहित्यिक चोरी, ड्रिलबिट और ग्रामरली सेवाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।	09 मई, 2024

ज. पुस्तकालय कर्मचारियों की विविध कार्यक्रमों में प्रतिभागिता-

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	पुस्तकालय से प्रतिभागिता
1.	विरासत पर गर्व करना-विकसित भारत के लिए पुस्तकालय और अभिलेखागार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	17-19 अक्टूबर 2024	02
2.	लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान पर दो-सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (ISC-LISP-01)	9-20 दिसम्बर 2024	01
3.	विकसित भारत/2047 के संदर्भ में NEP 2020 के संदर्भ में संस्कृत पुस्तकालयों को बदलने पर संगोष्ठी	16-28 मार्च 2025	02

झ. पुस्तकालय में कार्यरत कर्मचारियों का विवरण (पदवार)

क्र.सं.	पद का नाम	कर्मचारियों की संख्या
1.	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	01
2.	प्रोफेशनल सहायक	04
3.	सेमी प्रोफेशनल सहायक	02
4.	पुस्तकालय सहायक	03
5.	पुस्तकालय परिचर	02

जलपान गृह

संस्थान के परिसर में एक महत्वपूर्ण कैंटीन सुविधा है जिसका प्रबंधन तीसरे पार्टी के कैटरर द्वारा किया जाता है। विश्वाविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को बेहतरीन गुणवत्ता के विभिन्न प्रकार के उत्तर एवं दक्षिण भारतीय व्यंजन और स्नैक आइटम काफी रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाते हैं। परिसर कैंटीन में एक शानदार रसोई है, और रसोई कर्मचारी छात्रों और कर्मचारियों को पौष्टिक और स्वच्छ व्यंजन परोसने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। सभी कार्य दिवसों पर, कैंटीन सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुली रहती है।

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजन सुविधा

विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए उत्सुक है। हमारे विश्वविद्यालय की बनावट और निर्माण एक अनुकूल वातावरण प्रदान करते हुए तथा दिव्यांग लोगों की मूल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह सभी प्रकार के दिव्यांग लोगों के लिए एक बहुत ही अनुकूल परिसर है। विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर और स्ट्रेचर जैसी भौतिक सुविधाएं, मूलभूत तथा रैम्प/रेल की सुविधा भी उपलब्ध है।

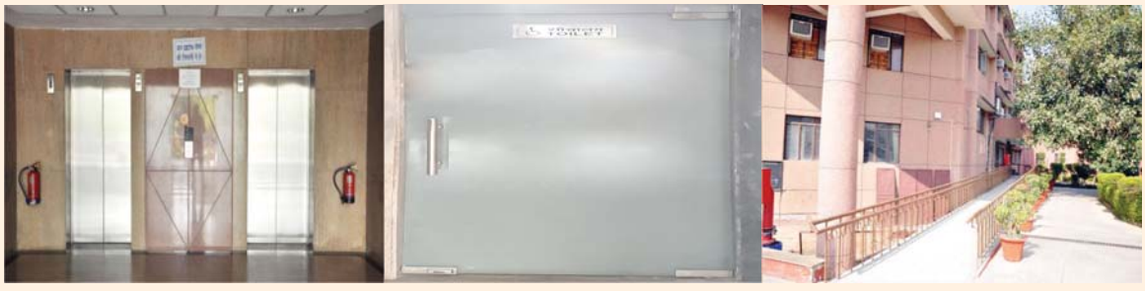

पर्यावरण-सुरक्षित हरित परिसर, 24x7 सुरक्षा और वहनीय वाहन स्थल

विश्वविद्यालय का हरा-भरा परिसर सिर्फ एक दृश्य नहीं है बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्ध है तथा 24x7 सुरक्षा और वहनीय वाहन स्थल भी उपलब्ध है। महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्यनीतिक रूप से सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए, चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित की गई, सभी के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए महिला गार्ड सहित सुरक्षा गार्डों की एक समर्पित टीम बनाई गई। सुविधा बढ़ाने के लिए, पार्किंग सुविधाओं का विस्तार किया गया है, और स्थायी भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ गौरव सहित ई-चार्जिंग स्टेशन प्रदान किए गए हैं।

क्रीडाक्षेत्र

विश्वविद्यालय में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए ग्राउंड स्थान, जहां खेल और सौहार्द एक साथ दिखाई देते हैं। खुला बैडमिंटन ग्राउंड (168 मीटर), वॉलीबॉल कोर्ट (880 मीटर), मल्लयुद्ध पार्क (750 मीटर), क्रिकेट ग्राउंड (3900 मीटर) और बास्केटबॉल कोर्ट (810 मीटर) बैडमिंटन, वॉलीबॉल, आउटडोर फिटनेस, क्रिकेट और बास्केटबॉल क्रमशः के लिए समर्पित क्षेत्र प्रदान करते हैं। ये विविध मैदान न केवल उत्साही मैचों की मेजबानी करते हैं बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ावा देते हैं।

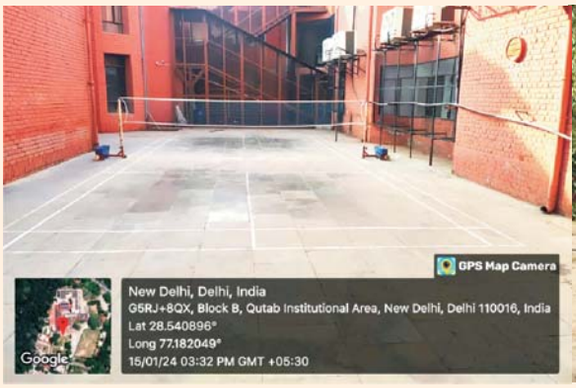

बहुमुखी स्थान: अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शैक्षणिक अनुभवों को बढ़ाना

यहां 400 लोगों के बैठने की क्षमता वाला बहुउद्देशीय हॉल है जो उन्नत ध्वनि प्रणाली, परिष्कृत प्रकाश व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह भव्य आयोजनों और अकादमिक चर्चाओं के केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसके साथ ही 20 से 80 व्यक्तियों तक बैठने की क्षमता वाले समिति हॉल की प्रस्तुत की गई है, जिनमें से प्रत्येक में प्रोजेक्टर, स्क्रीन और रिकॉर्डिंग सिस्टम हैं। ये हॉल सहयोगात्मक चर्चाओं, प्रस्तुतियों और ऑनलाइन बैठकों के लिए तैयार किए गए हैं, जो हमारे शैक्षणिक स्थानों की बहुमुखी प्रतिभा को बढ़ाते हैं।

आभासीय कक्षा/ स्टूडियो

विश्वविद्यालय ने केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग और नियंत्रण मंच के साथ एक आभासीय ई-कक्ष/ स्टूडियो की स्थापना की है जो उपयोग करने में सबसे आसान है और समृद्ध मीडिया लाइव वेबकास्टिंग और सामग्री प्रबंधन, वेब और मोबाइल वितरण प्रणाली के लिए सबसे अच्छा समर्थित है जो हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, नेटवर्किंग, ऑडियो-विजुअल कॉन्फ्रेंसिंग, नियंत्रण प्रणाली और केंद्रीकृत रिकॉर्डिंग सहित पूरी तरह से एकीकृत समाधान की और नियंत्रण प्रणाली का समावेशी है।

अतिथि गृह (विश्रान्ति निलय)

अतिथि गृह विश्रांति निलयम नामक विश्वविद्यालय की एक गैर-व्यावसायिक इकाई है और इसका उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया है। विश्वविद्यालय परिसर में, दो मंजिला विश्वविद्यालय अतिथि गृह भवन है। इसमें आठ डबल रूम, दो वीआईपी सुइट्स, एक डाइनिंग एरिया और एक ऑफिस रूम है। अतिथि गृह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों/सदस्यों के साथ-साथ शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधि के संबंध में आने वाले गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी कर सकता है।

छात्रावास

विश्वविद्यालय में एक लड़कों का छात्रावास है, जिसमें 51 कमरे हैं और इसमें 99 छात्र रह सकते हैं। अनुसंधान अध्येताओं और वरिष्ठ छात्रों के लिए, 16 एकल सीट वाले कमरे, 18 डबल सीट वाले कमरे और 17 ट्रिपल सीट वाले कमरे हैं। छात्रावास में एक कॉमन रूम, डाइनिंग हॉल, रिफ्रेशमेंट हॉल, किचन और पेंट्री के साथ-साथ एक स्थानीय क्षेत्र में नेटवर्क, कंप्यूटर, टीवी और टेलीफोन जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं। सन् 2021-22 से **डॉ. सुंदर नारायण झा इस छात्रावास के वॉर्डन का कार्यभार देख रहे हैं।**

मनोरंजन कक्ष

विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों के बीच स्वस्थ मनोरंजन और आपसी संपर्क के लिए, विश्वविद्यालय में एक मनोरंजन कक्ष प्रदान किया गया है। यह क्षेत्र महिलाओं को उनके रिक्त समय में विश्रांति, अध्ययन और अनौपचारिक बातचीत करने के उदेश्य से बनाया गया। यहाँ पर इनडोर गेम, फिटनेस उपकरण और फुल बॉडी मसाजर मशीन उपलब्ध हैं। सामुदायिक वाचनालय में कर्मचारियों के लिए समाचार पत्र और पत्रिकाएं भी उपलब्ध हैं। महिला कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए मनोरंजन कक्ष में महिला कर्मचारी की नियुक्ति की गई है।

व्यायामशाला

सभी छात्रों को विश्वविद्यालय में जिम की सुविधा उपलब्ध है। एक सूक्ति के अनुसार, 'स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ दिमाग रहता है,' छात्रों के लिए एक व्यावसायिक रूप से प्रबंधित वातावरण स्थापित किया गया है। यह व्यक्तियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उनके समग्र कल्याण में आवश्यक कारक हैं। परिसर में एक आंतरिक पूर्णत: वातानुकूलित आंतरिक व्यायामशाला है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। इसमें टॉप-ऑफ-द-लाइन फिटनेस और वर्कआउट उपकरण, जैसे ट्रेडमिल और मजबूत मशीनें हैं। संक्षेप में, जिम छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होने के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है।

देवसदनम् (मन्दिर)

विश्वविद्यालय परिसर में, मन्दिर दैनिक जीवन के पहलुओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंदिर न केवल अपनी धार्मिक विशेषताओं के लिए बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक गुणों के लिए भी उल्लेखनीय है। यह मंदिर हिंदू धर्म के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। एक हिन्दू के लिए, मंदिर एक भव्य संरचना से कहीं अधिक है। मंदिर दैनिक जीवन के बौद्धिक, कलात्मक, आध्यात्मिक, शैक्षिक और सामाजिक तत्वों का एक केंद्र है। विश्वविद्यालय का हर नया कार्यकाल परिसर में विद्यमान मंदिर में एक विशेष पूजा के साथ ही शुरू होता है।

आवासीय भवन

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए 48 आवासीय भवन निर्मित हैं, जिसमें सात टाइप-V क्वार्टर, आठ टाइप-IV क्वार्टर, आठ टाइप-III क्वार्टर, आठ टाइप-II क्वार्टर, सोलह टाइप-I क्वार्टर और एक कुलपति आवास भवन शामिल है।

शिशु सदन

कामकाजी माताओं के लिए बच्चों की सुरक्षा हमेशा एक प्रमुख चिंता का विषय रहा है। विश्वविद्यालय कामकाजी माताओं (शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ से) को घर और काम की दोहरी भूमिका निभाने में मदद करने के लिए एक शिशु सदन प्रदान करता है, ताकि उनके बच्चे की देख-भाल से संबंधित तनाव को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय के शिशु सदन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक आरामदायक, सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। यह केंद्र विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी सुविधा है क्योंकि यह दिन के दौरान शिशुओं और छोटे बच्चों की देखरेख और देखभाल प्रदान करता है, ताकि उनके माता-पिता, विशेष तौर पर माताओं को अपना काम करने और विश्वविद्यालय में काम को जारी रखने में सक्षम बनाया जा सके।

वेधशाला

ज्योतिष विभाग के छात्रों को सिद्धांत ज्योतिष का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में एक वेधशाला की स्थापना की गई है। इसे जंतर-मंतर, जयपुर के तत्कालीन विभागाध्यक्ष, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता स्वर्गीय एम.एम. कल्याण दत्त शर्मा जी द्वारा स्थापित किया गया। यह कारकवलय, तुलावलय और मकरवलय इत्यादि यन्त्र विभिन्न राशियों के विषय में जानकारी प्रदान करने एवं भित्तीयंत्र और चक्रयंत्र क्रांति का ज्ञान प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होते है। नाड़ीवलय यन्त्र के माध्यम से स्थानीय समय का ज्ञान ज्ञात करना संभव है। सम्राटयंत्र, यम्योत्तरलंघन काल, स्थानीय समय और मानक समय ज्ञानप्रदान करता है। यह भारतीय तारामंडल नतांश, अक्षांशा और क्रांति अंश आदि के अन्वेषण में सहायता प्रदान करता है।

यज्ञशाला

बृहस्पति भवन में एक यज्ञशाला निर्मित है जहां राजधानी के अर्चकों के लिए डिप्लोमा और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष यज्ञशाला में अनेक यज्ञानुष्ठानों का आयोजन किया गया। यज्ञशाला में वैदिक अनुष्ठानों और यज्ञों विधान के लिए विविध प्रकार के भद्र मंडल बनाए गए हैं। जैसे-सर्वतोभद्र मण्डल, चतुर्भद्र मण्डल, वास्तु मण्डल, एकषष्टिपद वास्तु मण्डल, नवग्रह मण्डल, षोडश मातृका मण्डल, सप्त घृत मातृका मण्डल, क्षेत्रपाल मण्डल, योगिनी मण्डल तथा अन्य भी विविध प्रकारक मण्डलों का चित्रण किया गया है। यज्ञशाला में गुरु-शिष्य परम्परा द्वारा अध्ययन और अध्यापन किया जाता है, गुरु और शिष्य विधिवत् चटाई पर बैठकर, विशिष्ट वेशभूषा में (धौती, कुर्ता, उत्तरिय आदि) आमने-सामने बैठते हैं और आसनस्थ पाठ को लकड़ी के पीठ के ऊपर रखकर स्वाध्याय करते हैं। इसके अतिरिक्त यज्ञशाला में प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

श्रौतयज्ञ प्रयोगशाला

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि सभी धर्मों के मूलभूत वेदों में कर्म और ज्ञान के माध्यम से धर्म का प्रतिपादन किया गया है। इन में जो कर्म मार्ग है वह यज्ञीयधर्म के रूप में है। वेदों के अधिकतर भाग इसी यज्ञविद्या का प्रतिपादन करता है। ये समस्त यज्ञीयप्रयोग साक्षात् वैज्ञानिक प्रयोग ही है। प्राचीन ऋषि वैज्ञानिक विविध यज्ञीयप्रयोगों को मानवकल्याण् के लिए करते थे। जैसा की आज के वैज्ञानिक विविध प्रयोगों को करने के लिए किसी किसी प्रयोगशाला का प्रयोग करते है, ठीक वैसे ही वे प्राचीन ऋषि वैज्ञानिक भी इन वैज्ञानिक यज्ञीय प्रयोगों को करने के लिए यागशालाओं का उपयोग करते थे। अत: विविध यज्ञप्रयोगों को करने के लिए यागशालाओं का स्वरूप भी उसी प्रयोजन के अनुरूप होता है। याज्ञों मे कुछ यज्ञ तो अहिताग्नि यजमान को आजीवन करने पडते हैं। इस तरह के यज्ञों को नित्य करने के लिए एक यज्ञशाला का विधान किया है, जैसे कि यह इष्टियागविहार है। इस विहार में अग्निहोत्री को यजमान के लिए आजीवन जो याग करने होते हैं, उनको किया जा सकता है स जैसे कि नित्य सायं-प्रात: अग्निहोत्र, दर्शपूर्णमासेष्टियाग, आग्रयणेष्टियाग इत्यादि। यज्ञीय कर्म का आधार यह वेदि है, जिसके बिना यज्ञ विषयक अनुष्ठान या अध्ययन असंभव है। वेदी की इसी अनिवार्यता को समझते हुए वेदविभागीय छात्रों को श्रौतयज्ञीय प्रयोगों के अध्ययनार्थ माननीय कुलपति महोदय प्रो. मुरली मनोहर पाठक द्वारा विश्वविद्यालय के परिसर में "श्रौतेष्टियागविहार" नाम से एक श्रौतयागशाला का निर्माण कराया गया है जो कात्यायन श्रौतसूत्र के अनुसार बनी है।

वर्षा जल संचयन प्रणाली

विश्वविद्यालय ने 2004-05 में केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की मदद से कुशल वर्षा जल संग्रहण व्यवस्था स्थापित की। पूरे परिसर को प्रभावी तरीके से कवर करने के लिए, सी.जी. डब्ल्यू.बी. द्वारा प्रस्तावित चार अलग-अलग स्थानों पर सात वर्षा जल संचयन बोर खोदे गए थे।

छत पर सौर ऊर्जा संयत्र

एजेंसी मेसर्स एज्योर पावर रूफ टॉप वन प्राइवेट लिमिटेड, भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सौर ऊर्जा निगम के अधीन है। भारत सरकार ने मौजूदा विश्वविद्यालय भवनों की छतों पर रेस्कोमोड में 151. 27 किलोवॉट पीकरूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया।

मलजल शोधन संयंत्र

2006-07 में फिल्टर प्रेस के साथ (120 कि.ली. प्रति दिन क्षमता का) एक नवीनतम एफ.ए.बी प्रकार कमल जल शोधन यन्त्र स्थापित किया है। परिसर की पाकशालाओं, स्नान घरों, शौचालय आदि के माध्यम से उत्पन्न अपशिष्ट जल का उपयोग परिसर में गैर-आवासीय भवनों के शौचालयों को फ्लश करने और बागवानी में पुन: उपयोग करने के उद्देश्य से यह स्थापित है। शत प्रतिशत शुद्ध किये गये अपशिष्ट जल का उपयोग मलजल शोधन यन्त्र के माध्यम से करता है और प्रभावी ढंग से इसका उपयोग विश्वविद्यालय के पार्कों और उद्यानों को सुव्यवस्थित एवं विकसित करने के लिए और (वर्षा ऋतु में कुछ दिनों को छोड़कर) गैर-आवसीय भवनों के शौचालयों में फ्लश के लिए किया जाता है। अपशिष्ट जल के उपचार के बाद उत्पन्न ठोस अपशिष्ट को फिल्टर प्रेस द्वारा खाद के रूप में परिवर्तित किया जाता है जिसका उपयोग बागवानी कार्यों के लिए किया जाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय पूरे वर्ष उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग कर रहा है। मलजल शोधन यन्त्र चौबीसों घंटे काम करता है।

क्रीडा, शैक्षणिक एवं पाठयेतर गतिविधियाँ

1. क्रीडा

अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल का अपना महत्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने छात्रों के लिए कई तरह की खेल और स्पोर्ट्स एक्टिविटीज आयोजित कीं। डॉ. मनोज कुमार मीना श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के इंचार्ज हैं। स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने वार्षिक खेल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन योगासन, कुश्ती, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, रस्साकशी, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स इवेंट्स (लड़के और लड़कियों) का आयोजन किया।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की टीम ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी गेम्स, 2024-25 (खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड और नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी) के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार भाग लिया है।

विश्वविद्यालय खेल/टूर्नामेंट का नाम तिथि (से और तक) छात्रों की संख्या, कोच और प्रबंधक

क्र.	विश्वविद्यालय का नाम	क्रीडा/क्रीडा प्रतियोगिता	अवधि	छात्रों, कोच और प्रबंधको की संख्या
1.	कलिंग इंस्टीट्यूट इंडसट्रियल टेक्नोलॉजी, भुबनेश्वर, ओडिशा	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चौम्पियनशिप (पुरुष)	26-30 दिसम्बर, 2024	14 छात्र, डॉ. कपिल देव, प्रबंधक
2.	कलिंग इंस्टीट्यूट इंडसट्रियल टेक्नोलॉजी, भुबनेश्वर, ओडिशा	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तीरंदाजी चौम्पियनशिप (पुरुष)	24-27 दिसम्बर, 2024	5 छात्र, श्री. बलवीर सिंह, प्रबंधक
3.	कलिंग इंस्टीट्यूट इंडसट्रियल टेक्नोलॉजी, भुबनेश्वर, ओडिशा	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय योग चौम्पियनशिप (पुरुष और महिला)	24-28 दिसम्बर, 2024	16 छात्र, श्री बलवीर सिंह, प्रबंधक, श्रीमती भावना चौधरी, पीएच.डी. छात्र, कोच
4.	गुरु काशी विश्व-विद्यालय, भटिंडा	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन स्टाइल चौम्पियनशिप (पुरुष और महिला)	05-17, जनवरी, 2025	15 छात्र, डॉ. मनोज कुमार मीना, प्रबंधक, श्री रमेश कुमार, कोच
5.	चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा	वर्ष 2024-25 के लिए नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप (पुरुष)	30 अक्टूबर 2024 से 03 नवम्बर 2024	05 छात्र, श्री हर्षित राजौरिया, (पीएच.डी, छात्र) प्रबंधक और कोच

6.	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जलंधर	वर्ष 2024-25 के लिए नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप (पुरुष)	13-16 नवम्बर, 2024	12 छात्र, श्री. राजेश गुर्जर, प्रबंधक एवं श्री. रमेश कुमार, कोच
7.	गुरु काशी विश्व-विद्यालय, भटिंडा	वर्ष 2024-25 के लिए नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप (पुरुष)	18 दिसम्बर, 2024 से 02 जनवरी, 2025	07 छात्र, डॉ. मनोज कुमार मीना, प्रबंधक और श्री रमेश कुमार, कोच
8.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तलवारबाजी चैंम्पियनशिप (पुरुष)	06.11.2024 से 10.11.2024	1 छात्र, श्री रमेश कुमार, प्रबंधक सह कोच
9.	गुरुकुल कांगड़ी विश्व-विद्यालय, हरिद्वार	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल चैम्पियनशिप (पुरुष)	22-26 नवम्बर, 2024	12 छात्र, डॉ. मनोज कुमार मीना, प्रबंधक और श्री हर्षित राजौरिया, (पीएच.डी. छात्र) कोच
10.	दिल्ली विश्वविद्यालय	वर्ष 2024-25 के लिए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय, क्रिकेट टूर्नामेंट (पुरुष)	10.02.2025 से 19.02.2025	15 छात्र, डॉ. मनोज कुमार मीना, प्रबंधक और कोच
11.	एस.एल.बी.एस.एन. एस.यु. खेल के मैदान	वार्षिक खेल टूर्नामेंट 2024-25	10-12 मार्च, 2025	लगभग 500-600 छात्रों ने भाग लिया। 160 छात्रों को पोजीशन मिली।

राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सूची

क्र.सं.	विश्वविद्यालय का नाम	खेल/प्रतियोगिता	आयोजन तिथि	छात्र और उनका विवरण	पदक
1.	गुरु काशी विश्वविद्यालय, भटिंडा	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती टूर्नामेंट	05-08 जनवरी, 2025	अमित सिंह, शास्त्री प्रथम वर्ष	कांस्य पदक

1. मातृ भाषा दिवस

प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को मदर टंग डे मनाया जाता है, जिसका मकसद मदर टंग के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। इसी सिलसिले में 21/02/2025 को विश्वविद्यालय कैंपस में मदर टंग डे मनाया गया। इस मौके पर कई प्रोग्राम ऑर्गनाइज किए गए और जीतने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

2. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च, 2025 को मनाया जाता है। यह एक ग्लोबल इवेंट है जो महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को पहचान देता है। यह लिंग समानता और महिलाओं के अधिकारों को तेजी से बढ़ाने के लिए काम करता है। विश्वविद्यालय परिसर में 03 से 09 मार्च, 2025 तक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

3. राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह

विश्वविद्यालय परिसर में 1 से 31 जनवरी, 2025 तक नेशनल रोड सेफ्टी महीना मनाया गया। मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज (MORTH) की इस पहल का उद्देश्य अलग-अलग कार्यक्रमों एवं प्रचार-प्रसार के जरिए रोड एक्सीडेंट और मौतों को कम करना है।

4. युवा मंथन मॉडल संयुक्त राष्ट्र

भारत सरकार के निर्देशन में, एक युवा मंथन मॉडल यूनाइटेड नेशंस कार्यक्रम का आयोजन श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में किया गया था। इस इवेंट में दो हिस्से थे- पहला 2 अप्रैल को COP29 के प्रतिनिधियों की मीटिंग और दूसरा 8 अप्रैल 2024 को AIPPM की मीटिंग।

5. नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस

यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली ने हर साल 26 जून को "ड्रग एब्यूज और इल्लिसिट ट्रैफिकिंग के खिलाफ इंटरनेशनल डे" घोषित किया है। इस तरह, हर साल 26 जून को ऊपर बताए गए विषय पर ड्रग्स एब्यूज और इल्लिसिट ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरुकता फैलाई जाती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में ड्रग्स के खतरे के बारे में जागरुकता पैदा करना है। इस बारे में, विश्वविद्यालय के सभी टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ और स्टूडेंट्स के लिए ड्रग्स की सप्लाई/डिमांड/जानलेवा नतीजों से बचने से जुड़े अलग-अलग प्रोग्राम जैसे रैली, सेमिनार, वर्कशॉप, ई-प्लेज, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वगैरह के जरिए बड़े पैमाने पर पब्लिसिटी की गई है, ताकि ड्रग-फ्री इंडिया का सपना पूरा हो सके।

6. भारतीय भाषा उत्सव

सुब्रमण्यम भारती का जन्मदिन 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' के रूप में मनाया गया। भाषा विश्वविद्यालय में 11 दिसंबर, 2024 को 'भारतीय दिवस' मनाया जाएगा और इस दिन को 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' के रूप में पहचाना जाएगा। भाषा उत्सव 'भारतीय' भाषा युवाओं के मन में भारतीय भाषाओं की भरमार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में 'उत्सव' का आयोजन किया गया। इस प्रोग्राम में भारतीय भाषाओं की जानकारी, अक्षर, लिपियाँ, भाषा का मशहूर इतिहास, आम शब्द, सांस्कृतिक-आध्यात्मिक एकता वगैरह के बारे में प्रदर्शनी लगाई गई, भाषाई खेलों के बारे में स्टॉल लगाए गए, अलग-अलग भाषाओं की साहित्यिक किताबें वगैरह लगाई गईं, भाषा का ज्ञान पाने के लिए अलग-अलग तरह के टूल्स और सॉफ्टवेयर, भाषा बदलने की टेक्नोलॉजी, डाउनलोडिंग और दूसरे टूल्स के बारे में बताया गया। भाषण/वाद-विवाद, कविता सुनाने वगैरह के कॉम्पिटिशन रखे गए। कल्चरल डिश के स्टॉल लगाए गए, जिसमें हेल्दी डिश, पब्लिक आर्ट और डांस परफॉर्मेंस, नुक्कड़ नाटक और स्टेज पर नई भाषा बदलने के प्रोग्राम रखे गए।

7. सरकारी उपलब्धियां और योजनाएं एक्सपो (प्रदर्शिनी)

भारत सरकार के निर्देश पर, विश्वविद्यालय ने बुक स्टॉल के जरिए शानदार उपलब्धियों और अलग-अलग लोगों की भलाई की योजनाओं को दिखाया। प्रगति यूनिवर्सिटी में 'सरकारी उपलब्धियां और योजनाएं एक्सपो-2024' हुआ। मैदान, नई दिल्ली में 20-21-22 जुलाई, 2024 को।

8. एक पेड़ माँ के नाम अभियान

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान की शुरुआत की गई। इस पुनीत पहल के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से इस अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए यह अभियान 2 अगस्त 2024 को पुनः आयोजित कर निरंतर जारी रखा गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ते वैश्विक तापमान से निपटना तथा पृथ्वी के भविष्य की रक्षा करना है।

9. शास्त्री जी और श्री महात्मा गांधी की जयंती का उत्सव

02 अक्टूबर को श्री महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय में टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ और स्टूडेंट्स ने गीता का पाठ किया।

10. दीपावली पूजन

भारतीय संस्कृति की परंपराओं में त्योहारों का खास महत्व है और विश्वविद्यालय इन परंपराओं के संरक्षण और प्रचार के लिए लगातार काम कर रही है। इसी सिलसिले में 31.10.2024 (गुरुवार) को दीपावली के शुभ अवसर पर माननीय वाइस-चांसलर द्वारा लक्ष्मी पूजन का आयोजन किया गया।

11. स्वच्छता सफाई के अंतर्गत पखवाड़ा और विशेष स्वच्छता 4.0 (एससीडीपीएम) मित्र सुरक्षा शिविर

1 से 15 सितंबर और 16 से 30 सितंबर, 2024 तक विश्वविद्यालय कैंपस में पब्लिक जगहों और घरों की सफाई के लिए आयोजन किया गया था। इस मौके पर, कैंपस की सफाई को ध्यान में रखते हुए, माननीय कुलपति और दूसरे टीचर्स, नॉन-एकेडमिक अधिकारियों/स्टाफ ने कैंपस की सफाई की। इस अभियान के दौरान, स्टूडेंट्स और अधिकारियों में सफाई और हाइजीन की भावना पैदा की गई ताकि महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा किया जा सके।

12. जनजातीय गौरव दिवस

भारत सरकार के निर्देशानुसार भगवान श्री राम की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। बिरसा मुंडा जयंती 15 से 26 नवंबर, 2024 तक मनाई जाएगी। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने एकेडमिक स्टाफ की देखरेख में कई प्रोग्राम किए।

13. संविधान दिवस

26 नवंबर, 2024 को विश्वविद्यालय कैंपस में संविधान दिवस सेलिब्रेशन ऑर्गनाइज किया गया था। शपथ समारोह विश्वविद्यालय के अपने-अपने सेक्शन में हुआ। संविधान दिवस, जिसे "नेशनल लॉ डे" भी कहा

जाता है, हर साल 26 नवंबर को भारत के संविधान को अपनाने की याद में रेगुलर मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को, भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान को अपनाया और 26 जनवरी 1950 से यह लागू हुआ।

14. गणतंत्र दिवस

विश्वविद्यालय परिसर में 'गणतंत्र दिवस समारोह' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम 26 जनवरी, 2025 को सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ। वाइस-चांसलर ने श्री लाल बहादुर शास्त्री को सम्मानित किया। जी की मूर्ति पर फूल चढ़ाए गए और राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस मौके पर इकट्ठा हुए दर्शकों ने राष्ट्रगान गाया। माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय के NCC कैडेट्स (महिला और पुरुष) को गणतंत्र दिवस समारोह में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए यादगार चीजें दीं। समारोह में, माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय के नॉन-टीचिंग स्टाफ को उनकी बेहतरीन सेवा और ड्यूटी के प्रति समर्पण के लिए सर्टिफिकेट भी दिए ।

15. विभाजन भयावह स्मृति दिवस

बंटवारा हॉरर रिमेंबरेंस डे 14.08.2024 को यूनिवर्सिटी कैंपस में मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने की। बंटवारा हॉरर्स रिमेंबरेंस डे एक सालाना नेशनल मेमोरियल डे है जो हर साल 14 अगस्त को मनाया जाता है, जो 1947 में भारत के बंटवारे के दौरान पीड़ितों के बलिदान और लोगों की तकलीफों को याद करता है। यह पहली बार 2021 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के बाद मनाया जाता है ।

16. स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कुलपति को यूनिवर्सिटी के NCC कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। गार्ड ऑफ ऑनर के इंस्पेक्शन के बाद, कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की मूर्ति पर माला पहनाई। कुलपति जी ने राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया। इस मौके पर इकट्ठा हुए सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाया। विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों, खासकर छब्ब कैडेट्स को संबोधित करते हुए, कुलपति ने उन्हें देश की शान को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने में जरूरी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर, कुलपति ने पेड़ भी लगाए।

17. हर घर तिरंगा

13 से 15 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में हर घर तिरंगा झंडा फहराया गया। विश्वविद्यालय के टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टाफ और स्टूडेंट्स के बीच राष्ट्रीय झंडे बांटे गए। विश्वविद्यालय के कुलपति ने श्री लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति के पास टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टाफ और स्टूडेंट्स के बीच झंडे बांटे। कुलपति जी का स्वागत किया और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कुलपति परिसर में झंडों के साथ-साथ चले भी।

18. फिट इंडिया सप्ताह

फिट इंडिया वीक 15 से 31 दिसंबर, 2024 तक विश्वविद्यालय में ऑर्गनाइज किया गया था। थ्ज इंडिया मूवमेंट 29 अगस्त, 2019 को माननीय प्रधानमंत्री ने फिटनेस को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का जरूरी हिस्सा बनाने के मकसद से लॉन्च किया था। इस मूवमेंट का उद्देश्य लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना और ज्यादा फिजिकली एक्टिव लाइफस्टाइल की ओर बढ़ना है। इस मिशन को पाने के लिए, फिट इंडिया नीचे दिए गए उद्देश्य को पाने के लिए अलग-अलग पहल करने और इवेंट्स करने का प्रस्ताव है:

- फिटनेस को आसान, मजेदार और मुफ्त के रूप में बढ़ावा देना।
- खास कैंपेन के जरिए फिटनेस और फिटनेस को बढ़ावा देने वाली अलग-अलग फिजिकल एक्टिविटीज के बारे में जागरूकता फैलाना।
- स्वदेशी खेलों को प्रोत्साहित करना।
- फिटनेस को हर स्कूल, कॉलेज/यूनिवर्सिटी, पंचायत/गांव आदि तक पहुंचाना।
- भारत के नागरिकों के लिए जानकारी शेयर करने, जागरूकता फैलाने और पर्सनल फिटनेस स्टोरीज शेयर करने के लिए एक प्लेटफॉर्म बनाना।

19. उत्कर्ष महोत्सव

उत्कर्ष महोत्सव श्री लाल बहादुर शास्त्री नेशनल संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेंट्रल विश्वविद्यालय बनने के उपलक्ष्य में 22 और 23 अगस्त 2024 को ऑल इंडिया टेक्निकल एजुकेशन काउंसिल, नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में सेंट्रल संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और नेशनल संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के वाइस-चांसलर समेत कई जाने-माने मंत्री शामिल हुए ।

20. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सेंट्रल सतर्कता जागरूकता कमीशन के निर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय में 28/10/2024 से 03/11/2024 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया गया। जिसकी थीम "ईमानदारी की संस्कृति के साथ देश की खुशहाली" है। इस संदर्भ में, विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर और CVO की देखरेख में सभी एकेडमिक/ नॉन-एकेडमिक स्टाफ और स्टूडेंट्स ने विश्वविद्यालय परिसर में शपथ ली और ई-शपथ के लिए वेबसाइट पर जाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस संबंध में कई प्रोग्राम आयोजित किए गए और जीतने वाले पार्टिसिपेंट्स को इनाम दिए गए।

21. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों की भागीदारी के साथ आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित योग प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आसन प्राणायाम आदि किए गए।

22. सरस्वती पूजन

विश्वविद्यालय में दिनांक 02 फरवरी, 2025 को वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आचरण किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता एवं समस्त पीठों के आचार्यों की उपस्थिति में डॉ. सुन्दर नारायण झा द्वारा शास्त्रीय परम्परा के अनुसार देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई।

नोटः - 'प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित वार्षिक प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित वार्षिक प्रतिवेदन मान्य होगा।'